दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा
Since : 2004
कदम बढ़ाएं, सच के साथ
वर्ष : 15 | अंक : 130 | जयपुर | रविवार, 16 मार्च, 2025 | चैत्र, कृष्ण पक्ष द्वितीया संवत्-2081 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य : ₹ 5.00 | पृष्ठ : 12
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी अगले महीने श्रीलंका की यात्रा करेंगे

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले वर्ष श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की दिल्ली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए अगले महीने की शुरुआत में श्रीलंका की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने यहां संसद में बजट आवंटन को लेकर हुई चर्चा पर एक सवाल के जवाब में यह बयान दिया। हेराथ ने कहा, ''हमने अपने पड़ोसी देश भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे हैं। हमारी पहली कूटनीतिक यात्रा भारत की थी, जहां हमने द्विपक्षीय सहयोग पर कई समझौते किए।'' उन्होंने कहा, ''भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अप्रैल की शुरुआत में यहां आएंगे।'' हेराथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान सामपुर सौर ऊर्जा स्टेशन के उद्घाटन के अलावा कई नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। सरकारी विद्युत इकाई सीलोन विद्युत बोर्ड और भारत की एनटीपीसी ने 2023 में पूर्वी त्रिंकोमाली जिले के सामपुर शहर में 135 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र बनाने पर सहमति व्यक्त की थी।

सोने की कीमत ने रचा स्वर्णिम इतिहास

10 ग्राम स्टैंडर्ड सोने की कीमत पहुंची 90,300, चांदी हुई 1900 रुपए महंगी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। भारत में सोने की कीमत ने स्वर्णिम इतिहास रच दिया है। दुनियाभर के बाजार में जारी अस्थिरता और शेयर बाजार में जारी उठा-पटक के बाद कीमती धातुओं में निवेश बढ़ गया है। इसकी वजह से स्टैंडर्ड सोने की कीमत ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। राजस्थान में शनिवार को 10 ग्राम स्टैंडर्ड सोने की कीमत बढ़ाकर 90 हजार के आंकड़े को पार कर गई है। वहीं, चांदी की कीमत में भी तेजी आई है। इसके बाद 1 किलो चांदी की कीमत बढ़कर एक लाख 2000 रुपए पर पहुंच गई है। सर्राफा व्यापारियों के मुताबिक अगले कुछ दिनों में ही 10 ग्राम स्टैंडर्ड सोने की कीमत 91 हजार और चांदी की कीमत एक लाख 5 हजार को पार कर सकती है। जयपुर सर्राफा कमेटी की ओर से जारी भाव के अनुसार जयपुर में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90 हजार 300 रुपए पर आ गई है।

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के आंकड़े चिंताजनक

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को मराठवाड़ा और विदर्भ में किसानों की आत्महत्या के मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि केंद्र को किसानों की मदद के लिए नीति लानी चाहिए। पवार का यह बयान राज्य राहत एवं पुनर्वास विभाग द्वारा जारी आंकड़ों की पृष्ठभूमि में आया है, जिसमें खुलासा हुआ है कि 2024 में महाराष्ट्र में 2,635 किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मराठवाड़ा और विदर्भ से जो जानकारी आई है, वह चिंताजनक है। हम विभिन्न स्थानों से सटीक आंकड़े एकत्र करेंगे। केंद्र को किसानों की मदद के लिए नीति तैयार करनी चाहिए।'' राकांपा (एसपी) नेता जयंत पाटिल के अजित पवार के नेतृत्व वाले पार्टी के गुट में शामिल होने की अटकलों पर वरिष्ठ नेता ने कहा कि पाटिल पहले ही मीडिया को अपना बयान दे चुके हैं।

शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव

सशक्त और विकसित देश-प्रदेश के निर्माण में आधी आबादी की अहम भूमिका : सीएम मुख्यमंत्री

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तीकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार भी वंदनीय और गौरवशाली सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में हमने राजस्थान दिवस भी अंग्रेजी तारीख की जगह हमारे पंचांग की तिथी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाये जाने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री की आधी आबादी की उन्नति और प्रगति की सोच

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश के आस्था केन्द्रों का तेजी से विकास हो रहा है। हमारे पौराणिक धार्मिक स्थलों को उनका दिव्य एवं भव्य रूप वापस लौटाकर सनातन संस्कृति का उत्थान किया जा रहा है। राज्य सरकार भी प्रदेश के आस्था स्थलों का पुनरूद्धार कार्य करवा रही है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के लिए तेजी से काम कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हम राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देकर उनको स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय 'नारी शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन' महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने शक्ति वंदन पुस्तक में उद्यमी महिलाओं के लिए संदेश लिखा। श्री शर्मा ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और प्रदर्शनी के रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल आधारित उत्पादों की सराहना की। इस अवसर पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मुख्यमंत्री को अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमी एवं बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

पुलिसकर्मियों ने कहीं होली मनाई, कहीं बहिष्कार, टेंट खाली रहे

किरोड़ी लाल बोले- सीएम तक मांगें पहुंचाकर पूरा करवाऊंगा; कोटा एसपी ने किया डांस

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के पुलिसकर्मियों ने कुछ जिलों में जमकर होली खेली, कुछ जगह बहिष्कार किया। हमेशा की तरह इस साल भी पुलिस लाइन में होली सेलिब्रेशन की पूरी व्यवस्था की गई थी। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर सहित तमाम जिलों की पुलिस लाइन खाली रही।

कोटा, भरतपुर, पाली, सवाई माधोपुर में जरूर रौनक रही। यहां पुलिसकर्मियों ने पुलिस अधीक्षकों के साथ होली खेली। डीजे की धुन पर जमकर डांस भी किया।

शनिवार को कोटा पुलिस लाइन में एसपी अमृता दुहन ने महिला जवानों के साथ में डीजे पर जमकर डांस किया। भरतपुर पुलिस लाइन में एसपी मृदुल कच्छावा के साथ कुछ पुलिसकर्मियों ने होली खेली। दोनों ही जगह पुलिसवालों की संख्या कम रही। पाली में पुलिस के जवान फायर ब्रिगेड के साथ होली खेलते नजर आए। उदयपुर पुलिस लाइन में जवानों को होली खेलने नहीं पहुंचने पर साउंड सिस्टम वापस लौटा दिया गया।

किरोड़ी बोले- होली पूरे उल्लास से मनाएं

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने ट्वीट कर पुलिसकर्मियों से होली मनाने का आग्रह किया है। उन्होंने ट्वीटर पर लिखा है- आपकी जो भी मांगें हैं, वह मुख्यमंत्री तक पहुंचा कर पूरा कराऊंगा। आप सभी विपरीत परिस्थितियों में सदा जनसेवा में प्रतिबद्ध पुलिसकर्मियों से विनम्र आग्रह है कि वे वैदिक पर्व होली पूरे उल्लास के साथ मनाएं।

गहलोत बोले- मांगों पर फैसला करें सरकार

इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कल प्रदेशभर में शांतिपूर्वक होली के आयोजन में योगदान देने वाले पुलिसकर्मी आज बहिष्कार कर रहे हैं। गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस मामले में हस्तक्षेप करने और पुलिसकर्मियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। साथ ही, उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से बहिष्कार पर पुनर्विचार करने और अपने साथियों एवं परिजनों के साथ होली का त्योहार मनाने का आग्रह किया।

कैबिनेट मंत्री बोले- गहलोत को ये कहने का अधिकार नहीं

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को ये कहने का अधिकार नहीं है। 5 साल का उनका कार्यकाल रहा, उसमें ये सब पहले कर दिया होता तो आज यह कहने की नौबत नहीं आती। जो सरकार होटलों में बंद रही। कुर्सी बचाने में व्यस्त रही, मिनी मुख्यमंत्री खड़े कर दिए। वह अब सलाह दे, ये ठीक नहीं है। भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार सभी सरकारी अधिकारी, कर्मचारियों के लिए संवेदनशील है। यदि पुलिसकर्मियों में कोई बात है तो उस पर सरकार सकारात्मक विचार करेगी और उसका निराकरण नियमानुसार किया जाएगा।

कश्मीर घाटी में ताजा हिमपात, मैदानी इलाकों में भी गिरी बर्फ

नई दिल्ली। कश्मीर के कई इलाकों में शनिवार को हिमपात हुआ जबकि कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां और पुलवामा जिलों के मैदानी इलाकों में बर्फबारी हुई। इसके अलावा, गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों पर भी हिमपात दर्ज किया गया।

उन्होंने कहा कि बांदीपोरा जिले के गुरेज, कुपवाड़ा के कुछ इलाकों और घाटी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई।

राजस्थान के 12 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

जयपुर, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, चूरू समेत कई शहरों में आंधी चलेगी; पारा गिरा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण गुरुवार को प्रदेश के कई शहरों में बारिश-ओलावृष्टि हुई। जयपुर, बीकानेर, भरतपुर संभाग के जिलों समेत उत्तर-पूर्वी राजस्थान के हिस्सों में इस सिस्टम का सबसे ज्यादा असर रहा। मौसम के इस बदलाव से अधिकांश शहरों का तापमान 1 से लेकर 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जयपुर सहित 12 जिलों में आज भी आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 16 मार्च से राजस्थान में मौसम फिर से ड्राय होने लगेगा और आसपास साफ रहेगा। पिछले 24 घंटे के दौरान गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, जयपुर, अलवर, सीकर, बीकानेर, दौसा समेत कई जिलों में कल (शुक्रवार) दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ। कई जगह तेज

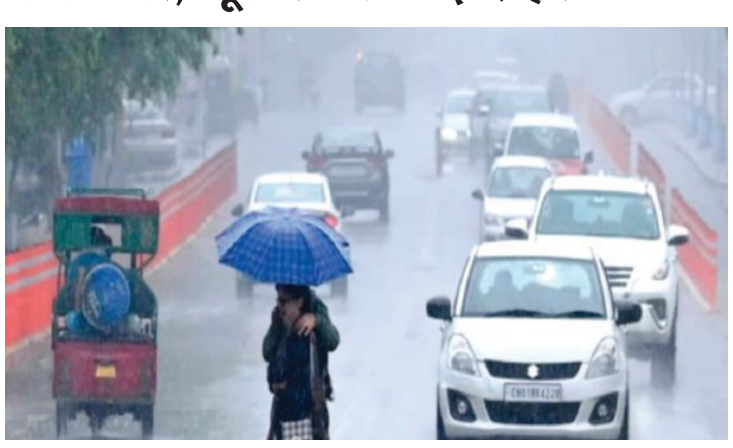

आंधी चलने के साथ बारिश हुई। हनुमानगढ़, चूरू के आसपास कुछ जगहों पर ओले भी गिरे। देर रात को हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर के अलावा अलवर-भरतपुर के एरिया में बारिश का दौर जारी रहा। मौसम के इस बदलाव से हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर में दिन का अधिकतम तापमान गिरकर 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। कल सबसे अधिक तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस चित्तौड़गढ़ में दर्ज हुआ। श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस, हनुमानगढ़ में 27.4, जैसलमेर में 36.1, बाड़मेर में 37.8, जोधपुर में 36.6, बीकानेर में 34.4, चूरू में 34.8, सिरोही में 34.6, अजमेर में 35.6 और दौसा में 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में कल दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ और बादल छाने के बाद के कुछ इलाकों में बारिश हुई। प्रताप नगर, सांगानेर, जगतपुरा, मालवीय नगर, दुर्गापुरा के एरिया में बारिश हुई, जबकि वैशाली, चारदीवारी एमआई रोड, कलेक्ट्रेट के आसपास मौसम ड्राय रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, जयपुर शहर में कल 1.5एमएम बरसात हुई। बारिश से जयपुर के तापमान में गिरावट हुई और यहां कल अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

सम्पादकीय कार्यालयः-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, निम्बाहेड़ा, चूरु, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, भरतपुर में प्रसारित

उदयपुर में बॉलीवुड का शाही जलसा, तुमको मेरी कसम का आज धमाकेदार अंदाज में प्रीमियर

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। सपने वही देखते हैं, जो उन्हें सच करने का जज्बा रखते है और ऐसे ही एक हकीकत बन चुके सपने की कहानी लेकर आ रही है इंदिरा इंटरप्राइजेज की बहुप्रतीक्षित फिल्म तुमको मेरी कसम। 21 मार्च को वर्ल्डवाइड रिलीज़ से पहले इस फिल्म का शाही प्रीमियर 16 मार्च को उदयपुर के सेलिब्रेशन मॉल स्थित पीवीआर सिनेमा में होगा। जहां बॉलीवुड की कई नामी हस्तियां इस अवसर पर मौजूद रह कर कार्यक्रम में चार चांद लगायेगी। राजस्थान की शाही हवाओं में जब सिनेमा का तड़का लगेगा, तो धमाका बहुत बड़ा होगा। प्रीमियर के दौरान अनुपम खेर, अदा शर्मा और विक्रम भट्ट एक साथ स्टेज पर होंगे। बॉलीवुड के दिग्गज अनुपम खेर, ईश्वाक सिंह, अदा शर्मा, ईशा देओल, सुशांत सिंह और वीर मुर्डिया भी इस ग्रैंड प्रीमियर का हिस्सा बनेंगे। इन सितारों से मिलने का मौका हर सिनेप्रेमी के लिए एक सुनहरा अवसर होगा। इस फिल्म का निर्देशन सस्पेंस और इमोशन के मास्टर विक्रम भट्ट ने किया है, यानी कहानी में थ्रिल, इमोशन और ड्रामा का जबरदस्त तड़का मिलेगा। तुमको मेरी कसम ,एक कहानी जो आपको हिला कर रख देगी। यह फिल्म सिर्फ पर्दे पर चलने वाली एक कहानी नहीं, बल्कि एक असली हीरो की प्रेरणादायक दास्तान है। आईवीएफ टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक मिसाल बन चुके डॉ. अजय मुर्डिया की जिंदगी पर बनी यह बायोपिक दर्शकों को संघर्ष, उम्मीद और कामयाबी का नया आयाम दिखाने वाली है। फिल्म में डॉ. मुर्डिया के संघर्ष को संवेदनशीलता और गहराई से पेश किया गया है। यह सिर्फ एक डॉक्टर की कहानी नहीं, बल्कि एक इंसान की जद्दोजहद, समाज की सोच को बदलने की हिम्मत और जिंदगी को नए मायनों में देखने की कला का खूबसूरत चित्रण है।

दिल को छूने वाला संगीत : बॉलीवुड में फिल्में आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ फिल्में अपने संगीत के लिए सालों तक याद की जाती हैं,तुमको मेरी कसम भी ऐसी ही एक फिल्म साबित होने वाली है, क्योंकि इसका संगीत पहले ही धूम मचा चुका है। इश्का इश्का, चाहूं तुमको ऐसे, बेरंग, और टाइटल ट्रैक तुमको मेरी कसम इन गानों ने रिलीज़ से पहले ही म्यूजिक चार्ट्स पर धूम मचा दी है। फिल्म के संगीतकार प्रतीक वालिया, गीतकार विक्रम भट्ट और श्वेता बोथरा और सिंगर्स नीति मोहन, च्मचवद, अब्दुल शेख और प्रतीक वालिया ने इस एल्बम को संगीत प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन तोहफा बना दिया है।

उदयपुर में सितारों की बरसात मिस मत कीजिए

राजस्थान के शाही शहर उदयपुर में होने जा रहा यह प्रीमियर सिर्फ एक इवेंट नहीं, बल्कि बॉलीवुड और रॉयल्टी का महामिलन होगा। रेड कार्पेट पर बॉलीवुड सितारों की एंट्री होगी, कैमरे चमकेंगे, और दर्शकों को मिलेगा सपनों की दुनिया का असली मजा,तो 16 मार्च को सेलिब्रेशन मॉल के पीवीआर में, और 21 मार्च को सिनेमाघरों में तुमको मेरी कसम देखने के लिए तैयार रहिए। ये सिर्फ फिल्म नहीं, ज़िंदगी का फॉर्मूला है,उम्मीद, मेहनत और कामयाबी का।

पावटा गांव का प्रसिद्ध डोलची होली मेले का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। महवा के समीप पावटा गांव का प्रसिद्ध डोलची होली मेला जो आपसी प्यार,वीरता और बलिदान का परिचायक है। पूर्व पार्षद गोपेन्द्र सिंह पावटा, योगेंद्र गोयल ने बताया की यह मेला वीर बल्लू शहीद की याद में खेला जाता है। जो की इस गांव की 250 वर्षो से भी पुरानी परम्परा और इतिहास का अनोखा संगम है यह रणबांकुरों का मेला, युद्ध परम्परा के साथ खेला जाता है।

ईस मेले पर सभी गांव वासी डोलची बड़ी वीरता से खेलते है इसमे दो समूह एक दूसरे के साथ चमड़े की बनी डोलची से पानी भरकर प्रहार करते हैं जिससे आपस में लोग खून मय हो जाते है लेकिन खेलना जारी रखते हैं, तकरीबन एक घंटे तक यह खेल खेला जाता है। जिसमें गांव से बहुत सारी संख्या में लोग शामिल होते हैं इसे देखने हजारो की संख्या में आसपास के गांवों,शहरों से भी लोग आते है। इस त्यौहार को सारा गांव बड़े धूमधाम से खेलता है। इस मेले में मुख्य आकर्षण केंद्र शहीद बल्लू सैंया जिसे लोग हदिरा बाबा के रूप में पूजते है उनकी झांकी के रूप में घायल सजाया जाता है जिसे 12 तलवारो के साथ सजीव झांकी के रूप में प्रदर्शित किया जाता है साथ ही अनेको सजीव झांकी प्रदर्शित की जाती है व गांव के सभी युवा झूमते नाचते खेलते हुए जाते है।

जिसमे शिव पार्वती, भोलेनाथ,राधा कृष्ण, ब्रह्मा जी,भीष्म पितामहः सहित अनेकानेक झाकिया भी सजाई जाती है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री राजस्थान सरकार जवाहर सिंह बेढ़म रहे, प्रोफेसर विक्रम सिंह रेंडायल,बच्चू सिंह सरपंच,अजय बौहरा, योगेंद्र गोयल, बंटी प्रधान,पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अखिल भारतीय युवा गुर्जर महासभा एंव पूर्व पार्षद गोपेन्द्र पावटा,सरपंच प्रतिनिधि मुकेश शर्मा,महवा चैयरमेन प्रतिनिधि बिजेन्द्र गुर्जर, धर्मजीत सिंह सीईओ,पूर्व सरपंच टीकम,सिरमौर,सहित अनेकानेक नेता गण शामिल हुए ।

जिला कलक्टर के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने किया प्रभावित इलाकों का दौरा

खेतों में जाकर ओलावृष्टि, बारिश एवं अंधड़ से हुए फसल खराबे का लिया जायजा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। जयपुर जिले के कई इलाकों में हुई ओलावृष्टि, बारिश एवं अंधड़ से फसलों को नुकसान हुआ है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने अपने क्षेत्र के खेतों में जाकर फसल खराबे से हुए नुकसान का जायजा लिया।जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आंधी के रामपुरा, सोनकोटड़ा, डागरवाड़ा सहित अन्य तहसीलों के प्रभावित इलाकों का दौरा किया एवं खेतों में जाकर ओलावृष्टि, बारिश एवं अंधड़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित किसानों से संवाद भी किया। जिला कलक्टर ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को फसल बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर प्रभावित किसानों के जल्द से जल्द नियमानुसार मदद पहुंचाने के निर्देश दिये हैं। जिला कलक्टर ने खेतों में निरीक्षण के दौरान प्रभावित काश्तकारों को फसलों में हुए नुकसान का मुआवजा प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के किसान रक्षक हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 14447 पर फोन कर शिकायत दर्ज करवाने के लिए जागरुक किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी जमवारामगढ़, तहसीलदार आंधी एवं फसल बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि 13 मार्च को जयपुर के कई इलाकों में बेमौसम वर्षा एवं ओलावृष्टि से किसानों की फसल खराब हुई है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड टांक जाएंगे राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट में

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट 17 से 18 मार्च 2025 तक राज्य प्रशिक्षण केंद्र जगतपुरा जयपुर में होगी। सी ओ गाइड राजसमंद अभिलाषा मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट में राजस्थान प्रदेश के लीडर ट्रेनर एवं सहायक लीडर ट्रेनर का समागम आगामी दो दिनों तक जयपुर के जगतपुरा में होगा। इस ट्रेनर्स मीट में राजसमंद जिले का प्रतिनिधित्व राकेश टॉक शारीरिक शिक्षक एवं सहायक लीडर ट्रेनर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली स्थानीय संघ- कुंभलगढ़ करेंगे। जिला प्रशिक्षण आयुक्त राजसमंद राकेश टॉक ने बताया कि वे आगामी दिनों में आयोजित होने वाले ट्रेनर्स मीट में राजसमंद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए सत्र 2025- 26 में राज्य में होने वाली विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा एवं क्रियान्वती, ए. पी. आर. ओ. द्वितीय व तृतीय तथा स्कीम आफ ट्रेनिंग में नये संशोधनों की जानकारी राज्य मुख्यालय से प्राप्त कर आगामी सत्र 2025-2026 हेतु राजसमंद जिले में आयोजित होने वाली स्काउट गाइड गतिविधियों का सुचारू रूप से आयोजन करवाने में अपनी अहम भूमिका अदा करेंगे। टॉक राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट के लिए 16 मार्च 2025 को जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

मां चामुंडा देवी मंदिर में वार्षिक मेले का भव्य आयोजन

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। चिनायटा में स्थित मां चामुंडा देवी मंदिर में शनिवार को वार्षिक मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचे।मंदिर के महंत बाबा रामलाल दास जी महाराज ने बताया कि सुबह माता के मंदिर में पूजन के बाद मेले का शुभारंभ हुआ। मेला परिसर में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगीं। खरीदारी से छोटे दुकानदारों को अच्छा व्यापार मिला। अजीम खान चिनायठा ने बताया कि मेले में रागिनी गायन का विशेष आयोजन किया गया। इसमें सुरेंद्र सिंह बेनीवाल एंड पार्टी पलवल, दीपा चौधरी, पूजा शर्मा, सगुन चौधरी और प्रीति शर्मा ने प्रस्तुतियां दीं। रागिनी कार्यक्रम में कई गांवों से लोग शामिल हुए।पहाड़ियों की तलहटी में स्थित इस प्रसिद्ध मंदिर में माता चामुंडा, हनुमानजी, शिवालय व लांगुरिया आदि देवताओं के दर्शन स्थल हैं। मंदिर का गुंबद इसकी विशेष पहचान है।

वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर ऐश्वर्या कॉलेज में जागरूकता सत्र का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। ऐश्वर्या कॉलेज में वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सनी मदार मौजूद थे।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मदार आर्ट ऑफ लिविंग फैकल्टी सदस्य, बेटर इंडिया और ड्रग-फ्री इंडिया के सक्रिय स्वयंसेवक भी हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किडनी से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व को समझाया। इस अवसर पर डॉ. मदार ने बताया कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, असंतुलित आहार और पानी की कमी जैसी समस्याएँ किडनी रोगों का प्रमुख कारण बनती हैं। उन्होंने नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, भरपूर पानी पीने और तनाव प्रबंधन पर जोर देते हुए किडनी को स्वस्थ रखने के उपाय साझा किए। कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। डॉ. मदार ने योग, ध्यान और मानसिक शांति को भी किडनी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया और ड्रग-फ्री इंडिया अभियान के तहत युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

इस जागरूकता सत्र में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया और किडनी स्वास्थ्य को लेकर सरकारी योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में, प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे न केवल अपनी बल्कि अपने परिवार और समाज की भी किडनी सेहत का ध्यान रखेंगे और इस विषय पर जागरूकता फैलाएँगे। इस सफल आयोजन ने किडनी स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के सफल समापन पर ऐश्वर्या कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रितु पालीवाल ने डॉ. सनी मदार को सम्मानित करते हुए उन्हें मोमेंटो भेंट किया और उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

प्रथमेश 2025 कार्यक्रम श्रृंखला में प्रथमाचार्य 108 श्री शांतिसागरजी के जीवन चरित्र पर प्रश्नोत्तरी एवं भव्य महाआरती आज

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। श्री मेवाड़ जैन युवा संस्थान द्वारा आयोजित प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्मकल्याणक महोत्सव प्रथमेश 2025 के कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार 16 मार्च को कई कार्यक्रम होंगे।

संरक्षक श्री पारस सिंघवी ने बताया कि चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शांतिसागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव को समर्पित इस कार्यक्रम में उदयपुर नगर में संचालित सभी जैन पाठशालाओं से 500 से अधिक विद्यार्थी एवं 50 से अधिक शिक्षक उपस्थिति रहेंगे। संस्थान के अध्यक्ष निर्मल मालवी ने बताया कि इस कार्यक्रम में आचार्य 108 शांतिसागर जी के जीवन पर प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम रखा गया हैं । प्रातः कालीन कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से नेमीनाथ दिंगबर जैन मंदिर सेक्टर 3 में आयोजित होंगे। कार्यक्रम संयोजक अरुण लूणदिया, सम्राट जैन शास्त्री, अंकित जैन शास्त्री, मनोज चंपावत एवं गीतेश दामावत ने संपूर्ण कार्यक्रम के जानकारी देते हुए बताया कि यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने जा रहा हैं, जिसमें बच्चों को धार्मिक शिक्षा के साथ संस्कारमय जीवन जीने की प्रेरणा मिलती हैं।

संस्थान के कार्याध्यक्ष शांतिलाल जैन गांगावत ने बताया कि इसी दिन सायं 7 बजे से आचार्य श्री की वर्ष 1934 की वर्षायोग स्थली श्री चंद्रप्रभ जिनालय आयड़ में भव्य भक्तिमय महाआरती का आयोजन रखा गया हैं। संस्थान के महामंत्री डॉ राजेश जैन देवड़ा एवं वरिष्ठ मंत्री गौरव जैन गनोड़िया ने बताया कि भव्य भक्तिमय महाआरती एवं आस्था का दीप चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागर जी महाराज के नाम रखा गया हैं । इस कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र चित्तौड़ा, विमल नाथुत, विजय चित्तौड़ा, पवन चित्तौड़ा एवं संजय गुड़लिया ने बताया कि यह कार्यक्रम अपने आप में उदयपुर के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। प्रवक्ता जिनेन्द्र वाणावत ने बताया कि यह पूरा कार्यक्रम उदयपुर के लिए एक नया अध्याय लिखने वाला होगा। आगामी 23 मार्च को सकल जैन समाज के संयोजन में प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का जन्म एवम् तप कल्याणक धूम धाम से प्रथमेश 2025 मनाया जाएगा।

हूमड़ समाज का ढूंढोत्सव एंव होली मिलन समारोह आयोजित

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। श्री दशा जैन हूमड़ समाज की ओर से गायरियावास स्थित हूमड़ समाज भवन में ढूंढोत्सव एवं होली मिलन समारोह आयोजित किया गया।

समारोह अध्यक्ष सुन्दरलाल डागरिया ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील टाली ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम प्रकाश जैन ,विशिष्ठ अतिथि अमित धनावत थे। कार्यक्रम में सागवाड़ा के समाज सेवी पवन कुमार गोपाड़िया को समाज गौरव व नितिन सागोटिया को युवा गौरव अलंकरण से सम्मानित किया गया।

समाज सेठ देवेन्द्र छापिया ने नवजात बच्चों के दीर्घ एवं उज्जवल भविष्य की कामना के साथ ही परम्परा के अनुसार बच्चों का ढूंढोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न कराया। समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवीलाल जावरिया व महामंत्री कन्हैयालाल सागोटिया एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन विमल जावरिया ने किया। अंत में धन्यवाद आशा मेहता ने ज्ञापित किया।

हिन्दू नववर्ष को लेकर चलेगा गृह संपर्क अभियान

राजसमंद शहर व तहसील के विभिन स्थानों पर सनातनियों की बैठके तय

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। हिन्दू नववर्ष समारोह समिति, राजसमंद के तत्वाधान में 30 मार्च 2025 रविवार को बालकृष्ण स्टेडियम कांकरोली में प्रातः 11 बजे आयोजित होने वाली विराट धर्मसभा एवं भव्य शोभायात्रा को लेकर मधुकर भवन पर राजसमंद नगर व राजसमंद तहसील में व्यापक गृह सम्पर्क अभियान चलाने को लेकर टोली बैठक आयोजित हुई। प्रचार प्रसार प्रमुख ने बताया कि बैठक में राजसमंद नगर में अभियान को लेकर 100 बस्तियों के संपर्क प्रमुख व बस्ती अनुसार बैठक तय हुई। राजसमंद तहसील में 15 मार्च को पुठोल व 16 मार्च को केलवा खंड की बैठक तय हुई। इस अवसर पर हिन्दू की सज्जनशक्ति व युवाशक्ति आयोजन की रूपरेखा तय करने हेतु उपस्थित थी।

राजसमंद में सरपंच की डांस करते-करते मौत, होली के मौके पर पारंपरिक कार्यक्रम शामिल हुए थे, गिरते ही दम तोड़ा

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। राजसमंद में होली के दौरान आदिवासी गेर नृत्य के दौरान एक सरपंच की हार्टअटैक से मौत हो गई। पारंपरिक डांस में सरपंच ग्रामीणों के साथ डांस करते-करते अचानक सिर के बल गिर गए।उन्हें सीपीआर देने की भी कोशिश की गई, लेकिन उन्हें होश नहीं आया। हॉस्पिटल में जांच के बाद डॉक्टर्स ने विकास दवे (53) को मृत घोषित कर दिया। हादसा चारभुजा के कसार गांव का गुरुवार रात करीब 12.30 बजे का है।

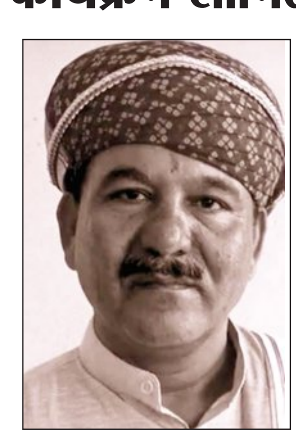

डांस से पहले एकदम स्वस्थ्य थे सरपंच : सरपंच के परिवार के करीबी विजय शर्मा ने बताया कि सेवंत्री सरपंच विकास दवे गेर डांस में शामिल होने के दौरान बिल्कुल ठीक थे। इस दौरान वे काफी हंस भी रहे थे और पूरे उत्साह के साथ डांस कर रहे थे। डांस के दौरान उन्होंने दो राउंड भी आराम से पूरे कर लिए थे। इस दौरान उनके चेहरे पर कोई थकावट भी नहीं थे। तीसरा राउंड जैसे ही शुरू हुआ सरपंच अचानक गिर गए और बेहोश हो गए। डांस कर रहे ग्रामीणों ने उन्हें पानी पिलाने की भी कोशिश की। एक रिटायर्ड कंपाउंडर ने सीपीआर देकर होश में लाने की भी कोशिश की, लेकिन उनकी आंख नहीं खुली।

10 साल से लगातार सरपंच थे

विकास दवे को बेहोश की हालत में ग्रामीण चारभुजा में हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें होश में लाने की काफी कोशिश की। यहां से उन्हें राजसमंद हॉस्पिटल रेफर किया गया।जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। विकास दवे मूल रुप से कसार गांव के ही रहने वाले थे। वे लगातार 10 साल से सेवंत्री के सरपंच थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा-बेटी हैं।

नक्षत्रा एग्रो फूड प्रा. लि. कार्मिकों ने धूमधाम से मनाई होली, एक दूसरे को गले मिलकर दी बधाई

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/ जयपुर। रंगों के त्यौहार धुलंडी पर नक्षत्रा एग्रो फूड प्रा. लि . ग्रुप कार्मिकों ने धूमधाम से होली मनाई। मीडिया प्रभारी श्रीकृष्ण जेवरिया ने बताया कि कम्पनी के वरिष्ठ लेखाकार पवन शर्मा, विश्वजीत, योगेश आदि ने सीईओ एवं प्रबन्ध निदेशक पंकज जैन, निदेशक अभिलाषा जैन सहित एक दूसरे के गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और शुभकामनाएं दी। कार्मिकों ने होली उत्सव मनाया ।

अन्तर्राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस पर सीसीआई द्वारा जन जागरुकता अभियान

बढ़ता राजस्थान

सरदारशहर (नि.स.)। सीसीआई सरदारशहर के द्वारा गढ़ परिसर के आगे आज जागरुकता अभियान के तहत आमजन को पम्पलेट वितरित कर उपभोक्ता अधिकार दिवस के प्रति जागरूक किया। जिलाअध्यक्ष भरत गौड़ ने कहा विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस, जो हर साल 15 मार्च को मनाया जाता है, उपभोक्ता अधिकारों और संरक्षण को बनाए रखने की की याद दिलाता है । सीसीआई के अध्यक्ष अभिषेक पारीक ने बताया यह दिन सभी उपभोक्ताओं के मूल अधिकारों को बढ़ावा देने और उन अधिकारों का सम्मान और संरक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक अवसर है।

कोचिंग हब के मामले में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को किया गुमराहः कोचिंग महासंघ

कोचिंग हब नहीं मिलने से युवा बेरोजगार भी नाराज

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। गोपालपुरा स्थित कोचिंग संचालकों की ओर से कोचिंग हब में जाने की सहमति पत्र देने के बावजूद कोचिंग हब को जोधपुर आईआईटी को देने के लिए हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को गलत तथ्य पेश कर गुमराह किया है। इसके पीछे अधिकारियों का गोपालपुरा के कुछ बड़े भवन मालिकों को लाभ पहुंचाने की मानसिकता रही हैं। ऑल कोचिंग इंस्टिट्यूट महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनीष कुमार नाडार ने यह आरोप लगाते हुए कहा कि गोपालपुरा बायपास जयपुर स्थित लगभग 98 प्रतिशत कोचिंग संचालकों ने मुख्यमंत्री को अपने हस्ताक्षर से 3 वर्ष की लीज पर तत्पश्चात आवंटन की शर्त पर दिए गए सहमति पत्र चाहने के बावजूद राजस्थान आवासन मंडल के अधिकारियों ने गोपालपुरा के कुछ किराया माफियाओं के साथ मिलकर उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री को गलत तथ्य पेश किए। जबकि गोपालपुरा में कोचिंग चला रहे सभी कोचिंग संचालक बढ़ते किराए से नाराज हैं और कोचिंग हब कैंसिल हो जाएगा तो गोपालपुरा का किराया 10 गुणा बढ़ जाएगा इस बात से डरे हुए हैं।

ऑल कोचिंग इंस्टिट्यूट महासंघ के प्रदेश ने बताया कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि वर्तमान सरकार के आने के बाद अचानक कोचिंग संचालकों की इच्छा के विपरीत कोचिंग हब को कैंसिल करा कर किराया माफिया को लाभ पहुंचाने के लिए किस अधिकारी ने किस तरीके से गलत तथ्य पेश किए हैं। ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से सरकार को कोचिंग हब जैसी महत्वपूर्ण इकाई से हटा देना चाहिए। कोचिंग हब को कैंसिल कर देना राजस्थान भर के बेरोजगारों के साथ-साथ कोचिंग हब नाम से कोचिंग हब तथा कोचिंग हब के आसपास नीलामी तथा बगैर नीलामी के ऊंची दाम पर जमीन खरीद कर हाउसिंग बोर्ड को लाभ पहुंचाने वाले व्यापारियों के साथ भी धोखा हैं और अगर कोचिंग हब कैंसिल हो जाता है तो भविष्य में जनता का सरकार के वादों पर कोई भरोसा नहीं रहेगा।

नवम् पाटोत्सव का पोस्टर विमोचन, संत बाबा श्री कृष्णा शरण के द्वारा किया गया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। श्री निंबार्क कृष्ण बिहारी जी के नवम् पाटोत्सव सेवाकुंज आश्रम, जगतपुरा, जयपुर में दिनांक 5 अप्रैल को श्री निंबार्क कृष्ण बिहारी पटोत्सव के उपलक्ष में संत बाबा श्री कृष्ण शरण (कल्याण दास जी) महाराज के साध्निय में एवं मार्गदर्शन में प्रात: कलश शोभा यात्रा एवं दोपहर में भागवत कथा, कथावाचक भागवत भूषण रमेश चंद शास्त्री करौली वालों के द्वारा अपनी अमृतमयी वाणी से रसास्वादन कराया जाएगा, श्री राधाकांत दास की मंडली द्वारा अखंड हरी कीर्तन होगा और रात्रि 8:00 बजे से वृंदावन के सुप्रसिद्ध रास मंडली भुवनेश्वर जी वशिष्ठ के द्वारा प्रसिद्ध कलाकार एवं विभिन्न वेशभूषा और ब्रज की संगीत में भाषा से सबका मोह लेंगे, श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ श्रीमद्भगवत्गीता मूल पाठ व अष्टोत्तरशत् गोपाल सहस्त्रनाम, श्री रामचरितमानस मानस नवाब पारायण पाठ आदि होंगे।

भारत में खनिज अन्वेषण के नए युग की शुरुआत

मेगा रोड शो के साथ खनिज अन्वेषण लाइसेंस नीलामी का शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। एक ऐतिहासिक घटना के तहत, खनन मंत्रालय ने गोवा में एक मेगा रोड शो का आयोजन किया, जिसमें भारत के पहले महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण लाइसेंस (ईएलएस) की नीलामी की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत की उपस्थिति रही, जो खनिज अन्वेषण में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

इस रोड शो के दौरान 13 अन्वेषण ब्लॉकों की नीलामी की गई, जो दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जिंक, हीरा और तांबा जैसे महत्वपूर्ण खनिजों पर केंद्रित थे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देकर भारत के खनिज संसाधन आकलन को सशक्त बनाने और महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि तीन निजी संस्थाओं को अधिसूचित निजी अन्वेषण एजेंसियों (एनपीईएएस) के रूप में मान्यता देना था, जिसमें एनके एनवायरो सर्विसेज प्रा. लि. भी शामिल है। इस कंपनी का नेतृत्व सुश्री सुनीता मंत्री कर रही हैं। एनके एनवायरो सर्विसेज प्रा.लि.भारत में सतत् पर्यावरणीय समाधान प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक मानी जाती है।

निजी खनिज अन्वेषण क्षेत्र में सुनीता मंत्री कर रहीं नेतृत्व

सुनीता मंत्री, जो देश के निजी खनिज अन्वेषण क्षेत्र में एकमात्र महिला नेतृत्वकर्ता हैं, ने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप अपने कंपनी के समर्पण को व्यक्त किया। उन्होंने मंत्रालय द्वारा निजी कंपनियों को मान्यता देने की पहल की सराहना की और इसे देश की खनिज अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने निजी खनन कंपनियों के लिए एकीकृत स्वीकृति प्रणाली को बढ़ावा देने और नवाचार व डिजिटलीकरण के माध्यम से अधिक युवा पेशेवरों को इस क्षेत्र में आकर्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

खनिज ब्लॉकों के लिए रोड शो व अल हेकाथॉन-2025 का शुभारंभ

इस कार्यक्रम में पांचवें चरण के महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों के लिए रोड शो के आयोजन के साथ ही अल हेकाथॉन-2025 का शुभारंभ किया गया, जिसका

विषय था ह्यखनिज लक्ष्यीकरण में अक का उपयोगह्न। इन पहलों से अन्वेषण गतिविधियों में तेजी आने, निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ने और भारत की खनिज सुरक्षा व आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की उम्मीद है।खनन मंत्रालय की इस रणनीतिक पहल से भारत के अब तक अप्रयुक्त महत्वपूर्ण और गहरे स्थित खनिज संसाधनों को खोलने का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे देश खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई दिशा में अग्रसर होगा और वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत स्थिति स्थापित करेगा।

कोटपूतली में डीजे कोर्ट खोले जाने का मामला

अधिवक्ताओं के बीच पहुँचे विधायक हंसराज पटेल कोटपूतली में डीजे कोर्ट खोले जाने का दिया आश्वासन

अधिवक्ताओं की पेन डाउन हड़ताल व क्रमिक अनशन शनिवार को भी रही जारी

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। नवगठित जिला कोटपूतली-बहरोड़ के जिला मुख्यालय कोटपूतली में जिला एवं सत्र न्यायालय एवं इसके समकक्ष न्यायालय खुलवाये जाने की मांग को लेकर जिला अभिभाषक संघ के तत्वाधान में अधिवक्ताओं द्वारा शुरू की गई पेन डाउन हड़ताल व धरना प्रदर्शन स्थानीय न्यायालय परिसर में शनिवार को भी बदस्तुर जारी रही। उल्लेखनीय है कि जिला अभिभाषक संघ के तत्वाधान में अधिवक्ता विगत 31 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे है। वहीं विगत 18 दिनों से अधिवक्ताओं की क्रमिक अनशन व भूख हड़ताल शनिवार को भी लगातार जारी रही। इस दौरान संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर के नेतृत्व में राजेन्द्र सैनी, रामजीलाल सैनी, नरेश यादव, फूलचंद भाटिया, सुखमोहन चौहान आदि अधिवक्ताओं ने क्रमिक अनशन किया। वहीं दुसरी ओर कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल भी शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में अभिभाषक संघ के धरना स्थल पर पहुँचे। जहाँ उन्होंने वकीलों की मांग विस्तार से सुनी।

विधायक पटेल का संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर पटेल ने सभी को होली के पावन पर्व की बधाई देते हुये कहा कि डीजे कोर्ट कोटपूतली में ही खुलेगा। इस बात को लेकर कोई शंका नहीं की जानी चाहिये। इस बाबत सरकार से निरन्तर चर्चा व सकारात्मक प्रयास

किये जा रहे है। साथ ही इसमें बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत व विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ का भी भरपुर सहयोग मिल रहा है। पटेल ने बताया कि विगत दिनों जिले के तीनों विधायकों ने विधि मंत्री जोगाराम पटेल से इस मांग को लेकर विस्तार से चर्चा की है। जिस पर उन्होंने सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि विगत लगभग एक माह से जारी हड़ताल के कारण यहाँ के विभिन्न न्यायालयों में लगभग 20 हजार से अधिक मुकदमों की सुनवाई लम्बित हो चुकी है। पक्षकार न्यायालयों से बैरंग वापस लौट रहे है। साथ ही विभिन्न कार्य भी ठप पड़े है। इस दौरान अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर मेंअधिवक्ताओं ने जमकर नारेबाजी एवं प्रदर्शन भी किया। संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर का कहना है कि जब तक कोटपूतली मुख्यालय पर डीजे कोर्ट नहीं खुल जाता, तब तक क्रमिक अनशन व भूख हड़ताल निरन्तर जारी रहेगी। इस दौरान उपाध्यक्ष रंजीत सिंह वर्मा, सचिव हेमन्त शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा, राजेन्द्र रहीसा, चेतराम रावत, कार्यकारिणी सदस्य विजय सैनी, एपीपी प्रेमप्रकाश शर्मा, दयाराम गुर्जर, विकास मीणा, सुभाष गुर्जर, शिवकुमार शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक सैनी, सागरमल शर्मा, राजेश सैनी, महेश मीणा, विकास जांगल, गोविन्द रावत, पुष्कर शर्मा, निरंजन समेत बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।

समाज में सभी वर्गो को परस्पर सहयोग व एकजुटता की आवश्यकता :- एसपी दुष्यंत

जिला पुलिस लाईन में पुलिसकर्मियों ने जमकर खेली होली

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। दो दिवसीय होली का महापर्व शांति एवं सौहार्द के साथ निपट जाने के बाद परम्परा अनुसार कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस लाईन में पुलिसकर्मियों द्वारा एसपी राजन दुष्यंत के नेतृत्व में होली मनाई गई। उल्लेखनीय है कि होली महापर्व के दौरान पुलिसकर्मी निरन्तर अपनी ड्युटी में तैनात रहे। जिसके चलते शनिवार को होली के कार्यक्रम का आयोजन जिला पुलिस लाईन में हुआ। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने अधिकारियों को रंग लगाकर होली की शुभकामनायें दी। साथ ही कार्यक्रम में व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, आमजन व वरिष्ठ नागरिकों ने भी शिरकत करते हुये पुलिसकर्मियों को होली की बधाई दी। होली उत्सव के दौरान पुलिसकर्मियों ने जमकर डीजे की धुनों पर नृत्य भी किया। एसपी राजन दुष्यंत ने कहा कि पुलिस के कार्यो में समाज के सभी वर्गो को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। इससे पूर्व जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से नगर के मुख्य मार्गो से होते हुये पुलिस लाईन तक जुलूस भी निकाला गया। रास्ते में व्यापारियों ने पुलिस के काफिले का अभिनंदन किया। साथ ही एसपी दुष्यंत का स्वागत भी किया। वहीं पुलिस लाईन के मुख्य द्वार से समारोह स्थल तक एसपी दुष्यंत को पुलिसकर्मी कंधे पर बैठाकर लायें। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। वहीं कोटपूतली थाने पर भी होली उत्सव मनाया गया। इस मौके पर एएसपी कोटपूतली वैभव शर्मा, एएसपी नीमराणा शालिनी राज, डीएसपी कोटपूतली राजेन्द्र बुरडक, डीएसपी विराटनगर शिप्रा राजावत, कोटपूतली एसएचओ राजेश शर्मा, एसडीएम बृजेश चौधरी, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, आमजन व व्यापारी मौजूद रहे। वहीं दुसरी ओर जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर ने होली का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से निपट जाने पर एसपी राजन दुष्यंत समेत अन्य अधिकारियों का आभार भी व्यक्त किया है।

रामाज् रिसोर्ट में धूमधाम से मनी होली, मेहमानों ने जमकर की मस्ती

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। टोंक रोड स्थित रामाज रिसोर्ट पर रंगों और उमंग से भरे होली महोत्सव का आयोजन शानदार तरीके से किया गया। सैकड़ों मेहमानों ने इस रंगारंग उत्सव का हिस्सा बनकर लाइव डीजे म्यूजिक, चंग गुलाल,एयर कलर,फूलों की होली और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया।

एंकर श्याम सिंह ने होली के इस पर्व पर रिसोर्ट के भव्य गार्डन में मेहमानों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। संगीत और नृत्य से पूरा माहौल उत्सवमय बन गया ।

इस मौके पर मेहमानों के लिए हरा भरा कबाब, समोसे, बादाम शेक, मॉकटेल समेत कई स्वादिष्ट शुद्ध शाकाहारी व्यंजन परोसे गए, जिन्हें सभी ने खूब सराहा।

रंगों के इस त्योहार को और खास बनाते हुए मेहमानों ने स्विमिंग पूल में भी जमकर मस्ती की और यादगार पल बनाए।

रिसोर्ट के जनरल मैनेजर पल्लव पाल ने बताया कि रामाज् रिसोर्ट हर तरह के आयोजनों के लिए एक बेहतरीन स्थान है, चाहे वह डेस्टिनेशन वेडिंग हो, बर्थडे पार्टी हो या कोई अन्य सामाजिक और कॉर्पोरेट इवेंट। उन्होंने कहा कि रिसोर्ट में आने वाले समय में और भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रिसोर्ट की मैनेजमेंट टीम ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद किया । रामाज् रिसोर्ट हमेशा से अपने बेहतरीन आयोजनों के लिए जाना जाता है, और इस बार का होली महोत्सव भी यादगार बन गया।

महिला गौरव पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। इटरनल हॉस्पिटल में ताज़ा टॉक्स और योग दीपम के सहयोग से महिला गौरव पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करने और उनके योगदान को सराहने के लिए आयोजित किया गया। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेता वरुण सूरी (प्यार का पंचनामा 2 फेम) विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में पूणम खंगारोत जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और महिलाओं को सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, अतिथि सम्मान के रूप में अंजलि सुनेजा, प्रीति गोयल और कविता शर्मा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुख्य वक्ताओं में अनिल अरोड़ा (को-एडिटर, चेतन एडवरटाइजिंग), अंचल पुरी (सीईओ, ताज़ा टॉक्स और स्पॉटिफाई पॉडकास्टर), किशोर गिठाला (संस्थापक, अल्पर्ज़ क्लब) और दीपम शर्मा (संस्थापक, योग दीपम) मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं की सफलता और समाज में उनके बढ़ते योगदान पर अपने विचार साझा किए।

(For publication in News paper)
1.2 Abridged NIB WSC2425A0635
SE & PM WCDC Zila Parisha Tonk Rajasthan
File no. ()/ निविदा/पीएमकेएसवाई/2024-25/2156-64
Date: 06.03.2025
NOTICE INVITING BID
NIB No 16-17-18
YEAR 2024-25
Bids for (03 Packages) Various Construction Works Under PMKSY 2.0 in Block Newai District Tonk work [Name(s) of work(s) of Procurement] of estimated value INR (103.207+45.192+24.045) Total 172.444 Lacs are invited from interested bidders up to 17-03-2025 [time], 06.00 PM [date]. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, UBN (https://eproc.rajasthan.gov.in ??
1. WSC2425WSOB01316
2. WSC2425WSOB01317
3. WSC2425WSOB01318
SE&PM
WCDC, ZILA PARISHED
TONK
Email:
dwdu.tonk@gmail.com

सम्पादकीय

स्त्रियों के समावेशन की जमीनी हकीकत

देश के सभी हवाई अड्डों पर पुरुष और महिला यात्रियों के लिए अलग-अलग सुरक्षा जांच और बॉडी स्कैनिंग की व्यवस्था है। अधिकतर देशों में ऐसा नहीं है। वहां सभी लोग एक ही स्कैनर वाली चौखट से गुजरते हैं। हां, अगर किसी महिला की और जांच की जरूरत पड़ती है तो उसके लिए महिला सुरक्षाकर्मी होती हैं। मगर यह जांच खुले में ही की जाती है। भारत के हवाई अड्?डों पर हर किसी की अलग-अलग जांच की जाती है और इसके लिए हाथों में पकड़े जाने वाले स्कैनर का इस्तेमाल होता है। महिलाओं की जांच के समय शायद उनके स्त्री होने का खास ध्यान रखा जाता है और इसीलिए यह काम पर्दे के भीतर किया जाता है। वहां लगे पर्दे को दिन में हजारों बार हाथ से खोला-बंद किया जाता है। इस कारण महिला सुरक्षाकर्मियों को पुरुष कर्मियों के मुकाबले ज्यादा शारीरिक मेहनत करनी पड़ती है। यह मेहनत और भी बढ़ गई है क्योंकि अब छोटे-बड़े सभी हवाई अड्डों पर महिला मुसाफिरों की तादाद बढ़ती ही जा रही है। महिला सुरक्षाकर्मी इस तरह की बेकार और थकाऊ कवायद करती हैं मगर इसके लिए उन्हें पुरुषों के मुकाबले ज्यादा वेतन नहीं मिलता। हैरत की बात यह है कि कभी किसी ने उन्हें इस मेहनत से बचाने के लिए कुछ भी नहीं किया। किसी को यह ख्याल ही नहीं आया कि इस बेकार की कवायद और मेहनत को खत्म करने के लिए कोई नई व्यवस्था बनाई जा सकती है या पर्दों के बजाय नई तरह का सुरक्षा जांच कमरा तैयार किया जा सकता है।

हाथ में पकड़े जाने वाले स्कैनर शरीर से उचित दूरी पर रखे जाते हैं और उनके इस्तेमाल के समय दुपट्टा या साड़ी का पल्लू हटाने की जरूरत भी नहीं होती। ऐसे में सुरक्षा के उस पर्दे वाले घेरे को खत्म किया जा सकता है और इसमें किसी की गरिमा कम भी नहीं होगी। यह काम ज्यादा दुस्साहसी लग रहा हो तो एक और कारगर तरीका है। उसमें सुरक्षा वाले घेरे या कमरे को नए तरीके से डिजाइन किया जा सकता है, जिसमें पर्दे तो हट जाएं मगर निजता बनी रहे। मैंने महिला सुरक्षाकर्मियों से कई बार पूछा है कि उन्होंने यह व्यवस्था बदलने की मांग क्यों नहीं की? एक ही जवाब मिलता है कि उन्होंने कई बार अपने पुरुष अधिकारियों से इस बारे में शिकायत की है मगर कोई तवज्जो नहीं देता। अगर यह कोई कारोबारी दिक्कत होती, जिससे नफा या नुकसान हो रहा होता या पुरुषों को परेशान करने वाली कोई बात होती तो अब तक इसे सुलझा दिया गया होता। स्त्रियों के साथ भेद करने वाली या प्रतिकूल व्यवस्था कई तरह से दिखती है। जब महिला यात्री हवाई अड्डों पर अलग और कम भीड़ वाली डिजि यात्रा सुरक्षा कतारों में जाना चाहती हैं तो अक्सर पुरुष सुरक्षाकर्मी उन्हें सलाह देते हैं, 'मैडम, आप लेडीज क्यू में चली जाना, यहां नहीं'। इससे गुजरा जमाना याद आता है, जब टॉयलेट पर भी पुरुष, महिला और एक्जिक्यूटिव (यानी पुरुष) लिखा होता था। ये उदाहरण दिखाते हैं कि स्त्री-पुरुष को समान बरतने वाली कई पहल अच्छी मंशा मगर खराब या दकियानूसी सोच के कारण बेकार हो जाती हैं। लंबे समय तक भारतीय कंपनियों के निदेशक मंडलों यानी बोर्ड में महिलाएं नहीं होती थीं या महज एक महिला होती थी। अब कानूनी अनिवार्यता के कारण महिलाओं की उपस्थिति पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है और धीमी गति से ही सही महिलाओं का अनुपात बढ़ रहा है। मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि बीते कुछ दशकों में कई बोर्डों में काम करने के बाद अब मैं ऐसी बड़ी सूचीबद्ध कंपनी के बोर्ड में हूं, जहां ज्यादातर निदेशक महिला हैं और चेयरपर्सन तथा प्रबंधन निदेशक की कुर्सी पर भी दो पेशेवर महिलाएं ही बैठी हैं। यह कमिंस इंडिया का बोर्ड है, जो फार्चून 500 की सूची में शामिल इंजीनियरिंग कंपनी कमिंस इंक की भारतीय सहायक कंपनी है। कमिंस इंक में भी चेयरपर्सन और सीईओ महिला ही हैं। क्या इस बोर्ड की बैठक कुछ अलग लगती हैं? बिल्कुल नहीं। हम दुनिया के किसी भी अन्य बोर्ड की तरह ही काम करते हैं। बोर्ड बैठकों में या लंच के समय होने वाली चर्चा भी कुछ अलग नहीं होतीं।

आज का इतिहास
बढ़ता राजस्थान

16 मार्च की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- फ्रांस के राजा लुईस चौदहवें ने 1690 में आयरलैंड में सेना भेजी।
- अमृतसर समझौते के मुताबिक कश्मीर का आधिपत्य 1846 में जम्मू के हिंदू राजा गुलाब सिंह के अधीन कर दिया गया।
- चेकोस्लोवाकिया पर जर्मनी ने 1939 में कब्जा किया।
- इराक और सोवियत संघ ने 1959 में आर्थिक एवं तकनीक समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- अमेरिका ने 1966 में मानवयुक्त अंतरिक्ष यान जेमिनी 8 लांच किया।
- आठ सालों तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और 13 वर्षों तक लेबर पार्टी के नेता रहे, हैरल्ड विल्सन ने 1976 में त्यागपत्र देकर सबको चौंका दिया था।
- अमेरिका ने 1978 में नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
- रूस ने 1982 में पश्चिम यूरोप में नए परमाणु मिसाइलों की तैनाती रोकने की घोषणा की।
- मिस्र में चिपोज के पिरामिड में 1989 में 4400 साल पुरानी ममी मिली।
- नासा अंतरिक्ष यात्री नॉर्मन रूसी 1995 में अंतरिक्ष स्टेशन मीर का दौरा करने वाले पहले अमेरिकी बने।
- चीनी राष्ट्रपति जियांग जेमिन 1998 में अगले कार्यकाल के लिए पुनः राष्ट्रपति निर्वाचित।
- ग्रीन स्मिथ 2003 में दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट कप्तान बने।
- रूस में 2004 में नौ मंजिला इमारत में विस्फोट, 21 मरे।
- संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफ़ी अन्नान ने 2005 में सुपाचयी पानिचपकड़ी को अंकटाड का नया अध्यक्ष नामांकित किया।
- सन 2006 में चुनाव के तीन महिने बाद ईराक की नयी संसद ने शपथ ग्रहण की।
- दक्षिण अफ्रीका के हर्शेल गिब्स ने 2007 में एक ओवर में छह छक्के लगाकर विश्व रिकार्ड बनाया।
- परवेज मुशर्रफ ने 2008 में पाकिस्तान में सजा-ए-मौत पा चुके भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह के डेथ वारंट पर दस्तखत किये।
- भारत के मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने।
- पाकिस्तान के रावलपिंडी में 2013 में हुए बस दुर्घटना में लगभग 25 सैनिकों की जान गयी।
- यूक्रेन छोड़कर रूस में शामिल होने के पक्ष में क्रीमिया के लोगों ने 2014 में मतदान किया।

16 मार्च को जन्मे व्यक्ति

- इंदौर के होल्कर वंश का प्रवर्तक मल्हारराव होल्कर का 1693 में जन्म।
- गांधी जी के अनुयायी स्वतन्त्रता सेनानी पोट्टि श्रीरामुलु का 1901 में जन्म।
- भारत के जाने-माने शिक्षाविद और हिन्दी साहित्यकार अम्बिका प्रसाद दिव्य का 1906 में जन्म।
- हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध खलनायक तथा फ़िल्म निर्माता दयाकिशन सप्रू का 1916 में जन्म।

हेडफोन-गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं।

ललित गर्ग

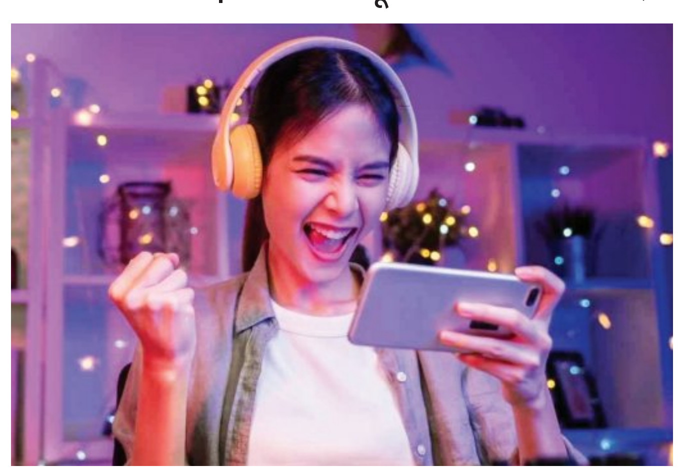

टेक्नोलॉजी विकास एव उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित-नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल-लेपटॉप-ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह-तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है।

नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बेहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करें।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस

वैक्सीनेशन में सिरमौर देश है भारत

सुनील कुमार महला

16 मार्च को पूरे देश में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस(नेशनल वैक्सीनेशन डे) मनाया जाता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि यह वर्ष 1995 से हर साल 16 मार्च को मनाया जाने वाला एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसे राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस के नाम से भी जाना जाता है, क्यों कि टीकाकरण से हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। वास्तव में, यह दिवस टीकाकरण(वैक्सीनेशन)के महत्व और सार्वजनिक स्वास्थ्य में इसकी भूमिका को बताने के क्रम में मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि टीकाकरण की जीवन को बचाने में बहुत ही महत्वपूर्ण व अहम् भूमिका होती है।

टीकाकरण के कारण ही वर्ष 1980 में चेचक का उन्मूलन, उसके बाद कई देशों से पोलियो का उन्मूलन हो सका है, वास्तव में यह वैश्विक टीकाकरण प्रयासों की प्रभावशीलता का प्रमाण है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि साल 2024 में विश्व टीकाकरण सप्ताह की थीम मानवीय रूप से संभव- टीकाकरण के ज़रिए जीवन बचाना रखी गई थी। सभी के लिए टीकाकरण मानवीय रूप से संभव है के बैनर तले, विश्व टीकाकरण सप्ताह 2025 का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि और भी अधिक बच्चे, किशोर, वयस्क - और उनके समुदाय - टीके से रोके जा सकने वाली बीमारियों से सुरक्षित रहें। कहना चाहूंगा कि ये टीके ही हैं जो हमारे ज्यादा जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। बहरहाल, 16 मार्च को इस दिवस को मनाने के पीछे कारण यह है कि इसी दिन सबसे पहले वर्ष 1995 में भारत में ओरल पोलियो वैक्सीन की पहली खुराक वितरित की गई थी।कार्यक्रम के अनुसार, 0 से 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो वैक्सीन की 2 मौखिक बूंदें प्रदान की गईं और इसका परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2014 में भारत पोलियो मुक्त देश बन गया। वास्तव में, यह दिन भारत सरकार के पल्स पोलियो अभियान का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है, जो पूरे देश से पोलियो को मिटाने,इसे ख़त्म करने की एक नायाब व बड़ी पहल थी। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य कर्मियों को धन्यवाद देने का एक सही अवसर है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि हम हमेशा स्वस्थ रहें। टीकाकरण से कई खतरनाक और संक्रामक रोगों को रोका जा सकता है। कुछ बीमारियों में तो टीकाकरण आजीवन स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करता है। पाठकों को बताता चलूं कि टीकाकरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें शरीर में वैक्सीन डाली जाती है, ताकि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो सके। गौरतलब है कि टीकों में सूक्ष्मजीव और वायरस मृत या जीवित अवस्था में होते हैं। टीकाकरण (वैक्सीनेशन) हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को उत्तेजित करता हैं और बीमारियों की रोकथाम करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो टीकाकरण, बीमारियों के नियंत्रण और उन्मूलन के लिए सबसे प्रभावी और लागत-कुशल कार्यक्रमों में से एक है, जो हर साल दुनिया भर में लाखों लोगों की जान बचाता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व टीकाकरण दिवस, जो हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है, का उद्देश्य संक्रामक रोगों से बचाव और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा में टीकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।कहना ग़लत नहीं होगा कि आज दुनिया के हर देश में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम मौजूद हैं और टीकों को मौतों को रोकने और जीवन को बेहतर बनाने के लिए सबसे सुरक्षित, सबसे किफ़ायती और सफल सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में से एक माना जाता है। भारत में आज अनेक वैक्सीन निर्माण इकाइयां स्थापित हैं। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने 16 जनवरी 2021 में कोविड-19 के विरुद्ध दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया।

शख्सियत
बढ़ता राजस्थान

विपुल खुराना
(निदेशक,खुराना एंटरप्राइजेज)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं अलवर में इलेक्ट्रॉनिक के बाजार के स्तंभ विपुल खुराना। विपुल सही मायने में अलवर के इलेक्ट्रॉनिक बाजार के मुख्य स्तंभ के रूप में जाने जाने वाले हैं। खुराना इंटरप्राइजेज के निर्देशक विपुल खुराना युवा हैं, उत्साही हैं ,ऊर्जावान है और सबसे बड़ी बात है सब लोगों को साथ लेकर चलने वाले हैं। बहुत बेहतरीन व्यक्तित्व है इनसे जो एक बार जुड़ जाता है हमेशा के लिए जुड़ा रहता है। एजुकेशन के बाद अपने पिता के कंधे से कंधा मिलाकर अलवर के अशोका टॉकीज के समीप खुराना एंटरप्राइजेज पर इलेक्ट्रॉनिक कारोबार को और गति देने के लिए साथ में बैठने लगे। अपने कारोबार के साथ कुछ पारिवारिक समस्याएं आन पड़ी ,लेकिन टूटे नहीं,बिखरे नहीं और संघर्ष के साथ आगे बढ़ते रहे। आज एक बड़ा नाम विपुल खुराना का है जहां इलेक्ट्रॉनिक जैसे सब्ज बाग के बाजार में लोगों को गारंटी और बेहतरीन सुविधाओं के साथ समान देते हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि हमेशा अपने ग्राहकों के साथ बहुत बेहतरीन तरीके से व्यवहार निभाते हुए अपने व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं । आज के दौर में जहां नित नई तकनीकी से सराबोर बाजार गुलजार होते हैं वहां व्यापार करना और लोगों को ऐसे बाजारों से जोड़ना बड़ा टेढ़ा काम बनता जा रहा है इसके अलावा ऑनलाइन व्यापार ने बाजार की धज्जियां उड़ा रखी है उसके बावजूद अपने व्यवहार,अपनी कार्य कुशलता अपने दावे और अपने वादों को निभाते हुए विपुल बहुत बेहतरीन तरीके से शानदार पारी खेलते हुए अपने व्यापार को आगे बढ़ा रहे हैं और विभिन्न कम्पनियों के प्रोडेक्ट्स देकर लोगों को अपने व्यवार से जोड़ रहे हैं। अधिकत्तर देखा जाता है कि ऐसे व्यपार को करते समय लोग नित नई तकनीकी पंसद करते हैं लेकिन ये हमेशा अपने ग्राहकों को जो बेहतरीन होता है उसकी राय देते हैं। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम ऐसे नौजवान ऊर्जावान व्यवसाय के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

2025_071
बढ़ता राजस्थान

Suduko

9		4	1			7	3	
			5		7	9	1	
	2						8	4
	6	3		7		1	4	
	7	9		3		2	6	
	4	2	8		1			
4		7			2	6		1
					4	8	2	
2			3					9

Ans_2025_070

1	4	9	6	3	8	7	2	5
5	2	8	1	4	7	6	3	9
3	7	6	2	5	9	4	8	1
8	6	5	3	7	2	1	9	4
7	3	2	9	1	4	5	6	8
9	1	4	8	6	5	3	7	2
6	9	7	4	2	1	8	5	3
2	5	1	7	8	3	9	4	6
4	8	3	5	9	6	2	1	7

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। काई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताप और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
आज मन में थोड़ी हताशा रह सकती है। परिवार में सदस्यों के साथ गलतफहमी या मनमुटाव होगा। इगो से किसी की भावनाओं को चोट पहुंचेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। आज आपका काफी धन खर्च होगा।

वृष
स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी शिकायत रहेगी। वैवाहिक जीवन में मधुरता का अनुभव होगा। सरकारी कामकाज शीघ्रता से पूरे होंगे। शारीरिक और मानसिक चिंता में रहेंगे। इगो के कारण किसी के साथ झगड़ा हो सकता है।

मिथुन
किसी भी मामले में बिना विचारे काम से हानि ही होगी। सरकारी काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी कार्य सफलता में दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास की भूमिका होगी। विद्यार्थी पढ़ाई में रुचि बनाए रख सकेंगे।

कर्क
आपको अपने उग्र स्वभाव और जिद्दी व्यवहार पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। परिश्रम के बाद निर्धारित सफलता नहीं मिलने से मन में खिन्नता रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य भी कमजोर रहेगा। यात्रा के लिए योग्य समय नहीं है। सरकारी काम में सफलता या लाभ मिलेगा।

सिंह
आज कोई भी खतरनाक कदम आपको कठिनाई में डाल सकता है। नौकरी-धंधे में तकलीफ और अवरोध उत्पन्न होंगे। ऑफिस में अधिकारियों के साथ वाद-विवाद में पड़ने से हानि होने की आशंका रहेगी।

कन्या
असंतोष की भावना से मन चिंतित रहेगा। आत्मविश्वास तथा त्वरित निर्णय लेकर काम में आगे बढ़ सकेंगे। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी, व्यवहार में उग्रता तथा किसी के साथ इगो का टकराव होने की संभावना है। संतान के पीछे पैसे खर्च होंगे।

तुला
सरकारी काम में सफलता या लाभ मिलेगा। संतान के पीछे पैसे खर्च होंगे। कलाकारों एवं खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिक्षा दर्शाने के लिए उत्तम समय है। दिन की शुरुआत से ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक
दांपत्य जीवन में परेशानी आ सकती है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य खराब होगा। अधीनस्थ व्यक्ति तथा नौकरवर्ग से परेशानी का अनुभव होगा। गृहस्थ जीवन में सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। आय वृद्धि का योग है।

धनु
आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे। गृहस्थ जीवन में आनंद और संतोष का अनुभव होगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा। अधिकारियों और बुजुर्गों की कृपादृष्टि रहेगी। शारीरिक तथा मानसिक रूप से चिंता में रहेंगे।

मकर
आज आपके लिए नकारात्मक विचारों से दूर रहने और खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। चिकित्सा के पीछे खर्च होने की संभावना है। व्यापार में भागीदारों के साथ मतभेद बढ़ेंगे। क्रोध और आवेश पर नियंत्रण रखना पड़ेगा।

कुंभ
ऑफिस, व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूल वातावरण रहेगा। पदोन्नति मिलने के योग हैं। पारिवारिक सदस्य तथा मित्र मंडल के साथ खुश रहेंगे। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। उत्तम वैवाहिक सुख प्राप्त होने की संभावना है।

मीन
भाग्यवृद्धि के अवसर आएंगे। तेजी से बदलते हुए विचार आपको उलझनपूर्ण स्थिति में रखेंगे। नए काम का आरंभ कर सकेंगे। मित्रों सगे- स्नेहियों और पड़ोसियों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से आपको लाभ होने का योग है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक मो.नं.9414823448 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो.नं. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.नं.7023350734 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

निवाई से बनवाड़ा तक सडक़ चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य का विधायक वर्मा व पालिकाध्यक्ष इसरानी ने किया शिलान्यास, 22 करोड़ की लागत से होगा कार्य

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। निवाई से बनवाड़ा तक की सडक़ का चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य का गुरुवार को विधायक रामसहाय वर्मा व नगर पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने विधिवत शिलान्यास कर होली के त्योहार पर क्षेत्र के लोगों को तोहफा दिया है। इस अवसर पर उन्होंने शिलान्यास पट्टिका का अनावरण भी किया। इस अवसर पर विधायक वर्मा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई जा रही है। उन्होंने कहा कि 22 करोड़ की लागत से निवाई से बनवाड़ा तक सडक़ के चौड़ाइकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य से निवाई, खणदेवत, डांगरथल, जय किशनपुरा, किशनपुरा व बनवाड़ा सहित करीब 50 गांवों के लोगों, वाहन चालकों व आमजन को लाभ मिलेगा। श्री कल्याण धाम डिग्गी के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को भी इससे लाभ मिलेगा। निवाई में उप जिला अस्पताल के लिए भूमि का आवंटन हो गया है। एक रिको और विकसित किया जाने वाला है। उन्होंने दतवास में अतिरिक्त पंचायत समिति खोलने सहित विधानसभा क्षेत्र के लिए कई नए विकास कार्य करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्दी ही विधानसभा क्षेत्र में नई गौशाला खोलने का कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के लिए जो भी विकास कार्य मांगे हैं वह सभी उन्होंने सहर्ष दिए हैं। इस अवसर पर नगर पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य प्रगति पर हैं। आगामी 11 अप्रैल को 80 फीट रोड पर स्थित एयर कंडीशनर सामुदायिक भवन का उद्घाटन होगा।

उन्होंने बताया कि विधायक रामसहाय वर्मा के अथक प्रयासों से शहरवासियों को बजट सत्र 2025 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीवरेज लाइन की बड़ी सौगात दी है। शहर में बड़ा बस स्टैंड का भी निर्माण कार्य पारित किया गया है। इस अवसर पर पार्षद ओमप्रकाश गुप्ता, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर, शहर महामंत्री करणसिंह, पार्षद नितिन छाबड़ा, जीतपाल गुर्जर, गिर्राज जाट, दुर्गाशंकर सैन, मास्टर मदनलाल वर्मा, सूरजकिरण तिवाड़ी, पूर्व देहात मंडल अध्यक्ष रामदेव गुर्जर, सत्यनारायण तिवाड़ी, बाबूलाल मीणा, रामप्रसाद शर्मा महाराजपुरा, बाबूलाल सैनी, छोटू महाराज, सोनू श्रीमाल, रामअवतार घाटी, बुधराम मीणा व जितेंद्र विजय सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सामूहिक होलिका दहन में उपखण्ड अधिकारी ने लिया सपरिवार भाग

उपखण्ड अधिकारी निवास पर सम्राट अशोक का स्वागत कर आम जन के साथ उपखण्ड अधिकारी ने लगाए ठुमके

सम्राट अशोक के जुलुस में उमड़े शहरवासी

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा शहर व ग्रामीण क्षैत्रो में भाईचारे व रंगो का पर्व होली उत्साह, उमंग व परम्परा के साथ मनाया गया। होली त्यौंहार के प्रथम दिन होलिका का दहन हुआ। जिसमें हिन्दु समरसता मंच, माणक चोक बाजार व्यापार संघ व होली आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में माणक चोक बाजार में साहूहिक होलिका दहन हुआ। इस कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी अमित कुमार चौधरी नें अपने पूरे परिवार के साथ भाग लेकर माता होलिका की पूजा अर्चना की। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द्र मेन्दवास्या, एडवोकेट राजकुमार जैन , पूर्व मंडल अध्यक्ष त्रिलोकचन्द जैन, सहित अन्य प्रबुद्धजनो ने सम्मानीय अतिथियो के रूप में भाग लिया। व्यापार मंडल की ओर से उपखण्ड अधिकारी सहित सभी सम्मानित अतिथियो का स्वागत किया। वहीं देर रात मुहर्त के हिसाब से शहर के अन्य कई स्थानो पर होलिका दहन हुआ। इसके दूसरे दिन रंगो के धुलंडी पर्व पर पुरानी तहसील स्थित श्री चारभुजानाथ मन्दिर के सामने से समाजसेवी व भामाशाह सुखलाल डोकरिया ने सम्राट बनने का सौभाग्य प्राप्त अपने परिवारजनो व मित्रो के साथ गजराज पर सवार होकर गुलाल उड़ाते हुए चले। सम्राट अशोक के इस परम्परागत जुलुस में शहर के सभी लोग शामिल होकर एक दूसरे के गुलाल व अबीर लगाकर भाईचारे व प्रेम के प्रतीक होली की शुभकामनाऐं दी। इस जुलुस में बेंण्ड की धुनो पर युवा नाचते गाते चले। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से वृताधिकारी आशिष प्रजापत व थानाधिकारी चेनाराम बेड़ा मय दल बल के साथ हर सुरक्षा प्रदान की। इस बार रमजान के जुम्मे की नमाज और धुलंडी का पर्व एक ही दिन होने के चलते समूचा पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड प रहकर शहर के चप्पे चप्पे पर सुरक्षा के अतिरिक्त जवान किए। सम्राट अशोक का जुलुस शहर के सभी मुख्य बाजारो से होकर व्यास सर्किल होते हुए परम्परा के अनुसार उपखण्ड अधिकारी निवास पहुंचा।

उपखण्ड अधिकारी चौधरी ने सम्राट अशोक का जोरदार रंग गुलाल उड़ाते हुए अगवानी कर जोरदार तरीके से स्वागत कर अपने आवास तक लेकर पहुंचे। यहां काफी देर तक डीजे की धुनो पर सम्राट अशोक व आम जन के साथ रंगो से सरोबार होकर उपखण्ड अधिकारी चौधरी ने ठुमके लगाकर धुलंडी पर्व की खशियो को दोगुना कर दिया। अंत में एसडीएम चौधरी ने सभी शहरवासियो को होली व धुलंडी पर्व की शुभकामनाऐं दी। इससे पहले उपखण्ड अधिकारी निवास पर एसडीएम व तहसील कार्यालय सहित अन्य कर्मचारियो के साथ भी डीजे की धुनो पर जमकर ठुमके लगा राज कार्य के दौरान एसडीएम व कर्मचारियो के मध्य रहने वाली दूरियो को समाप्त करने का संदेश भी दिया।

पुलिस ने किया होली का बहिष्कार

परम्परा के अनुसार शनिवार को होने वाली पुलिस की होली का प्रदेश स्तरीय आव्हान के चलते पुलिस ने होली का बहिष्कार किया।

भाई दूज को भी लेकर रहा असंमजस, आज भी अपराह्न तक रहेगी द्वितीया, मध्य रात्रि में हुआ होली दहन

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। होली दहन से लेकर भैया दूज तक लोगों में असमंजस्ताएं बनी रही। एक और जहां होलिका दहन को लेकर भद्रा व्यवधान बनी रही, वहीं भैया दूज को लेकर भी लेकर लोग असंमजस में रहे। गौरतलब है कि होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्यौहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। होली रंगों का तथा हँसी-खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो आज विश्वभर में मनाया जाने लगा है। कामाख्या ज्योतिष शोध संस्थान, केरला सवाई माधोपुर के अध्यक्ष आचार्य पंडित ताराचंद शास्त्री के मुताबिक राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्यौहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। आचार्य शास्त्री के अनुसार होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

पदयात्रा संघ के मंगल प्रवेश के साथ दो दिवसीय मेले का हुआ शुभारम्भ दादा गुरूदेव के दो दिवसीय प्रत्यक्ष दर्शन मेले में देश भर से उमड़े श्रृद्धालु

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा के टोडा रोड स्थित श्री जैन श्वेतांबर दादाबाड़ी में पद यात्रा संघ के मंगल प्रवेश के साथ दादा गुरूदेव के प्रत्यक्ष दर्शन दिवस के दो दिवसीय मेले का शुभारम्भ हुआ। गुरूवार को केकड़ी से आई पदयात्रा संघ के दादाबाड़ी में प्रवेश पर खरतरगच्छााचार्यश्री जिनपीयूष सागर सूरीश्वर महाराज, आयोजक परिवार व श्री जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ की और से भव्य स्वागत किया गया। संघ के अध्यक्ष प्रकाश चंद लोढा सहित सदस्यों ने महाराज व संघपति परिवार एवं पदयात्रियों की अगवानी कर पुष्प वर्षा कर माला पहनाकर स्वागत किया गया । संघ के आयोजक लोढ़ा एवं धूपिया परिवार केकड़ी ने बताया कि खरतरगच्छााचार्य श्री जिनपीयूष सागर सूरीश्वर महाराज के सानिध्य में पदयात्रा 10 मार्च को केकड़ी दादाबाड़ी से प्रारंभ हुई थी। पदयात्रा के मंगलप्रवेश के बाद आयोजित धर्मसभा में प्रवचन करते हुए मनोज्ञ सूरीश्वर महाराज ने कहा कि वीतराग भगवान के दर्शन करने से हम हमारे कर्मो का पतन कर सकते है। संसार में मनुष्य के दो खाते होते है एक पूण्य का व दूसरा पाप का, मनुष्य को इन दोनों ही खातों को बैंलेस में रखने के लिए प्रतिदिन देवदर्शन करने चाहिए। गुरूवार को रात्रि को विराट भजन संध्या में केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने अतिथि के रूप में शिरकत की। जहा आयोजक परिवार की और से विधायक का अभिनन्दन किया गया । भजन संध्या में बगलौर के विपिन पोरवाल ,बालोतरा के वैभव बाघमार, हैदराबाद के संयम लोढ़ा ,इंदौर के संभव जैन, मुंबई के ऋषभ जैन, इंदौर के लवेश बुरड़ ,हिमांशु बुरड़ ने सम्पूर्ण रात्रि भजन प्रस्तुत कर सुबह तक श्रोताओं को तड़के तक मौजुद रहनें को मजबूर कर दिया । शुक्रवार को भक्तांबर पाठ एवं गुरु इकतीसा का पाठ , पक्षाल पूजा स्नात्र पूजा तथा बड़ी पूजा का आयोजन के साथ दो दिवसीय मेले का विधिवत समापन हुआ। मेले में देश के कोने कोने सहित विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु दादा गुरूदेव के पावन दरबार में पहुंच कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

हर्षोल्लास के साथ परम्परागत रुप से मनाई होली

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। रंगों का त्यौहार होली एवं धुलण्डी का पर्व शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में परम्परागत एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया एवं शाम 6 बजे सैंकडों महिला व पुरुष होली के गीत गाते हुए होलिका दहन स्थल पर पहुंचे और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना करके होलिका का दहन किया। गुरुवार की शाम शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में परम्परागत रूप से महिलाएं एवं बालिकाएं रंग-बिरंगे परिधान पहनकर मांगलिक गीत गाती हुई होली दहन स्थल पर पहुंचकर गोबर के बडूकले होली पर डालकर एवं फूले पताशे चढाकर विधिवत रूप से होलिका की पूजा अर्चना की। इस दौरान जमात, इन्द्रा विस्तार कॉलोनी, पटेल रोड, शिवाजी कॉलोनी, चौहट्टी बाजार, बडा बाजार, इन्दिरा कॉलोनी, गणगौरी बाजार, भगतसिंह कॉलोनी, महावीर कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी, कीर कॉलोनी, मालियों का मौहल्ला, बस स्टेण्ड, हनुमान नगर, दीनदयाल कॉलोनी, भगसिंह कॉलोनी, सुभाष कॉलोनी व मालियों का मोहल्ला सहित कई स्थानों पर होली दहन का आयोजन हुआ। होली व धुलण्डी के पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस उपाधीक्षक मृत्युन्जय मिश्रा, थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा, सदर थानाधिकारी हीरालाल वर्मा, बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड व दतवास थानाधिकारी प्रभारी कालुराम मीणा मय पुलिस जाप्ते के साथ गश्त करते हुए लोगों को शान्ति व सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने की अपील की।

जमकर खेली होली : शुक्रवार की सुबह से ही धुलण्डी के पर्व पर सैंकडों युवक अनेक टोलियों में सडकों पर उतर गए जो भागडे की धुन पर नाचते गाते हुड़दंग मचाकर एक दूसरे के गुलाल व रंग लगाकर होली खेली। मकानों छतो पर चढकर बच्चों ने भी लोगों पर पानी व रंग गुलाल फैककर होली का आनन्द लिया। इस दौरान सभी को ठंडाई की प्रसादी वितरित की गई।

इस अवसर पर विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी व रवि अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि व पदाधिकारियों ने जमकर होली खेली। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि होली का पर्व हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। इससे आपस में भाईचारा बढता है। इसी प्रकार पूर्व विधायक प्रशान्त बैरवा के फार्म हाउस पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे के गुलाल का तिलक लगाकर होली खेली। होली के पर्व को लेकर गुरूवार की रात्रि से ही लोगों ने मोबाइलों पर वाटसएप व फेसबुक पर मेसेज भेजकर एवं फोन करके एक दूसरे को होली व धुलंडी की बधाई व शुभकामनाएं दी।

भाजपा का होली मिलन समारोह आयोजित, एक-दूसरे के गुलाल लगाकर दी होली की शुभकामनाएं

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में गुरुवार को एक निजी गार्डन में होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, अध्यक्षता नगर पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी, विशिष्ट अतिथि नटवाडा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय व अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गूर्जर रहे। समारोह में विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि होली का त्यौंहार अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इसको लेकर विधायक वर्मा ने सभी को त्यौहार की शुभकामनाएं प्रेषित की।

होली का त्यौहार हमें विभिन्नता में एकता का संदेश देता है। होली के विभिन्न रंगों से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जिस प्रकार होली के रंग अलग प्रकार के होते हैं, इसी प्रकार संपूर्ण देशभर के लोग आपस में होली मना कर एकता का संदेश देते हैं। आपस में हुए मतभेद को भुलाकर हमें होली के पावन पर्व को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। होली के पावन पर्व पर किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष इसरानी ने कहा कि हमें अपनी बुराइयों को होली दहन के दौरान उसमें जला देना चाहिए। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता रामप्रसाद शर्मा, पार्षद नितिन छाबड़ा, गिर्राज जाट, छोटू महाराज, अजय पारीक, रामगोपाल सेवलिया, बुद्धराम मीणा, नारायणलाल यादव, रमाकांत शर्मा, आशाराम डोई, बाबूलाल सैनी, रामअवतार घाटी, जयनारायण कुमावत, जितेंद्र विजय, जितेंद्र धारवाल, योगेश जैन व सोनू श्रीमाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीदडा मे सोशल मीडिया के माध्यम से 374330 राशि एकत्रित करके निराश्रित परिवार को दी आर्थिक सहायता, भामाशाहो ने जमकर दिखाई सहानुभूति

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। ग्राम पंचायत सीदडा में आर्थिक दृष्टि से बहुत ही कमजोर परिवार के लिए जिसमें स्वर्गीय बाबूलाल मीणा पुत्र श्री देवा लाल मीणा हीरा वाली ढाणी सीदडा का सोशल मीडिया के माध्यम से चलाये गये मिशन का समापन हुआ जिसमें ग्राम पंचायत के समस्त पंच पटेलों और भामाशाहों की उपस्थिति में सोशल मीडिया के माध्यम से एकत्रित की गई राशि का ब्यौरो देकर राशि सुपुर्द की गई । भामाशाह पूर्व सरपंच कैलाश मीणा सिदडा ने बताया कि मिशन के माध्यम से 202230 रुपए की नकद राशि एकत्रित हुई साथ ही इस परिवार की दैनिक स्थिति को देखते हुए बीमारी के लिए और पूर्व में ली गई कर्ज वाली राशि को कर्ज देने वाले सभी लोगों ने लगभग 172100 रुपए का कर्जा माफ कर दिया (कर्ज माफ करने वाले भामाशाह लक्ष्मी नारायण मीणा, जगदीश, प्रहलाद मीणा, हरि नारायण मीणा, कालूराम मीणा) इस प्रकार इस मिशन के माध्यम से इस परिवार को लगभग 3.45 लख रुपए का सहयोग प्राप्त हुआ है जिसमें से सभी की सर्व सहमति से 180000 की पुत्री छोटा बाई एवं विधवा काली देवी

के नाम एफडी करवाने का निर्णय लिया गया। और 7300 नगद प्रदान करके सभी भामाशाहों और पंचायत के गणमान्य लोगों ने पीड़ित परिवार का हौसला बढ़ाकर कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने का वादा किया है। इस अवसर पर सरपंच रामसहाय मीणा पटेल, गणेश नारायण मीणा, रतिराम मीणा, गोपाल मीणा, रामफूल मीणा, छोटू लाल मीणा,, पंचायत समिति सदस्य रामकिशोर मीणा, लालचंद मीणा, तेजराम मीणा, कमल मीणा, मोदी बाबा, रमेश प्रजापत, पप्पू सेन, रामलाल मीणा, ब्रजमोहन मीणा, श्रीनारायण मीणा, रामस्वरूप मीणा,, रमेश चंद मीणा, प्रहलाद मीणा, धोलूराम मीणा, रामलाल मीणा, सोजी लाल मीणा, कालूराम मीणा, सीताराम मीणा, बद्री मीणा आदि समस्त ग्राम पंचायत के समस्त गणमान्य लोग और भामाशाह उपस्थित रहे।

पूजा-अर्चना कर किया होलिका दहन

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा (नि.स.)। कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्र में होली का त्योहार हर्षोल्लास और परंपरागत ढंग से मनाया गया। क्षेत्र में सभी जगह होली शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाई गई। कस्बे के सैकड़ों भक्त ने श्री बद्री विशाल भगवान को फूल चढ़ाकर एक दूसरे से होली की रामा श्यामा की है। विभिन्न संगठनों की ओर से होली मिलन समारोह आयोजित गए। यहां हवन, यज्ञ कर विश्व में शांति, समृद्धि की मंगल कामना की गई है। गांव- गांव में युवाओं की टोलियों ने जमकर धमाल मचाया। देर शाम तक हर तरफ रंग बरसता रहा। होली पर सबसे अधिक उत्साह बच्चों में दिखाई दिया। बच्चे अपने साथियों के साथ पिचकारी से एक-दूसरे पर रंग फेंकते हुए देखे गए। छोटों ने बड़ो के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। हर उम्र के लोग मस्ती करते देखे गए। इससे पूर्व रविवार को तय मुहुर्त पर होली का दहन किया गया। अपने साथियों के साथ युवाओं ने जमकर होली खेली। इसके साथ ही नृत्य भी किए।

पुलिस जवानों ने नहीं खेली होली विभिन्न मांगों को लेकर किया बहिष्कार

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। पुलिस जवानों ने विभिन्न मांगों को लेकर इस बार होली का त्यौहार नहीं मनाया। पुलिस कर्मियों ने बताया कि डीपीसी और अन्य महत्वपूर्ण मांगे लंबे समय से की जा रही है। किंतु अभी तक इस पर निर्णय नहीं लिया गया है। पुलिस कर्मियों की पदोन्नति, वेतन विसंगतियों और अन्य सुविधाओं से जुड़ी मांगों पर सरकार ने कोई भी फैसला नहीं किया है। इसीलिए समस्त पुलिस कर्मियों में आक्रोश व्याप्त है। जिसके चलते पुलिस जवानों ने इस बार होली खेलने का बहिष्कार किया है। जवानों की मांग है कि डीपीसी प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए। पुलिस कर्मियों के वेतन भत्तों में संशोधन, ड्यूटी के दौरान मिलने वाले लाभों को बढ़ाने, कार्य स्थल पर सुविधाओं की प्रमुख मांगों को पूरा करने सहित कई मांगें शामिल हैं। क्षेत्र में पुलिस कर्मियों द्वारा होली नहीं मानने से माहौल फीका रहा। पुलिस लाइन में किसी भी तरह की कोई भीड़ भी दिखाई नहीं दी। हालांकि पुलिस के जवानों ने सोशल मीडिया पर अपनी मांगों को लेकर अभियान भी चलाया था। निवाई थाने में भी पुलिस के जवानों द्वारा होली नहीं खेली गई। जबकि थाने में होली के लिए टेंट लगवाया गया था। होली नहीं खेलने से थाने में कुर्सियां खाली पड़ी रही।

उमंग व उल्लास के साथ मना होली का त्योहार गुलाल लगाकर एक-दूजे को दी बधाई

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। उपखंड सहित आसपास के इलाकों में होली का पर्व श्रद्धा व परंपरागत तरीके से व श्रद्धा के साथ मनाया गया। होली का दहन इस बार सुबह 10.35 से 11.26 तक भद्रा का साया रहने से शास्त्रों के अनुसार होली का दहन कभी भी भद्रा काल में नहीं किया जाता इसलिए शुभ महूर्त रात 11.27 से मध्य रात्रि 12.30 बजे तक रहा जिसमें मुहूर्त के अनुसार होली का दहन किया गया। होलिका दहन स्थल पर गाय के गोबर से बने बडकुल्ले एवं प्रसाद चढाकर पूजा अर्चना की गई ।मंदिरो मे भी परम्परागत तरीके से पूजा अर्चना करने बडी संख्या मे महिला,पुरुष एवं बच्चो सहित होलिका दहन

स्थल पर पूजा अर्चना करने सुबह से ही पहुचना प्रारम्भ हो गये थे। गाय के गोबर से बने बडकुल्ले की मालाये बनाकर होलिका स्थल पर चढाने की सनातन परम्परा आज भी कायम है। जिसे परिवार की महिलाये बच्चो को पहनाकर उसके बाद होलिका दहन स्थल पर चढाती है।

जिसकी मान्यता है की बच्चो के समस्त कष्ट होलिका दहन के साथ ही दूर हो जाते है। माचाड़ी कस्बे मे प्राचीन होली स्थल शनि मंदिर के नजदीक होलिका दहन किया जाता है। जहां बडी संख्या मे श्रद्धालुओ ने पूजा अर्चना की। होलिका दहन को लेकर होली पूजन के साथ ही इस महापर्व पर मंदिरो मे भी पूजा का विशेष महत्व है। जिसको लेकर आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रो के लोग बडी संख्या मे होलिका दहन स्थल पहुंचे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई धूलंडी : कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र में शुक्रवार को धूलंडी बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कस्बे के राधा गोविंद मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं ने फाल्गुन गीतों पर जमकर एक दूसरे को गुलाल लगाकर धूलंडी मनाई। मंदिर में भगवान को गुलाल लगाकर भजनों पर श्रद्धालु झूमते रहे। मंदिर में ठण्डाई, कचौरी, लड्डू का प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं चौपड़ बाजार, बस स्टैंड सहित आसपास के इलाकों में लोगों ने जमकर एक दूसरे को गुलाल लगाकर धूलंडी मनाई। कानून व्यवस्था के लिए पुलिस बार-बार गश्त कर रही थी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अलवर शाखा के चुनाव 23 मार्च 2025 को आईएमए हॉल में

चुनाव पारदर्शिता व शान्ति से कराने के लिए चुनाव अधिकारी का करें सहयोग : डॉ. मित्तल

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अलवर शाखा के सचिव डॉ.विजय सिंह चौधरी ने बताया कि आगामी रविवार,23 मार्च 2025 को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अलवर शाखा के चुनाव आईएमए हॉल, राजकीय राजीव गाँधी सामान्य चिकित्सालय परिसरए अलवर में आयोजित किये जायेंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अलवर शाखा के अध्यक्ष डॉ.एससी मित्तल ने बताया कि उनके 2 वर्ष का कार्यकाल आगामी 31 मार्च 2025 को समाप्त हो जायेगा इसलिए स्टेट कोंसिल के नियमानुसार आगामी 23 मार्च 2025 को अलवर शाखा के चुनाव करवाये जा रहे है इन चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोरोग विशेषज्ञ डॉण् अजय सक्सेना जी को नियुक्त किया गया है। ये चुनाव सम्पन्न होने पर आने वाली कार्यकारिणी पदाधिकारी 2 वर्षो के लिए 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2027 तक के लिए नियुक्त किये जायेंगे। चुनाव में कुल 49 पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न की जायेगी जिसमे 01 पद अध्यक्ष,01 पद

महासचिव, 01 पद कोषाध्यक्ष,02 पद उपाध्यक्ष,04 पद संयुक्त सचिव,14 कार्यकारिणी सदस्य,10 केन्द्रीय परिषद् सदस्य,10 राज्य परिषद् सदस्य,02 खेल सचिव,02 साइंटिफिक सचिव,02 सांस्कृतिक सचिव के पद रखे गए है चुनाव में खड़े होने वाले सभी सदस्य गुरुवार, दिनांक 20 मार्च 2025 तक मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. अजय सक्सेना को उनकी ई मेल पर या उनके मोबाइल नंबर 9414018064 अपना पूरा सही सही भरा फॉर्म देकर जमा करवा सकते है क्योकि गुरुवार, दिनांक 20 मार्च 2025 के बाद कोई फॉर्म नहीं लिया जाएगा। शुक्रवार, दिनांक 21 मार्च 2025 को आये हुए सभी फॉर्म को जाँचा जाएगा तथा अधूरे, गलत फॉर्म को निकाला जाएगा साथ ही 21 मार्च 2025 को ही नाम वापस लेने की अंतिम तिथि रखी गयी है। शनिवार, 22 मार्च 2025 को उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की जायेगी तथा अगले दिन रविवार, 23 मार्च 2025 को नयी कार्यकारिणी वर्ष 2025 - 27 के चुनाव ऑफ लाइन आयोजित किये जायेंगे और उसी दिन शाम को चुनाव के परिणाम भी घोषित होंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अलवर शाखा के सचिव डॉ.विजय सिंह चौधरी ने बताया कि अभी हाल ही में राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष डॉ.एमपी शर्मा, पूर्वाध्यक्ष डॉ.रजनीश शर्मा, प्रदेश सचिव डॉ.पी. सी.गर्ग, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. रूप सिंह का अलवर शाखा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में अलवर दौरा हुआ था जिसमे अलवर शाखा के चुनाव पर विस्तृत चर्चा के बाद ये फैसला लिया गया था। सचिव डॉ. विजय सिंह चौधरी ने अलवर शाखा के सभी सदस्यों से आह्वान किया है कि समय पर सही एवं पूरा चुनाव फॉर्म भरकर मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ.अजय सक्सेना को व्हात्सप्प, ई-मेल जमा करवा सकते है साथ ही पूरी चुनाव प्रक्रिया में सहयोग देकर शांति एवं सदभाव पूर्ण वातावरण में चुनाव करवाने में मदद करें।

विधायक ने खेली क्षेत्रवासियों के साथ होली

अवाम की सकारात्मक सोच से होगा देश का विकास : शेखावत

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधायक देवीसिंह शेखावत के बानसूर विधानसभा क्षेत्र स्थित ज्ञानपुरा आवास पर होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ।जिसमें सभी जाति धर्म के लोग होली स्नेह मिलन समारोह में उपस्थित हुए। बानसूर के अब तक के विधायकों में से दूसरी बार किसी विधायक ने अपने आवास पर क्षेत्रवासियों के साथ होली खेली। जहाँ देवीसिंह शेखावत ने लोगों को रंग लगाकर और लगवाकर अपने कलेजे से लगा रहे थे वहीं क्षेत्रवासियों ने भी होली खेलने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। एक और महिलाएं रंग गुलाल और फूल होली खेलते हुए डांस कर रही थी तो दूसरी और विधायक देवीसिंह शेखावत और जयपुर के अतिरिक्त जिला कलेक्टर गोपालसिंह को कंधो पर बिठाकर क्षेत्र के लोगों ने डांस किया। व्यापारी प्रतापसिंह शेखावत और न्यायाधीश शक्तिसिंह शेखावत को भी उपस्थित लोगों ने गुलाल लगाकर व पुष्प होली खेलकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस किया। शेखावत ने कहा कि अपराधों पर अंकुश

लगा है क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहे हैं।उन्होंने विधानसभा क्षेत्र से पहुँचे समर्थकों का दिल से स्वागत सत्कार किया।इस मौके पर राखी गुप्ता, नीलम त्रिपाठी, सुनीता मीणा, सुमन राठौड़, मीनू राठौड़, सीमा शेखावत, सीमा राठौड़, मंजू शर्मा,महिला मण्डल अध्यक्ष निशा शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं ने पहुंच कर विधायक आवास पर महिला शक्ति से होली खेली और विधायक देवीसिंह शेखावत को बधाई और शुभकामनाएँ दी।वहीं इस मौके पर भाजपाईयों के साथ कांग्रेस समर्थक भी पीछे नहीं रहे। इस मौके पर रसनाली सरपंच गेंदाराम बैंसला,महणपुर सरपंच प्रतिनिधि रामपाल गुर्जर, डॉ शशिकांत बोहरा, सज्जन मिश्रा, समाजसेवी निरंजन लाल ठेकेदार, पूर्व मण्डल अध्यक्ष रामानंद दीक्षित, महेश कटारिया, मण्डल अध्यक्ष, आईटी सैल के विजय कुमावत, रघुवीर चौधरी, सरजीत जाखड़, पूर्व सरपंच व वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि हरदान गुर्जर, सुबेदार हेमराज कसाना व उनकी टीम, मौजूद रही।वहीं विधायक देवीसिंह शेखावत ने चंग पर थाप मारकर लोगों को हैरान कर दिया।

पुलिस के आला अधिकारीयों ने खेली होली

पुलिस जवान पहली बार होली रही रंगों से बदरंग

11 सूत्री मांगों को लेकर पुलिस कर्मचारी हुए मज़बूर

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। वृत्त क्षेत्र में 1947से 2024तक पुलिस के जवानों ने लोगों को खुशियों और उमंग के त्योंहार को लेकर होली का तीसरे दिन होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया जाता रहा है। इस दिन अधिकारीयों सहित पुलिस के जवान हर्सोल्लास से होली का त्योंहार मनाते आ रहे हैं। लेकिन भारत की आजादी का अमृतोतस्व के चलते पुलिस के जवानों ने होली नहीं मनाई यह सरकार के लिए सोचनीय बिन्दु है आखिर पुलिस के जवानों ने होली क्यों नहीं मनाई। पुलिस जवानों की 11 सूत्रीए मांग शायद सरकारों को नागवार गुजर रही हैं। सीमा पर जवान आंतरिक समस्या को सुलझाने का पुलिस है नाम। पर हम कुछ इसलिए भी नहीं कह सकते कि सरकार जो चाहे करे क्योंकि उसके पास बहुमत है। जिस देश में अल्पमत की सरकार होती है उस देश के कार्मिकों और जनता के बारे में सरकारें सोचती हैं और उन्हें पूरा करने का प्रयास करती हैं। हम मानते हैं कि पुलिस के जवानों और सेना के जवानों की 24गुणा 7ड्यूटी होनी चाहिए!लेकिन उन्हें साप्ताहिक अवकाश और अन्य 30अवकाशों सहित सभी छुट्टियां मिलनी चाहिए!उनके वेतन भत्तो सहित अन्य कर्मचारीयों को मिलने वाली सभी सुविधाएं मिलनी चाहिए। लेकिन प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार इस और गंभीर दिखाई नहीं दे रही!जिसके चलते पुलिस के आला अधिकारीयों ने तो होली मना ली लेकिन उन जवानों ने होली का बहिष्कार किया है जो सड़क पर खड़ा होकर धूल फांकते हैं और मुजरिमों के पीछे दौड़कर उन्हें गिरफ्तार करते हैं। सरकार को चाहिए कि अमृतकाल में जहर न फैले!पुलिस कर्मचारियों की प्रमुख मांग पुलिस कॉन्स्टेबल की ग्रेड पे 3600 की जाए।पुलिस कॉन्स्टेबल से निरीक्षक के पद पर पदोन्नति की जाए।राजस्थान पुलिस कर्मियों की जनसंख्या के आधार पर नफरी बढ़ाई जाए।राजस्थान पुलिस कर्मियों का हाई ड्यूटी अलाउंस के अलावा मासिक रिस्क अलाउंस 5000 दिया जाए।पुलिस कर्मियों को साप्ताहिक अवकाश दिया जाए। पुलिस वर्दी भत्ता 10000 वार्षिक निर्धारित किया जाए।पुलिस स्थानांतरण पॉलिसी में संशोधन किया जाए।150 रुपए साइकिल भत्ता बंद कर पेट्रोल 10 या 15 लीटर प्रतिमा दिया जाए।पुलिस कर्मियों को थाने में पदस्थापन पर राशि 1000 दिया जाए।आरएसी कंपनी को रोटेशन प्रणाली में संशोधन किया जाए सहित अनेक मांगे हैं जो हमारी नजर में ठीक और वाजिब हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार से उम्मीद है कि पुलिस कर्मियों की इस बदरंग होली को रंगीन होली में बदलेंगे!

तहसीलदार ने किया औलावृष्टि से हुए नुकसान का मौका मुआयना

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र में 13मार्च 2025 को तहसील क्षेत्र बानसूर में हुई ओलावृष्टि से कुछ क्षेत्रों में फसल को नुकसान हुआ हैया नहीं राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा संबंधित क्षेत्र में मौके पर जाकर फसल खराबे की जानकारी ली गई।पूर्व में नायब तहसीलदार हरसोरा अर्जुन सालोदिया एवं राजस्व कर्मचारियों के द्वारा ग्राम खोहरी में फसल खराबे की मौके पर जाकर जानकारी प्राप्त की गई! लेकिन मिडियाकर्मियों को औलावृष्टि की ग्रामीणों द्वारा जानकारी नहीं दी गई।इसी क्रम में शनिवार 15मार्च 2025 को गजेंद्र सिंह राठौड़ तहसीलदार बानसूर एवं भू- अभिलेख निरीक्षक एवं संबंधित पटवारी के द्वारा ग्राम खोहरी में मौके पर जाकर फसल खराबे की जानकारी प्राप्त की गई। उपखंड अधिकारी बानसूर के निर्देश अनुसार तहसीलदार बानसूर के द्वारा राजस्व विभाग के समस्त फील्ड कर्मचारियों को ओलावृष्टि के कारण हुई फसल खराबे की तुरंत प्रभाव से मौके पर जाकर रिपोर्ट प्रेषित करने एवं कृषि विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावित काश्तकारों को फसल खराबी का मुआवजा दिलाने हेतु नियमानुसार प्रक्रिया अपनाने हेतु सहायता करने बाबत निर्देशित किया गया है। लेकिन किस गाँव में कितनी औलावृष्टि हुई हमें कानो कान खबर नहीं लगी कहीं सरकार को चूना लगाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा है।

उत्साह और एकत्व के साथ 25वे बाबा गुरबचन सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल समापन

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। सेवा, समर्पण और एकत्व के पावन संदेश को साकार करते हुए 25 वे बाबा गुरु बचन सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट; रजत जयंतीद्ध का भव्य समापन संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा हरियाणा में संपन्न हुआ 20 फरवरी 2025 से प्रारंभ हुई इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से 24 सर्वश्रेष्ठ टीमों ने भाग लिया जिनके बीच खेल कौशल और आध्यात्मिक मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल चरण में भटिंडा, बरेली,आगरा और चंडीगढ़ की टीमों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर अंतिम चार में स्थान बनाया 13 मार्च 2025 को फाइनल मुकाबला आगरा और भटिंडा की टीमों के बीच हुआ। जिसमें आगरा टीम ने कड़ी मेहनत,अनुशासन और खेल कौशल से अंतिम मुकाबला जीत कर विजय श्री प्राप्त की। मैन ऑफ द सीरीज का किताब दीप राजपूत आगर को मिला तथा अन्य खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया । संपूर्ण टूर्नामेंट सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन निर्देशानुसार और संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। टूर्नामेंट के भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि आदरणीय एस एल गर्ग कन्वीनर केंद्रीय योजना सलाहकार बोर्ड ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया इस गरिमामयी अवसर पर श्रीमती राजकुमारी की भी उपस्थिति रही अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं होते बल्कि यह आत्म विकास, अनुशासन, टीम भावना और सामूहिक समर्पण का प्रतीक है। यह टूर्नामेंट मात्रा प्रतिस्पर्धा नहीं अपितु खिलाड़ियों के लिए आपसी सौहार्द एप्रेम और एकत्व को जीवंत रूप में अभिव्यक्त करने का माध्यम है । यह टूर्नामेंट केवल एक खेल आयोजन नहीं था बल्कि सतगुरु माता जी की शिक्षाओं से प्रेरित एक आध्यात्मिक अभियान था जिसमें खिलाड़ियों ने मैदान पर केवल जीतने के लिए नहीं बल्कि मानवता के उच्चतम मूल्यों को अपने और प्रसारित करने के उद्देश्य से हिस्सा लिया।

पुलिस लाईन पहुँचे एसपी संजीव नैंन- पुलिस जवानों के साथ खेली होली

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। अपने व्यक्तित्व व शानदार पुलिसिंग से पुलिस के अधिकारियों - कर्मचारियों व जवानों के हद्य में निवास करने वाले अलवर के पुलिस कप्तान आईपीएस संजीव नैंन शनिवार को पुलिस लाईन पहुँचे जहां पुलिस के जवानों व अन्य अधिकारियों के साथ रंगों से सराबोर होकर होली खेली। इस दौरान सभी जवानों द्वारा त्यौहारी सीजन पर मुस्तैदी से की गई ड्युटी पर उनकी पीठ थपथपाई और उनका हौंसला बढ़ाया। इस दौरान पुलिस लाईन का जाप्ता व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

इधर पूरे राजस्थान में होली खेलने के पुलिस कर्मियों के ब्हीष्कार के सोशल मीडिया पर चल रहे संदेश से परे अलवर पुलिस लाईन में डीजे पर रंगों के सरोबार में रंगे एसपी संजीव नैंन और उनकी पूरी टीम जवानों के साथ डीजे पर थिरकते नजर आए।

वीर सावरकर नगर समिति के गागल नवी बार बने अध्यक्ष

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। शनिवार को अलवर के वीर सावरकर नगर समिति के अध्यक्ष पद पर महेन्द्र गागल नवी बार अध्यक्ष बन गए हैं। इन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया है। उल्लेखनीय कार्यो के कारण पूरे वीर सावरकर नगर में इनका एक अलग ही नाम है। जनसेवा हो या धार्मिक आयोजन या फिर साफ सफाई का मामला हो हमेशा अग्रणी रहने वाले महेन्द्र गागल का पूर्व केबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार हेम सिंह भड़ाना ने माला व साफा पहना कर इनका सम्मान किया। इधर मौजूद लोगों ने इन्हें एक बार फिर पद मिलने पर हार्दिक शुभकामनाए प्रेषित की। इधर लोगों के प्रेम से अभिभूत होकर अंर्तमन भाव से महेन्द्र गागल ने लोगों का आभार प्रगट किया और कहा कि वे स्थानीय लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने का प्रयास करेंगे।

अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर नाथ समाज ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

रैणी/अलवर (राजकुमार गुप्ता)। रैणी नाथ समाज की ओर से शनिवार को रैणी तहसीलदार कैलाश चंद मेहरा को नाथ समाज रैणी की श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाने तथा स्थान आवंटन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। भाजपा रैणी ओबीसी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र योगी ने बताया कि आराजी खसरा संख्या 2042 रकबा 0.35 हैक्टेयर वाके ग्राम रैणी तहसील रैणी में स्थित भूमि में नाथ समाज रैणी के श्मशान घाट के लिए अतिक्रमण हटवाते हुए स्थान आवंटित कराने के सन्दर्भ में ज्ञापन दिया गया। इस दौरान ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष जितेंद्र योगी, घनश्याम योगी, सीताराम योगी, बनवारी योगी, नरेश योगी, शिम्भू योगी, लालाराम योगी, पप्पू योगी, कालू राम योगी, महेश योगी, मुरारी लाल योगी, बुद्धा , गोकुल नाथ, लल्लू, नन्दा राम, महेश योगी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पंचायत राज चुनावों में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करने की मांग

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। राजस्थान मे पंचायत राज चुनाव होने जा रहे हैं इन चुनावों में ईडब्ल्यूएस आरक्षण देने की मांग को लेकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को विष्णु शर्मा प्रदेश महासचिव अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ भारत शिक्षा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया ज्ञापन में बताया गया कि राजस्थान सरकार की ओर से प्रदेश में होने वाले पंचायत राज चुनाव में अनुसूचित जाति,

अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षित वर्गीकरण किया जाता है। जिसमें सभी वर्ग का उचित प्रतिनिधित्व जनसंख्या प्रतिशत के आधार पर किया जाता है। राज्य सरकार की ओर से सामान्य वर्ग में सम्मिलित आर्थिक पिछड़ा वर्ग ;ईडब्ल्यूएसद्ध को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए आरक्षण की विशेष व्यवस्था की गई है।

राजस्थान पंचायत राज चुनाव में आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग ;ईडबल्यूएसद्ध को 10: आरक्षण पंचायत राज चुनाव में आरक्षण देकर जन प्रतिनिधित्व में भागीदारी देने की मांग की गई। इस दौरान शंकर शर्मा बांसा मंडल अध्यक्ष भाजपा, मोहन शर्मा, राहुल शर्मा, इन्द्र शर्मा व अन्य ब्राह्मण समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कांग्रेस विधानसभा प्रभारी गोला का बास में कल लेंगे कार्यकताओं की बैठक

बढ़ता राजस्थान

गोला का बास/राजगढ़/(राजकुमार गुप्ता)। थानागाजी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी नितिन अग्रवाल सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के श्रीहरि गौशाला धीरोड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिलकर जनसंवाद स्थापित करेंगे। कांग्रेस के संगठन महामंत्री एवं यूथ कांग्रेस अध्यक्ष संदीप कुमार देवतवाल ने बताया कि बैठक का प्रदेश प्रभारी नितिन अग्रवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, थानागाजी विधायक कान्ति प्रसाद मीना सम्बोधित करेंगे। बैठक में कांग्रेस में जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर रावत, पूर्व विधायक, पीसीसी सदस्य, प्रधान, सभी मंडलों के अध्यक्ष सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

रंग और भक्ति का संगम : हरे कृष्ण मंदिर में गौर पूर्णिमा एवं होली महोत्सव के भव्य आयोजन में भक्ति भाव से झूमे श्रद्धालु

भक्तों ने फूलों की होली खेली, गूंजा हरे कृष्ण-हरे राम, भगवान श्री गौर निताई के अभिषेक के साथ हर्षोल्लास से मना गौर पूर्णिमा उत्सव

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। हरे कृष्ण मंदिर, मुकुंदरा विहार कोटा में श्री गौर पूर्णिमा महोत्सव भक्तिमय माहौल में मनाया गया। श्री चैतन्य महाप्रभु के प्राकट्य दिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष आयोजन में हजारों भक्तों ने भाग लिया और दिव्य आनंद लिया।

भगवान का भव्य अभिषेक : मंदिर में भगवान श्री श्री निताई गौरांग का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाभिषेक किया गया। इस पावन अवसर पर भक्तों ने शाम तक उपवास रखते हुए हरे कृष्ण महामंत्र का अधिकाधिक जाप किया। भगवान श्री श्री गौर निताई के उत्सव विग्रह का भव्य अभिषेक समारोह शाम 7 बजे संकीर्तन के साथ प्रारम्भ हुआ। अभिषेक में पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और मीठा पानी), पंचगव्य, विभिन्न प्रकार के फलों के रस, औषधियों (जड़ी-बूटियों) के

साथ मिश्रित जल और नारियल पानी का उपयोग किया गया। ब्रह्म संहिता की मधुर प्रार्थनाओं के बीच श्री गौर निताई को 108 कलशों के पवित्र जल से अभिषेक किया गया, जिसने उपस्थित सभी भक्तों के हृदय को प्रफुल्लित कर दिया।

फूलों की होली का अद्भुत दृश्य

अभिषेक समारोह के समापन पर भगवान पर विविध रंगों के फूलों की वर्षा की गई। उत्साह और भक्ति से ओतप्रोत माहौल में 1000 किलो से भी अधिक विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से भगवान श्री श्री गौर निताई ने भक्तों संग फूलों की होली खेली। मंदिर परिसर फूलों की सुगंध और रंगों से सराबोर हो गया।

भगवान की पालकी का भव्य स्वागत

भगवान की पालकी पर सवारी निकाली गई, जिसका भक्तों ने हरे कृष्णा और हरे रामा की मंगलमय ध्वनियों से भव्य स्वागत किया। मंदिर परिसर भक्ति रस में डूबा हुआ था। भक्तों के उत्साह का कोई पारावार नहीं था। पीत वर्ण पोशाक में गौरांग महाप्रभु ने सभी भक्तों को मनमोहित कर दिया। उन्हें 151 प्रकार के भोग अर्पित किए गए, जिसके बाद राजभोग आरती सम्पन्न हुई।

श्री चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाओं का प्रसार

मंदिर के उपाध्यक्ष श्री राधाप्रिय दास ने अपने प्रवचन में बताया कि श्री चैतन्य महाप्रभु का प्राकट्य 1534 ईस्वी में फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा के दिन नदिया (पश्चिम बंगाल) जिले के नवद्वीप गांव में माता सची और जगन्नाथ मिश्रा के पुत्र के रूप में हुआ था। उन्होंने कहा, विश्व भर में श्री हरिनाम संकीर्तन श्री चैतन्य महाप्रभु की ही आचरण युक्त देन है। उन्होंने कलियुग के जीवों के मंगल के लिए ही उन्हें श्रीकृष्ण प्रेम प्रदान किया है। वह सांसारिक वस्तु प्रदाता नहीं बल्कि करुणा और भक्ति के प्रदाता हैं। उन्होंने आगे बताया, भगवान श्री कृष्ण नवद्वीप में श्री चैतन्य महाप्रभु के रूप में संकीर्तन आंदोलन की स्थापना के लिए प्रकट हुए। भगवान चैतन्य और भगवान कृष्ण की शिक्षाओं में कोई अंतर नहीं है। भगवान श्री चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाएं भगवान श्री कृष्ण की शिक्षाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन हैं।

कलियुग में हरिनाम संकीर्तन का महत्व

श्री राधाप्रिय दास ने कलियुग में हरिनाम संकीर्तन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, कलियुग में धार्मिक अनुष्ठानों में लोगों की रुचि नहीं रही, किन्तु हरे कृष्ण का कीर्तन कहीं भी और कभी भी सुगम तरीके से किया जा सकता है। इस प्रकार श्री चैतन्य की पूजा करते हुए लोग सर्वोच्च कर्म कर सकते हैं और परमेश्वर श्री कृष्ण को प्रसन्न करने का सर्वोच्च धार्मिक प्रयोजन पूरा कर सकते हैं। उन्होंने सभी भक्तों को हरे कृष्ण महामंत्र 'हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण, हरे हरे। हरे राम, हरे राम, राम राम, हरे हरे' का जाप करने का आह्वान किया।

श्री महर्षि दधीचि का देहदान दिवस पूर्ण श्रद्धा से मनाया, मानवता की रक्षा के लिए किया था देहदान

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। फाल्गुन पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री महर्षि दधीचि देहदान दिवस पूर्ण श्रद्धा भाव से मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्री महर्षि दधीचि ने मानवता की रक्षा के लिए इंद्रादि देवताओं की प्रार्थना पर अपनी देह का दान किया था। इसी के चलते दाधीच समाज कोटा इसे गौरवशाली दिवस के रूप में मनाता है।

इस मौके पर विधिवत अभिषेक और पूजन समारोह सुबह 9.30 बजे से शुरू हुआ। मां दधिमती धाम के समीप स्थित, श्री महर्षि दधीचि तिराहे पर दाधीच समाज बंधु सपरिवार एकत्रित हुए। उत्साह और भक्ति से परिपूर्ण वातावरण में वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य श्री महर्षि दधीचि की भव्य मूर्ति का विधिवत दुग्ध अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात चंदन, कुमकुम, अक्षत और पुष्प से पूजन, अर्चन सम्पन्न हुआ। पूजन के दौरान वातावरण वैदिक मंत्रों की ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। समाज के वरिष्ठ पुरोहितों ने सामवेदीय ध्वनि में मंत्रोच्चारण करते हुए अभिषेक करवाया, जिससे वातावरण में एक अलौकिक आभा का संचार हुआ।

महर्षि दधीचि के त्याग का स्मरण : श्री महर्षि दधीचि छात्रावास के अध्यक्ष रविंद्र जोशी ने इस अवसर पर महर्षि दधीचि के महान त्याग को याद करते हुए कहा, ब्रह्माण्ड के प्रथम देहदानी श्री महर्षि दधीचि ने फाल्गुनी पूर्णिमा के दिन अपनी अस्थियों का दान किया था। देवताओं द्वारा प्रार्थना किए जाने पर महर्षि ने अपने प्राणों का त्याग कर दिया और उनकी अस्थियों से विश्वकर्मा ने 'वज्र' का निर्माण किया, जिससे इंद्र ने वृत्रासुर का वध कर संसार को अज्ञानता के अंधकार से मुक्त किया।

मां दधिमती मंदिर में विशेष पूजा : समाज के महामंत्री निमेष पुरोहित ने बताया कि इस अवसर पर सभी समाज बंधु मां दधिमती मंदिर में भी एकत्रित हुए। उन्होंने कहा, मां दधिमती के चरणों में रंग गुलाल अर्पित करने के पश्चात श्री महर्षि दधीचि का विशेष पूजन-अर्चन किया गया। मां दधिमती की भी पूजा-अर्चना करते हैं और उनसे शक्ति और प्रेरणा प्राप्त करते हैं।

समाज बंधुओं का उत्साहपूर्ण सहभाग : इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। इनमें नागेश दाधीच, नरेन्द्र मोहन दाधीच, राजेश दाधीच, गोपाल दाधीच नृसिंह, युवा मंडल अध्यक्ष, कमल दाधीच, उपाध्यक्ष मनोज दाधीच, श्याम सुन्दर शर्मा, रामेश्वर दाधीच बड़ोद, धनराज दाधीच, सुनील दाधीच, नरेश शर्मा, ब्रजेश दाधीच प्रमुख थे। इसके अतिरिक्त युवा मंडल के अध्यक्ष कमल दाधीच और उपाध्यक्ष मनोज दाधीच भी इस अवसर पर मौजूद रहे। बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने न केवल कार्यक्रम में भाग लिया, बल्कि एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर सभी ने मां दधिमती से प्रार्थना की कि सम्पूर्ण विश्व में सौहार्द, भाईचारा एवं शांति का वातावरण बना रहे।कार्यक्रम के समापन पर समाजबंधुओं ने विश्व शांति के लिए प्रार्थना की और देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए संकल्प लिया।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाली गैंग का सरगना गिरफ्तार, कुछ ही देर में ट्रेन से होने वाला था फरार

तीन राज्यों में दर्जनों वारदातों को अंजाम दे लाखों रुपए निकाले, दिल्ली और जयपुर में भी की ऐसी ठगी

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। शहर की जवाहर नगर थाना पुलिस ने एटीएम कार्ड को बदलकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तरराज्यीय गैंग का भंडाफोड कर उसके सरगना को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने कोटा शहर के ही थाना जवाहर नगर, महावीर नगर व बोरखेड़ा क्षेत्र में 12 से ज्यादा वारदातें करने की बात कबूल की है। यही नहीं आरोपी ने राजस्थान के अलावा मध्य प्रदेश व दिल्ली में भी कई वारदातें करने का खुलासा किया है।

जवाहर नगर थाना पुलिस ने 12 मार्च को लालसोट जयपुर से अन्तरराज्यीय गैंग के गुर्गे गौरव शर्मा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गौरव उत्तर पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुर का रहने वाला है।

धर पकड़ के लिए किया था विशेष टीम का गठन : कोटा शहर एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि शहर में दिसम्बर 2024 से अब तक एटीएम बूथ पर लोगों को बातों में उलझा कर उनके एटीएम कार्ड बदल रुपए निकालने की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। पुलिस ने इन घटनाओं का पर्दाफाश करने को चुनौती के रूप में लेकर विशेष टीम का गठन किया। कोटा

शहर मे अधिकांश जगह कोचिंग क्षेत्र हैं। यहां देश के विभिन्न राज्यों से छात्र-छात्राएं अध्ययन करने आते हैं। इनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर से सुपरविजन किया गया। टीम सदस्य कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र ने आरोपियों द्वारा घटना में उपयोग में लिया गया वाहन और संदिग्धों के बारे मे जानकारी इकट्ठा की।

ट्रेन से भागने की फिराक में था : थाना अधिकारी जवाहर नगर राम लक्ष्मण ने बताया कि थाना जवाहर नगर क्षेत्र मे एटीएम कार्ड बदलने की 5 घटनाएं सामने आईं। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया। इसमें पुलिस को पता चला कि आरोपी अपने वाहन से बड़ोदरा-दिल्ली एक्सप्रेस वे से कोटा होते हुए दिल्ली जाते हैं। इस पर गठित टीम ने आरोपी का पीछा करते हुए लालसोट-कोथून रोड पर उनके वाहन को रुकवाया। पुलिस टीम को देखकर वाहन में बैठे हुए बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों में भाग गए। इनका पीछा कर आरोपी गौरव शर्मा को डिटेन कर कार को जब्त कर पुलिस थाना जवाहर नगर लेकर आए। गौरव शर्मा से गैंग के अन्य गुर्गों व अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ जारी है।

वारदात करने का यह है तरीका : आरोपी गौरव शर्मा ने पूछताछ में बताया कि गैंग वारदात करने के लिए सबसे पहले रुट तय करती है। रुट में जितने भी कस्बे या शहर हैं, उनके अंदर लगे हुए एटीएम के आसपास घूमकर रैकी करते हैं। फिर मौका मिलते ही पैसे निकालने के बहाने गैंग के दो-तीन बदमाश एटीएम मशीन के पास जाते हैं।

एक गैंग का सदस्य पैसे निकालने वाले व्यक्ति के पीछे खड़े होकर उसके एटीएम कार्ड के पिन नम्बर देख कर याद कर लेता है। उसके बाद अन्य गैंग के सदस्य उसे अपनी बातों में उलझाकर मौका मिलते ही एटीएम कार्ड बदल लेते हैं। इसके बाद अन्य एटीएम मशीन से बदला हुआ एटीएम कार्ड लगाकर रुपए निकाल लेते हैं। एटीएम से निकाले गए रुपयों से अपने महंगे शौक और नशे की लत को पूरा करते हैं। गौरव ने बताया कि उसकी गैंग ने दिल्ली, जयपुर, कोटा, बारां, धौलपुर, ग्वालियर, विदिशा, उज्जैन, मंदसौर, इंदौर, मुरैना आदि जगहों पर ऐसी वारदातों को अंजाम दिया है।

कोटा मंडल के डीआरएम ने भरतपुर जंक्शन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया

कहा- कार्य पूर्ण हो जाने के बाद स्टेशन पर संस्कृति और विरासत की दिखेगी झलक

बढ़ता राजस्थान

कोटा/भरतपुर। कोटा मंडल के डीआरएम अनिल कालरा ने शनिवार को भरतपुर जंक्शन पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत भारत योजना के तहत हो रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इसके अलावा यात्रियों की सुविधाओं को लेकर रेलवे के अधिकारियों से चर्चा की, साथ ही निर्माण कार्यों को समय और गुणवत्ता पूर्वक करने के निर्देश दिए। डीआरएम अनिल कालरा ने प्लेटफॉर्म, आरपीएफ थाना व सर्विलांस सिस्टम का निरीक्षण

किया। स्टेशन अधीक्षक डीसी मीणा और आरपीएफ थाना इंचार्ज प्रदीप मिश्रा से आवश्यक जानकारी ली। निर्माण कार्यों को देख डीआरएम संतुष्ट दिखाई दिए। अधिकारियों ने डीआरएम को बताया कि अप्रेल तक निर्माण कार्य पूरे हो जाएंगे। रेलवे स्टेशन पर हो रहे विकास कार्यों के बाद यात्रियों को अच्छी सुविधाएं मिलेंगी।

ये हो रहे हैं निर्माण कार्य : निर्माण कार्यों के तहत स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया, पैदल ओवर ब्रिज, वेटिंग रूम, एग्जीक्यूटिव रूम, लिफ्ट, एस्केलेटर व दिव्यांगों के लिए सुविधा का काम पूरा होगा।

स्टेशन के पूरे एरिया में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। निर्धारित मापदंडों के अनुसार निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके चलते स्टेशन पर देश की संस्कृति और विरासत की झलक देखने को मिलेगी।

दिनदहाड़े दुकानदार पर लूट करने के इरादे से डंडे से किया हमला, स्टूल से किया अपना बचाव

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। शहर के नयापुरा थाना क्षेत्र के खाई रोड इलाके में एक किराने की दुकान पर दिन दहाड़े एक बदमाश ने लूट करने के इरादे से दुकानदार पर लकड़ी से हमला कर दिया। वहीं दुकानदार ने इस दौरान घबराए बिना बदमाश का मुकाबला किया और इसे दुकान में घुसने तक नहीं दिया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

डंडे से मारने लगा तो स्टूल से बचाव किया : व्यापारी महेश अग्रवाल ने बताया कि दो बदमाश दुकान पर आए थे। इनमें एसे एक के पास लकड़ी का मोटा डंडा था। बदमाश दुकान पर आते ही डंडे से उन पर वार करने लगा। इस पर अग्रवाल ने अपना स्टूल उठाकर उससे अपना बचाव व

मुकाबला करने की कोशिश की। बदमाश होली के रंग में रंगा हुआ था। जब उसे लगा कि वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाएगा तो भाग गया। इस बीच डंडे की हमले से से व्यापारी को चोट आई है। नयापुरा थाने में इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

कुछ दिन पहले चंदा मांगने आए थे आरोपी : अग्रवाल ने बताया कि बदमाश लड़के इलाके के ही रहने वाले हैं। ये कुछ दिन पहले उनसे होली का चंदा मांगने आए थे, तब उन्होंने 50 रुपए की रसीद कटवा ली थी। दुकानदार का कहना है कि मगर आज तो यह आकर मुझ पर हमला ही करने लगे।

मेरे पास बचाव का साधन नहीं होता तो यह मेरी जान ही ले लेते। पास में एक खाली कटला है, जहां आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

चौबीस घंटे में गिरफ्तार करने की चेतावनी : इस मामले को लेकर व्यापार संघ अध्यक्ष उत्तम जैन ने खाई रोड पर दुकानदार महेश अग्रवाल पर हुए हमले पर चेतावनी दी है कि आरोपी को 24 घंटे में नहीं पकड़ा गया तो विरोध स्वरूप सभी दुकानें बंद कर प्रदर्शन किया जाएगा।

सहकारिता मंत्री और सीकेएसबी के चैयरमेन का पदभार ग्रहण कार्यक्रम में नहीं आना बना चर्चा का विषय

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (प्रकाश खत्री)। अपने ही गृह जिले में अपनी ही पार्टी के जिलाध्यक्ष ओर जिले के जिला प्रमुख का पदभार ग्रहण समारोह का भव्य और बड़ा आयोजन हो जिसमें पूरे जिले सहित आस पास के पदाधिकारी ओर कार्यकर्ता उपस्थित हो और पूर्व जिलाध्यक्ष ओर वर्तमान सहकारिता मंत्री सहित इन्ही के विभाग के बैंक चित्तौड़गढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक के चैयरमेन का उपस्थित नहीं होना चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल चित्तौड़गढ़ का सहकारिता विभाग पिछले काफी समय से अखबारों की सुर्खियां रहा है जिसमे एक भूतपूर्व व्यवस्थापक के साथ गलत तरीके से कार्यवाही करते हुए उस व्यवस्थापक के वेतन सहित समस्त सेवानिवृत्ति परिलाभों को रोक रखा है जिसने एक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये पूरे जिले में हड़कम्प मचा रखा है । सूत्रों की माने तो शायद ये भूतपूर्व व्यवस्थापक ओर ये ग्रुप जो राजनीति का अखाड़ा के नाम से संचालित है इसी की वजह से इन दोनों जन प्रतिनिधियों ने इस जिलास्तरीय कार्यक्रम से दुरी बनाये रखी ताकि मीडिया ओर कार्यकर्ताओ के सामने इस विषय पर कोई जवाब नहीं देना पड़े । इस कार्यक्रम में बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे तो क्यों इन दोनों सहकारिता विभाग के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी ।

चक्कर आने से सीढ़ियों से गिरी महिला, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत, 11 साल पहले हुई थी शादी

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। शहर के दादाबाड़ी थाना क्षेत्र में एक महिला चक्कर आ जाने से घर की सीढ़ियों से नीचे गिर कर गम्भीर घायल हो गई। इसके बाद परिजन इस अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां इलाज के दौरान इसकी मौत हो गई। परिजनों ने चौक पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया। बताया गया है कि हनुमान बस्ती निवासी राजकुमारी रावत (31) खाना लेकर ऊपर के कमरे में जा रही थी, तब यह घटना हुई। मृतका के रिश्तेदार नीरज ने बताया कि घटना शुक्रवार रात साढ़े नौ बजे करीब की है। राजकुमारी उन्हें खाना देने कमरे में आई। उसने उनके पैर छुए। इसके बाद वह खाना लेकर ऊपर कमरे जा रही थी। सीढ़ियां चढ़ने के दौरान ही वह सीढ़ियों पर गिर गई। उसे तुरंत निजी हॉस्पिटल लेकर गए, जहां से उसे एमबीएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। राजकुमारी की शादी 11 साल पहले हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं।

परिजनों ने पोस्टमॉर्टम से इनकार किया

दादाबाड़ी थाना के एएसआई शंभूदयाल ने बताया कि महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। इससे वह सीढ़ियों से गिर गई। महिला के पीहर पक्ष वाले भी रात को ही गुना से कोटा पहुंच गए थे। शुरुआती तौर पर हार्ट अटेक से मौत होना सामने आया है। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया। इसके बाद बिना पोस्टमॉर्टम के शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जयपुर में रोजा इफ्तार का आयोजन, समाज की प्रतिष्ठित हस्तियां रहीं मौजूद

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कॉन्फ्रेंस के सक्रिय अध्यक्ष (राजस्थान) और ROBA के उपाध्यक्ष डॉ. मकबूल अहमद एवं समाजसेवी आमिर उस्मानी के तत्वावधान में माहे रमजान की विशेष रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आसिफा क्लीनिक के पास, मौहल्ला टिक्की गरान, 5 नीम बास, बदनपूरा, जयपुर में संपन्न हुआ। इस पाक मौके पर काजी खालिद उस्मानी ने दुआ कराई और नमाज अदा करवाई। कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की, जिनमें वार्ड पार्षद मोहम्मद शाकिर खान, डॉ. नसीम अहमद, खालिद रब्बानी, डॉ. शाहिद अली, डॉ.

खालिद,समाजसेवी मकसूद रंगरेज, यामीन रंगरेज, फरीद पठान, शोएब, अरबाज, मोहसिन,फैजान, अजमत सहित कई मशहूर और मारूफ हस्तियां मौजूद रहीं। इस अवसर पर रोजा इफ्तार के महत्व पर चर्चा की गई और एकजुटता एवं भाईचारे का संदेश दिया गया।

नास्तिकता पर आस्तिकता की विजय का पर्व है होली : श्री हरि चैतन्य महाप्रभु

कामां विधायक नौच्छम चौधरी रही उपस्थित

बढ़ता राजस्थान

जुरहरा/कामां / भरतपुर (रेखचन्द्र भारद्वाज)। श्री हरिकृपा आश्रम में विशाल होलिकोत्सव के उपलक्ष में आयोजित विराट धर्म सम्मेलन में देश भर से रोज़ हज़ारों भक्तों का ताँता लगा हुआ है। उसी क्रम में होली मिलन व विशाल फूलों की होली का आयोजन किया गया। गुलाब व गेंदे के फूलों से एक अनोखी छटा सी बिखेरते हुए होली खेली गई, गुलाल भी उड़ाई गई। आश्र के संस्थापक व पीठाधीश्वर श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने लोगों पर पुष्प वृष्टि करते हुए तथा लोगों द्वारा उन पर अर्पित किए गए पुष्पों को स्वीकार करते हुए होली की

शुभकामनाएँ सभी देशवासियों व विश्व भर के लोगों को दी। युगों युगों से मानव मात्र को प्रेम,एकता व सदभाव का दिव्य संदेश विभिन्न संकीर्णताओं, मतभेदों व मनभेदों को भुला देने की प्रेरणा देता चला आ रहा है यह होली का पावन पर्व । होली नास्तिकता पर आस्तिकता की विजय का पर्व है, अन्याय पर न्याय की विजय, अत्याचार पर सदाचार की विजय का प्रतीक है। इसलिए होली ने सामाजिक त्योहार के साथ साथ आज राष्ट्रीय त्योहार की मान्यता भी प्राप्त कर ली है। यह बसंत गमन के साथ साथ आमोद प्रमोद तो लेकर आता ही है साथ ही भारतीयों के लिए सदाचार और न्यायपूर्ण जीवन का संदेश भी लाता है। होलिका दहन के साथ साथ एक चेतावनी भी लाता है कि अन्याय के दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं।सत्य धर्म न्याय अच्छाई व प्रभु भक्त की सदैव अंत में विजय होती है। प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत करता है यह दिव्य पर्व। दिव्य व ओजस्वी प्रवचनों में कहा कि समस्त संसार भी चाहे शत्रु क्यों न हो जाए लेकिन पुण्यात्मा हरि भक्त का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। पग पग पर प्रभु को समर्पित, कर्तव्य परायण, दृढ़ निश्चयी भक्त की रक्षा व सहायता करते हैं श्री हरि। इसका साक्षी है यह पर्व। भक्तराज प्रहलाद का दिव्य व आदर्श जीवन चरित्र सचमुच मानव मात्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इतिहास साक्षी है कि मिथ्या अहंकार में फूले हुए हिरण्यकश्यप ने स्वयं अपने ही पुत्र प्रह्लाद पर कितने निर्मम अत्याचार किए। जिसका अपराध शायद मात्र इतना था कि उसने परमात्मा का नाम लेना नहीं छोड़ा। लेकिन सदैव रक्षा की प्रभु ने व उस अहंकारी हिरण्यकश्यप का नाश भी किया। भक्त का नाश नहीं हो सकता। परमात्मा की कृपा जिस पर हो उसके लिए विष भी अमृत बन जाता है। शत्रु भी मित्रवत हो जाते हैं। अपार सागर भी गाय के पैर के गड्ढे के समान हो जाता है, अग्नि भी शीतल हो जाती है, सुमेरू जो अलंघ्य पर्वत है जिसे कोई लाँघ नहीं सकता। ऐसा अलंघ्य पर्वत सुमेरू भी उसके लिए रज कण के समान हो जाता है। हर असंभव कार्य भी संभव हो जाता है, कठिनतम कार्य भी सरल हो जाता है, वही प्रहलाद के साथ भी हुआ। महाराज श्री ने कहा कि दृढ़ विश्वास व सत्य स्नेह परिपूर्ण भक्ति हो तो कोई बाधा दीर्घकाल तक नहीं टिक सकती। व यदि किसी कारणवश टिक भी गई तो इतना साहस मिलता है कि व्यक्ति किसी प्रकार की भी बाधाओं, कठिनाइयों, मुसीबतों, परीक्षाओं से विचलित नहीं हो पाता। सदा सदा से यह त्योहार लोगों को प्यार का संदेश देता आया है। हमने भी देखा है, व सुना भी है कि आज के दिन सदियों पुरानी दुश्मनी को भी भुलाकर लोग गले मिल जाते थे। परंतु दुर्भाग्यवश आज अनेक स्थानों पर होली के दिन दिलों की रंजिश निकालने का मौक़ा ढूंढकर लोग दुश्मनी पैदा कर लेते हैं जैसा कि अनेक घटनाओं द्वारा सुनने को मिलता है। इतिहास को उठाकर देखो, वरदान या कवच प्राप्त होलिका भी जल गई लेकिन प्रहलाद पर आँच भी नहीं आयी।

ऊंट पर बैठकर निकला होली पर दूल्हा एक निश्चित स्थान पर अग्नि के लेता है सात फेरे

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। कस्बे में रंगों की होली के दिन एक विशेष प्रकार की बारात लगभग 400 वर्ष पूर्व से निकल जाती है इस दिन कुंवारे व्यक्ति को पहले गधे पर बिठाकर उसके सर पर खप्पर में होली(मिट्टी की फूटी हुई मटकी में) आग रखकर कस्बे के मुख्य मार्गो से गुजरते हुए जैन मंदिर परिसर में पहुंचती है । अवीव गुलाल को उड़ते हुए युवा होली के गीत गाते हुए पहुंचते हैं रास्ते में लोग जगह शीतल पेय से बारात का स्वागत करते हैं।

यह है मान्यता : भुसावर में प्राचीन समय से ही मान्यता हैं कि धुलंडी के दिन होली की बारात निकाली जाती है जिसमें जो व्यक्ति होली का दूल्हा बनता हैं उसकी जल्दी ही शादी हो जाती हैं। जिसके लिए कस्बे के बच्चे व नौजवान धूलेडी के दिन कस्बे के खिरकारी मोहल्ले से सुबह बैंड बाजे के साथ होली की बारात निकालते हैं और बारात में दूल्हे बने युवक के सिर पर खप्पर में होलिका दहन की अग्नि रखने के साथ साथ गुलरियो (गाय के गौबर) की बनी माला पहनाकर गधे पर बिठाकर कस्बे के गली चौराहो से बैंड बाजो से निकला जाता हैं। आजकल गधे नही मिलने के कारण ऊंट का उपयोग किया जा रहा है।

भुसावर में निकाली जाने वाली बारात में युवक राख, गुलाल, कीचड व गोबर से होली खेलते हुये नाच गानों के साथ गालियो भरे गीत गाते चलते हैं तथा कस्बा भुसावर के जैन मंदिर पर पंहुच कर विधिवत रूप से दूल्हा बना युवक तोरण मारता है , अग्नि के सात फेरे लेता है ।

श्याम सेवक भक्त मंडल द्वारा मनाया गया पांचवा फाल्गुन महोत्सव बाहर से आये कलाकारों ने दी प्रस्तुति तो भोर तक डटे रहे श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा.)। शहर में होली के अवसर पर श्याम सेवक मित्र मंडल द्वारा 5वां श्याम फागुन संकीर्तन महोत्सव मनाया गया।बसेड़ी रोड स्थित वीएस गार्डन में आयोजन जब शुरू हुआ तो हर कोई हारे के सहारे बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए लोग नजर आया। वहीं बाहर से आए कलाकारों ने ऐसा शमां बिखेरा की हर कोई मंत्र मुग्ध हो गया।

श्री श्याम सेवक मित्र मंडल समिति के सदस्य घनश्याम उर्फ घनसू हलवाई ने बताया की समिति द्वारा हर बार होली के अवसर पर बाबा श्याम के फागुन संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस बार यह पांचवा आयोजन था। जिसको लेकर पिछले कई दिन से तैयारी की जा रही थी। शहर के बसेड़ी रोड़ स्थित वीएस गार्डन में यह आयोजन किया गया। जिसमें बाबा श्याम की आरती के बाद जब बाहर से आए कलाकारों ने बाबा श्याम के भजन और गीतों की प्रस्तुतियां दी तो हर कोई मंत्र मुक्त हो गया। कार्यक्रम के दौरान श्याम बाबा का दरबार सबलगढ़ से बुलाया गया। वहीं बुलंदशहर,दिल्ली से आई पार्टी और मुंबई से आये प्रेम मेहरा ने कार्यक्रम में प्रस्तुतियां दी। इस दौरान श्याम सेवक मित्र मंडल के सदस्य सचिन मित्तल,अनुराग गर्ग,आनंद बंसल,अमन मंगल,सचिन मंगल, राघवेंद्र, विवेक मंगल,रोहित,गौरव बंसल,गौरव गोयल,निक्की सिंघल सहित तमाम सदस्यों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आर्य समाज बयाना ने हर्षोल्लास से मनाया नवसस्येष्टि (होली) पर्व : फूलों से होली भी खेली

बढ़ता राजस्थान

बयाना/भरतपुर (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। बयाना के आर्यसमाज मन्दिर में 14 मार्च को आर्य समाज के लोगों ने नवसस्येष्टि पर्व (होली) बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र अग्निहोत्र से की गई। यज्ञ ब्रह्मा आचार्या हेमलता शास्त्री जी के द्वारा पवित्र वेद मंत्रोच्चार पूर्वक बड़े श्रद्धाभाव से सभी आर्य समाजियों ने देवताओं को आहुतियां समर्पित कीं। मुख्य यजमान भुवनेश आर्य एवं भावना आर्या रहे। यज्ञ के पश्चात राधा आर्या, अनामिका शाह ने अपनी मधुर गीतों की प्रस्तुति दी। व्यायाम शिक्षक पारस आर्य ने अपने वक्तव्य से और केशव आर्य ने सभी को अपने गीत के माध्यम से सारे विश्व को आर्य बनाने के लिए प्रेरित किया।भजनों के पश्चात सुनयना आर्या ने हमारे भारत देश की प्राचीन वैदिक होली के स्वरूप के ऊपर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारी वैदिक संस्कृति है समर्पित करके खाना। इसी क्रम में ऋतु परिवर्तन के इस समय जब नया धान घरों में आता है तब अन्न रुपी लक्ष्मी के प्राप्त होने पर सभी अग्निहोत्र के माध्यम से देवताओं को उस अन्न की पहली आहुतियां समर्पित करके एवं अन्यों को देकर स्वयं उपभोग करते हैं। इसलिए इसे नवसस्येष्टि पर्व कहा जाता है नव अर्थात नया ,सस्य अर्थात अन्न , इष्टि अर्थात यज्ञ अर्थात नये धान का यज्ञ।

संस्कृत में होलक शब्द होता है जिसका अर्थ है गेहूं की बाली के दाने का छिलका एवं प्रहलाद शब्द का अर्थ है गेहूं की बाली का दाना। अग्नि में जब इसे भूनते हैं तो होलक अर्थात छिलका जल जाता है और प्रहलाद अर्थात दाना रह जाता है इस प्रकार इस पर्व का नाम होल्कोत्सव अर्थात होली पड़ गया।

हम सभी परिचित हैं किस तरह का होली मनाने का विकृत स्वरूप आज हमारे समाज को गर्त की ओर ले जा रहा है। इससे हमें बचना चाहिए।

कार्यक्रम का कुशल संचालन व्यायाम शिक्षक निहाल आर्य के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में फूलों की होली का सभी महिला, पुरुष व बच्चों ने खूब आनंद लिया।अन्त में स्वादिष्ट ठंडाई का भी वितरण आर्यसमाज के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आचार्य रविशंकर आर्य,कमल आर्य, गोविंद आर्य, बिरजू आर्य, दयानंद आर्य, परमसुख आर्य,प्रदीप आर्य, प्रवीण शास्त्री,ऊषा आर्य,सोनल लोहिया,ऊषा गुप्ता, सुशीला देवी, चैताली शाह एवं अन्य आर्य महानुभाव उपस्थित रहे।

सिंघाड़ा में पहलवानों ने दिखाएं अपने दम-खम, आखिरी कुश्ती बराबरी पर छूटी

बढ़ता राजस्थान

बयाना/भरतपुर (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। बयाना की ग्राम पंचायत सिंघाड़ा में होली के अवसर पर परंपरागत कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। इस दंगल में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब के पहलवानों ने हिस्सा लिया।

दंगल की मुख्य कुश्ती 21 हजार रुपए की इनामी राशि के लिए धम्पू चांदौली और नवाज अली पंजाब के बीच हुई। 10 मिनट तक चले इस मुकाबले में दोनों पहलवान एक-दूसरे को चित नहीं कर सके। निर्णायकों ने कुश्ती को बराबरी पर समाप्त किया। 15 हजार की इनामी राशि वाली कुश्ती सतवीर सैह और सोनू सोगर के बीच भी बराबर रही। 11 हजार रुपए की दो अलग-अलग कुश्तियां भी हुईं। एक गब्बर हाथिया और गोविंदा आर्मी के बीच, दूसरी छोटू पहलवान पुराबाई खेड़ा और महेश नगला तुला के बीच। दोनों कुश्तियां बराबर रहीं। 7100 रुपए की कुश्ती नत्थन पहलवान नगला तुला ने जीती। 5100 रुपए की कुश्ती में धोनी भारली विजेता रहे। कार्यक्रम में धौलपुर करौली सांसद भजनलाल जाटव और बयाना विधायक डॉ. ऋतु बनावत मुख्य अतिथि रहे। विधायक ने अखाड़े के चारों तरफ दर्शकों के लिए सीढ़ियां बनवाने का आश्वासन दिया। साथ ही परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने का भी वादा किया।

रामखिलाड़ी मास्टर, कुश्ती कोच दिगंबर सिंह सिनसिनवार समेत कई अनुभवी खिलाड़ियों ने रैफरी की भूमिका निभाई। कमेटी ने राजस्थान केसरी रहे धारासिंह चैनपुरा और नत्थन पहलवान का विशेष सम्मान किया।

डिप्टी एसपी ने होली पर हुड़दंग करने वालों पर कसा शिकंजा : रंगोत्सव में डूबा बयाना शहर, जगह-जगह पकौड़े-ठंडाई का वितरण

बढ़ता राजस्थान

बयाना/ भरतपुर (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। बयाना कस्बा सहित पूरे क्षेत्र में शुक्रवार को रंगोत्सव यानी धुलंडी पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सवेरे से ही युवाओं और बच्चों की टोलियां घरों से बाहर निकल पड़ी और एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। हर कोई होली के रंग में ऐसा रंगा नजर आया कि चारों ओर उल्लास और आनंद देखने को मिला। कई जगहों पर लोग फागुन की मस्ती में होली के गीतों पर थिरकते नजर आए तो कई जगहों पर पारंपरिक फाग उत्सव भी मनाया गया। शहर में कई संस्थाओं की ओर से भी होली मनाई गई। साथ ही मंदिरों में फूलों व गुलाल से होली खेली गई। होली पर हुड़दंगबाजी रोकने के लिए पुलिस के जवान भी जगह-जगह तैनात रहे। क्षेत्रीय विधायक डॉ ऋतु बनावत की ओर से लक्ष्मी पैलेस में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में विधायक ने भी होली के गीत सुनाकर लोगों को शुभकामनाएं दी। वही होली की अवसर पर बजरिया चौराहे पर श्री धूलेश्वर महादेव मंदिर के 44 वे स्थापना दिवस पर हर साल की भांति इस बार भी ठंडाई का आयोजन रखा गया। इधर नगला स्टोर के श्री गोपेश्वर महादेव मंदिर में औरतों व बच्चों ने होली के गीत गाकर डीजे पर ठुमके के साथ फूलों से होली खेली। डिप्टी एसपी कृष्णराज ने वीडियो जारी कर हुड़दंग करने वालो को सख्त चेतावनी दी है। जिसकी वजह से बयाना के लोग बहुत ही शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ से होली का आनंद लेते नजर आए। वहीं इससे पहले गुरुवार रात को शहर में होलिका दहन किया गया। इस बार रात का मुहुर्त होने से होलिका दहन देरी से हुआ। बारिश आने की वजह से होलिका दहन कार्यक्रमों में व्यवधान हुआ। जिसमें लोगों ने नया अनाज सेंका और अच्छे साल की कामना की।

गायत्री मंदिर को सभी तरह का सहयोग दिया जाएगा : गिर्राज मलिंगा

गायत्री शक्ति पीठ पर होली उत्सव आयोजित

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा.)। तीन बार के विधायक रहे गिर्राज सिंह मलिंगा ने एक बार फिर गायत्री शक्तिपीठ मंदिर पहुंचकर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी निभाई और मंदिर के उत्तरोत्तर विकास के लिए अपना भरपूर समर्थन व्यक्त किया। आपको बता दें बाड़ी के गायत्री शक्तिपीठ मंदिर का दो मंजिला भवन बनाने में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा की बड़ी भूमिका रही है, तथा हर कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाकर मंदिर कमेटी को अपना भरपूर सहयोग देते रहे हैं, प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 मार्च को फूलों की होली कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगीतकार राम वकील और पार्टी द्वारा होली के भजन प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि केशव देव शास्त्री भागवत आचार्य, नरेंद्र शास्त्री भागवत आचार्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। भारी संख्या में उमडे मां गायत्री के भक्तों ने कार्यक्रम के अंत में फूलों की होली का आनंद उठाया। इस दौरान कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राधेश्याम गर्ग, डाक्टर सुरेश मंगल, एडवोकेट राधेश्याम उपाध्याय, सुरेंद्र सिंह परमार कवि रामावतार शर्मा सहित बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मुख्य समन्वयक प्रभाकर दीक्षित ने किया। कार्यक्रम सहयोगियों में शक्तिपीठ के संरक्षक द्वारिका प्रसाद गोयल, ओम प्रकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष राधेश्याम गोयल, उप मुख्य समन्वयक गोपेश राज पचौरी, अरुण शुक्ला, मुरारी शिवहरे, मिट्ठन लाल शिवहरे,पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दाऊ दयाल शर्मा सहित अनेक गायत्री परिजन मौजूद रहे।

पूजा मीणा के सीबीआई में ऐसा ही पद पर सफलता प्राप्त करने से विद्यालय परिवार एवं गांव का नाम हुआ रोशन

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय) । उपखण्ड के गांव निठार निवासी पूजा मीणा ने प्रथम बार मे सीबीआई मे एसआई पद पर सफलता हांसिल कर परिवार गांव व विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय व महाविद्यालय परिवार की और से उनका सम्मान किया गया। विजय भारती कॉलेज बल्लभगढ़ संचालिका मंजू देवी चौधरी ने बताया की बचपन से पूजा मीणा भारती बाल निकेतन विद्यालय ओर फिर विजय भारती कॉलेज बल्लभगढ़ मे अध्ययन किया ओर प्रथम बार ही उन्होंने सीबीआई मे एसआई पद पर सफलता हांसिल कर परिवार गांव व विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस पर पूजा मीणा का विद्यालय व कॉलेज परिवार की ओर से उनका माला व साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। इस मोके पर विद्यालय संचालक जतिन चौधरी, सहित अनेक लोग उपस्थित रहे ।

बयाना के पूर्व सैनिक संघ के सैनिकों ने मनाया होली मिलन समारोह कार्यक्रम

बढ़ता राजस्थान

बयाना/भरतपुर (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। बयाना कस्बे के पंचायत समिति परिसर में 14 मार्च को सुबह 10:00 बजे पूर्व सैनिकों ने बड़े धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह कार्यक्रम। कार्यक्रम सूबेदार मेजर प्रेम सिंह के नेतृत्व में सैनिक संघ के अध्यक्ष बलराम कांवर ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी को एक दूसरे के साथ भाईचारे के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए।

कार्यक्रम में सभी सैनिकों ने एक दूसरे के गले मिलकर रंग गुलाल लगाते हुए कार्यक्रम का आनन्द लिया और एक दूसरे को मिलकर समाज में भाई चारे को बनाए रखने का संदेश दिया और कहा हमें अपने जीवन का कीमती समय निकाल कर समाज हित में अच्छे कार्य करेंगे तभी क्षेत्र का विकास सम्भव हो सकेगा। होली के गीत और जयकारे लगाते हुए पूर्व सैनिक संघ के लोग नाचने लगे जिसमें उपस्थित सचिव पुरषोत्तम दमदमा,सूबेदार राजवीर सिंह,कैप्टन मानसिंह कंसाना,कॉर्डिनेटर सूबेदार हाकिम सिंह,सूबेदार मेजर रुकम सिंह,कैप्टन कप्तान सिंह,उपाध्यक्ष प्रेमसिंह,सूबेदार राधेश्याम छावड़ी, पूर्व अध्यक्ष सुबद्दीसिंह, सूबेदार अतरसिंह, सूबेदार श्योदानसिंह,बाबूसिंह,करतार सिंह कंसाना,गजराज सिंह,चंद्रभान सिंह विधूड़ी,सूबेदार रामअवतार सिंह,जीवाराम शर्मा,निर्मलसिंह ,सूबेदार भरत सिंह,सूबेदार गोविन्दसिंह,सूबेदार सिंह,वीरेंद्र सिंह कसाना,शिवदान सिंह,सूबेदार देवीसिंह, गजराज सिंह मास्टर, जगदीश अड्डा आदि अन्य सभी मौजूद रहे।

मौसम बदलाव से किसान परेशान, फसल में नुकसान

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। होली के दिन 13 मार्च को दोपहर बाद अचानक आए मौसम के बदलाव से किसानों की धड़कनें बढ़ा दी तेज बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। प्राकृतिक आपदा से खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह से जमीन पर बिछ गई है। किसान इस नुकसान से बेहद दुखी हैं। । क्षेत्रवासियों का कहना है कि सरकार को किसानों की समस्याओं पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। सभी फसलें जमीन पर गिरी हुई है। इससे किसानों को होने वाले नुकसान का अनुमान लगाया जा सकता है।

विधानसभा ऑब्जर्वर भगवान सहाय शर्मा के आतिथ्य में ब्लॉक कांग्रेस की बैठक संपन्न

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। वैर विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक विषयों को लेकर चर्चा हुई । राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 स्थित अमोली टोल प्लाजा के पास विधानसभा क्षेत्र कार्यालय पर आयोजित बैठक में संगठन ही शक्ति है कार्यकर्ता ही इसका आधार है इस विषय को लेकर वैर विधानसभा क्षेत्र ऑब्जर्वर हिण्डौन नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा, जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा सहित करौली धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव, सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में करौली धौलपुर के लोकप्रिय सांसद भजनलाल जाटव जी भरतपुर कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्री दिनेश सूपा जी, ब्लॉक अध्यक्ष वैर सुगर सिंह जी, ब्लॉक अध्यक्ष भुसावर महेश जी , वरिष्ठ कांग्रेसी रामचरण जी सहित कई पदाधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नगर पालिका कपासन 31 मार्च तक स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु विद्यार्थियो एवं व्यापारी वर्ग से ऑनलाइन फीडबैक लेगी

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु 31 मार्च तक जारी अभियान के अंतर्गत आमजन से नपा कार्मिकों द्वारा फीडबैक लिया जा रहा हैं।जिसमें क्षेत्रीय आमजन सहित विद्यार्थी एवं व्यापारी वर्ग से ऑनलाइन फीडबैक लिया जा रहा हैं। नगर पालिका कपासन एसबीएम एमआईएस इंजीनियर रिया गर्ग ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत क्षैत्र में सिटीजन फीडबैक करवाया जा रहा है।जिसमें नगर पालिका के वार्ड क्षेत्रों की सफाई,डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था,सामुदायिक शौचालय की सफाई आदि संबंधित फीडबैक आमजन,विद्यार्थी एवं व्यापारी वर्ग से ऑनलाइन लिया जा रहा है।जिसमे नगर पालिका कपासन अध्यक्ष मंजु देवी सोनी एवं नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी ललित सिंह देथा के निर्देशन में गठित नगर पालिका दल की सदस्य एमआईएस इंजीनियर रिया गर्ग,एमएसआरजीवाय लेखा सहायक प्राची डीडवानिया एवं रोजगार सहायक सुनीता शर्मा आदि कार्मिकों द्वारा उक्त स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत आईटीआई महाविद्यालय कपासन में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं स्टाफ सहित आमजन से ऑनलाईन फीडबैक कराया गया। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका कपासन क्षेत्रवासी लिंक https://sbmurban.org/feedback या अपने मोबाईल में प्ले स्टोर से स्वच्छता एप डाउनलोड करके सिटीजन फीडबेक दे सकते है।

विधायक कृपलानी का विभिन्न सरकारी एवं सामाजिक संस्थाओं ने किया भव्य स्वागत

जिला स्तरीय हर सुविधा बेहतर रूप से निम्बाहेड़ा में मिले इसके लिए कार्य करता रहूंगा : विधायक कृपलानी

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (नि.स.)। राजस्थान सरकार के मात्र सवा साल के कार्यकाल में ही निम्बाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र को मिली सौगातों में विशेषकर नगर पालिका निम्बाहेड़ा को नगर परिषद में क्रमोन्नत करने जैसी महत्वपूर्ण घोषणा के पश्चात पहली बार निम्बाहेड़ा आगमन पर पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी का विधानसभा क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ ही नगर की विभिन्न सामाजिक एवं सरकारी संस्थाओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

विधायक कृपलानी के जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा निम्बाहेड़ा पहुंचने पर मांगरोल एवं वण्डर चौराहे पर सैकड़ों भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ ही नगरवासियों ने भव्य आतिशबाजी कर स्वागत किया। इस दौरान वण्डर चौराहे से नगर पालिका कार्यालय तक स्वागत रैली निकाली गई, जिसका जे के तिराहे, अहिंसा सर्किल, शेखावत सर्कल आदि क्षेत्रों में नगर एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए

क्षेत्रवासियों ने विधायक कृपलानी का स्वागत किया।

जिला स्तरीय हर सुविधा बेहतर रूप से निम्बाहेड़ा में मिले : नगर पालिका कार्यालय के बाहर आयोजित मुख्य स्वागत समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक कृपलानी ने सर्वप्रथम समस्त क्षेत्रवासियों को बजट में निम्बाहेड़ा वासियों को मिली सौगातों के लिए बधाई देते हुए कहा कि राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मात्र सवा साल के कार्यकाल में ही निम्बाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र को कई बड़ी सौगातें मिली है, जो जिसकी सूचि आने वाले पौने चार सालों में और लम्बी होने वाली है। उन्होने कहा कि पूर्व में निम्बाहेड़ा ही जिला मुख्यालय हुआ करता था, लेकिन बाद में यह चित्तौडग़ढ़ स्थानांतरित हो गया। उन्होने कहा कि निम्बाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र के समस्त निवासियों को जिला स्तरीय हर सुविधा बेहत्तर रूप से निम्बाहेड़ा में मिले, इसके लिए कार्य करता रहूंगा।

विभिन्न संस्थाओं के द्वारा विधायक कृपलानी का हुआ अभिनन्दन : नगर पालिका के नगर परिषद में क्रमोन्नत होने के साथ ही क्षेत्र को मिली विभिन्न सौगातों के लिए विभिन्न सामाजिक एवं सरकारी संस्थाओं के साथ ही व्यावसायिक संगठनों के द्वारा पूर्व मंत्री एवं विधायक कृपलानी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर निम्बाहेड़ा स्टोन लघु उद्योग संस्थान, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन निम्बाहेड़ा, भाजपा पार्षद दल, नगर पालिका परिवार, सफाई कर्मचारी संघ, सर्व व्यापार मंडल, भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल, भाजयुमो, भाजपा महिला मोर्चा सहित वरिष्ठ नागरिकों एवं नगर वासियों सहित रानीखेड़ा, ब्रज विहार, अहीरपुरा, कल्याणपुरा आदि क्षेत्रों के ग्राम वासियों ने विधायक कृपलानी का उपरना ओढ़ाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में नगर पालिका की ओर से उपखण्ड़ अधिकारी एवं नगर पालिका प्रशासक विकास पंचौली एवं आयुक्त कौशल कुमार खटूमरा ने विधायक कृपलानी का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

चित्तौड़गढ़ जिला अध्यक्ष रतनलाल गायरी, प्रतापगढ़ जिला अध्यक्ष महावीर सिंह कृष्णावत, जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर, पंस प्रधान बगदीराम धाकड़, पूर्व नगर अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों ने मनाया रंगों का त्यौहार : एस पी को घोड़ी पर बैठा कर निकाली बिंदोरी, डी जे की धुन पर नाचे पुलिस कर्मी

बढ़ता राजस्थान

झालावाड़ (नि.स.)। शहर की पुलिस लाइन में शनिवार को पुलिसकर्मियों ने जमकर होली खेली। पुलिसकर्मियों ने राजस्थानी गानों पर जमकर ठुमके लगाए. पुलिस अधीक्षक रिचा तोमर को घोड़ी पर बैठाकर बिंदोरी निकाली। इसमें पुलिसकर्मी नाचते गाते शहर की सड़कों पर निकले. पुलिसकर्मियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी।

पुलिसकर्मी सुबह से ही पुलिस लाइन पर एकत्र होने लगे। यहां एक दूसरे को रंग लगाया। डीजे की धुन पर नाचे इसके बाद पुलिस कर्मियों का काफिला झालावाड़ एसपी रिचा तोमर के

बंगले पर पहुंचा. यहां अन्य साथियों की मनुहार पर झालावाड़ एसपी व एडिशनल एसपी चिरंजी लाल मीणा ने फिल्मी गानों पर मिलकर डांस किया।इस मौके पर एसपी तोमर ने कहा कि पुलिसकर्मी साल के 365 दिन आमजन की सेवा में कार्य करते हैं। आम आदमी को सकुशल व सौहार्दपूर्ण त्योहार मनाने की जिम्मेदारी पुलिस कर्मियों के कंधों पर होती है। इस बार जुम्मे की नमाज तथा धूलंडी का त्यौहार एक ही दिन मनाया जाना था। ऐसे में पुलिसकर्मियों के पास दोहरी जिम्मेदारी थी। इसे झालावाड़ पुलिस ने बखूबी निभाया है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की मेहनत से पूरे जिले में धूलंडी के दिन कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई है। इस मौके पर जिले के कई एसएचओ, डीएसपी हर्षराज सिंह खरेडा, कोतवाली थाना प्रभारी रामकेश, महिला थाना प्रभारी सहित कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। जिले के सभी थानों में पुलिस कर्मियों ने होली मनाई।

बाबाधाम में 15 दिनों से पानी की किल्लत, आक्रोशित लोगों ने किया मटकी फोड़ प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। शहर के बाबाधाम इलाके में पानी की भारी किल्लत को लेकर स्थानीय निवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। चंबल पाइपलाइन फूटने के कारण वार्ड नंबर 69 के लोगों को बीते 15 दिनों से पानी नहीं मिल रहा है, जिससे गर्मी के इस मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं।

त्योहार और परीक्षाओं के बीच बढ़ी मुश्किलें

स्थानीय निवासियों ने बताया कि एक ओर जहां त्योहारों का मौसम चल रहा है, वहीं दूसरी ओर बच्चों की परीक्षाएं भी जारी हैं। ऐसे में घरों में पानी की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। कई बार जलदाय विभाग और पार्षद अशोक खंडेलवाल से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

मटकी फोड़ प्रदर्शन, तीन दिन में समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

शनिवार को क्षेत्र की महिलाओं और पुरुषों ने मटकी फोड़ प्रदर्शन कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि तीन दिनों के भीतर पानी की समस्या का हल नहीं निकला, तो वे मुख्य सड़क मार्ग पर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। स्थानीय निवासी अशोक शर्मा ने कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण लोग पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। नीलम शर्मा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर पार्षद अशोक खंडेलवाल जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

5000 से अधिक शिकायतें, लेकिन कोई समाधान नहीं

स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर 5000 से अधिक शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ। लोगों का आरोप है कि पार्षद अशोक खंडेलवाल फोन तक नहीं उठा रहे।

सड़क जाम और बड़े आंदोलन की तैयारी

क्षेत्रवासियों का कहना है कि अगर तीन दिनों में पानी की आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो वे मुख्य सड़क पर धरना प्रदर्शन करेंगे और 100 फीट रोड को जाम करेंगे। नगर निगम और जलदाय विभाग को अब तत्काल कदम उठाने होंगे, वरना इस जल संकट को लेकर क्षेत्र में बड़ा जन आक्रोश देखने को मिल सकता है।

नैनवां पालिका एक बार फिर आई सुर्खियो में

वार्षिक टेण्डर प्रक्रियाधीन, चैयरमैन टेण्डर निरस्त करने का जारी किया आदेश

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,(टी.आर सैनी)। नैनवां पालिका में पिछले 45 दिनों से भाजपा का बोर्ड़ है। श्रीमती सरिता नागर पालिका चैयरमैन है। आमजनो को लगा था कि अब नैनवां शहर में विकास के अच्छे दिन आयेगें। लेकिन 45 दिनों के अर्न्तराल में पालिका चैयरमैन अपने की मैनेजमेंट में उलझी हुई है। पालिका क्षेत्र में कई भी कोई नया कार्य शुरू होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। शनिवार को पालिका चैयरमैन ने एक आदेश जारी करके पालिका द्वारा किया जा रहा वार्षिक टेण्डर को निरस्त किया जाने का आदेश जारी कर दिया। उन्होने आदेश में लिखा कि उनके संज्ञान में नहीं है,पालिका द्वारा करवाया जा रहा वार्षिक टेण्डर। टेण्डर पत्रावली में उसके हस्ताक्षर फर्जी है। दूसरी ओर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मोती शंकर नागर ने बताया कि पालिका चैयरमैन को लगता है,कि टेण्डर प्रक्रिया में उनके हस्ताक्षर नहीं है,तो उनको पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया जाना चाहिए। पुलिस जॉच में यह मामला सामने आ जायेगा।

वार्षिक टेण्डर अभी प्रोसेज में है। अभी तक तो आनलाईन आवेदक लिये जा रहे है। नैनवां पालिका चतुश्रेणी की पालिका है,वार्षिक टेण्डर दिये जाने के लिए डीएलवी के आदेशानुसार कुछ शर्ते है। जो भी फर्म शर्तो की पालना करते हुए कम रेट में काम करने की इच्छुक होगी उनके नाम टेण्डर होगा। पालिका उनको कार्यआदेश देने के लिए बाध्य है। कुछ पार्षद एंव पालिकाध्यक्ष चाहे कि उनका कोई व्यक्ति को टेण्डर जारी किया जावे यह संभव नहीं है। नियम सब के लिए एक सा है।

पार्षदो का आरोप

पालिका के कुछ पार्षदो द्वारा ई .ओ को ज्ञापन देकर बताया कि 10 मार्च को विभिन्न कार्यो के लिए टेण्डर निकाले गये थे जिनमे पारदर्शिता नहीं है। सभी निविदाओ को नगर पालिका, उपखण्ड कार्यालय व बस स्टेण्ड पर नोटिस बोर्ड पर सुचनार्थ चस्पा नही किया गया है। विभिन्न प्रकार के कार्यों हेतु निविदा मे नियमित कार्यो का अनुभव की शर्ते लगाया जाना नये पात्र संवेदको के अधिकारियो का हनन किया गया है। जबकि सभी टेण्डर प्रक्रिया भाग लेने का अधिकार है। 3 करोड तक के कार्यो कोई अनुभव नही मांगा जाता है। उन्होने व्यक्ति विशेष संवेदक को लाभ पहुॅचाने के लिए शर्ते जोड़ी गई। जो अनुचित है ।खुले टेण्डर मे सभी को भाग लेने का अधिकार है। बोर्ड बैठक की क्रियान्विति पर उठायें सवाल-बोर्ड बेठक मे अतिक्रमण, घटीया निर्माण, फर्जी पटटो पर कार्यवाही व सर्व सहमति से प्रस्ताव लेने के बावजुद अभी तक भी नगर पालिका प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिससे भूमाफियो व संवेदको की मोज हो रही है। आमजन पेरशान है। पार्षदो ने टेण्डर प्रक्रिया को निरस्त किया जाने की मांग की है।

ई.एस.आई. अस्पताल को 100 बेड के अस्पताल में पदोन्नत करने की मांग

ईएसआई कार्डधारकों को समय पर मिल सके बेहतर इलाज : कोठारी

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। ई.एस.आई. अस्पताल को केंद्रीय कर्मचारी राज्य बीमा निगम में स्थानांतरित कर 100 बेड के अस्पताल में पदोन्नत करने की विधायक अशोक कोठारी ने मांग करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि, जिले में श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने वाली कई औधोगिक इकाइयां है। जिनमें करीब 1 लाख 50 हज़ार ईएसआई अंशधारक श्रमिको को रोजगार उपलब्ध करवाया जाता है। भीलवाड़ा मुख्यालय पर राज्य सरकार द्वारा संचालित 50 बेड के ईएसआई

अस्पताल में रोगियों के इलाज की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो रही है, डॉक्टरों व अन्य स्टाफ के करीब 50 प्रतिशत पद रिक्त है साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों का भी अभाव है। औधोगिक इकाइयों में कार्य करते समय कई बार श्रमिको के साथ हादसे व घटनाएं भी होती है, ईएसआई कार्डधारकों को उपचार के लिए अन्य अस्पतालों में रेफर करना एक मजबूरी हो जाती है। जिससे कई बार रोगियों को समय पर उपचार ना मिलने से मौत जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, समय से बेहतर इलाज मिल सके इस विषय को ध्यान में रखते हुए विधायक अशोक कोठारी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को पत्र लिखकर मांग की है। वहीं इसी क्रम में भारतीय मजदूर संघ भीलवाड़ा द्वारा भी ईएसआई अस्पताल में 100 बेड करने व इसका संचालन केंद्रीय कर्मचारी राज्य बीमा निगम के माध्यम से करवाने की मांग की है।

महिला मंडल ने कपासन में पुष्प एवं अबीर गुलाल संग होली खेल फागोत्सव मनाया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। नगर के मुख्य रेलवे स्टेशन मार्ग स्थित श्री यशोदा नंद मंदिर परिसर में श्री मुरलीधर सत्संग महिला मंडल के तत्वावधान में उत्साहपूर्वक फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्संग मंडल के सदस्य कैलाशचंद्र गर्ग ने बताया कि श्री मुरलीधर महिला सत्संग मण्डल के तत्वावधान में नगर के रेलवे स्टेशन मार्ग पंचायत समिति कपासन के समीप स्थित श्री यशोदा नंद मंदिर परिसर में धार्मिक गीत-संगीत एवं भजनों पर झूमते-नाचते उत्साहपूर्वक महिला वर्ग द्वारा फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमे महिला मंडल द्वारा पुष्प वर्षा एवं अबीर गुलाल संग होली खेलकर फागोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रियंका शर्मा,मनोरमा कुमावत,मंजू मुंदड़ा,चित्रा खंडेलवाल, सुनीता शर्मा,कमला वैष्णव,नेहा तिवारी,सीमा कुमावत, उर्मिला मोदी,सावित्री मोदी, मुकुलिका,कैलाश विजयवर्गीय,अरुणा,नीमा,पिंकी सिंह आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध शक्तिपीठ मुला माता मंदिर कपासन पर चैत्रीय नवरात्रि मेले में 30 मार्च से 7 अप्रैल तक होगा मातारानी की भक्ति का संचार

मंदिर समिति अध्यक्ष आचार्य ने कहा युद्ध स्तर पर जारी नो दिवसीय मेले की तैयारियां

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डभाड़ीया)। क्षैत्र में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मुला माता मंदिर पर चैत्रीय नवरात्रि पर आयोजित होने वाले नो दिवसीय भव्य धार्मिक मेले की तैयारियों को लेकर आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।जिसमे मुला माता मंदिर समिति कपासन अध्यक्ष एवं पुर्व नगर पालिका पार्षद सत्यनारायण आचार्य द्वारा 30 मार्च से 7 अप्रैल तक आयोजित होने वाले नो दिवसीय धार्मिक मेले में मेलार्थियों हेतु आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं मातारानी के दरबार में भक्तों हेतु नो दिनों तक महाभंडारे में बनने वाले महाप्रसाद की तैयारियों संबंधी विस्तृत जानकारी देते हुवे में बताया कि युद्ध स्तर पर मेले की तैयारियां जारी है।साथ ही नो दिवसीय मेले के रंगमंच पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी में बताया कि नो दिवसीय भव्य धार्मिक मेले के अंतर्गत 30-31 मार्च बालूराम गाडरी एंड पार्टी सिंदेसर कलां द्वारा लोकगाथा पर आधारित बगड़ावत मंचन,1 अप्रैल गोपाल राव एंड पार्टी कांकरोली द्वारा भजन संध्या,2 अप्रैल जय म्यूजिकल ग्रुप निम्बाहेड़ा द्वारा भजन संध्या,3 अप्रैल बालूराम गाडरी एंड पार्टी

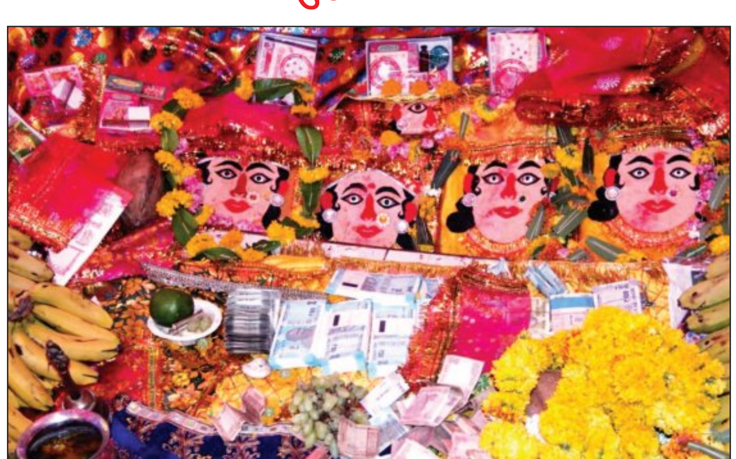

द्वारा बगड़ावत मंचन,4 अप्रैल किशनलाल पनोतिया एंड पार्टी द्वारा बगड़ावत मंचन, 5 अप्रैल को एक शाम मुला माताजी के नाम भजन संध्या,6 अप्रैल यश म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भजन संध्या,7 अप्रैल आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन होगा।साथ ही 7 अप्रैल रात्रि रंग-बिरंगी आकाशीय आतिशबाजी के साथ विशाल रावण का दहन किया जायेगा।यहां मेलार्थियों के मनोरंजन हेतु मेले में डोलर,चकरी, झूले तथा विभिन्न अस्थाई प्रतिष्ठान लगेंगे। उल्लेखनीय है कि उक्त बैठक के अंत में मुला माता मंदिर समिति अध्यक्ष सत्यनारायण आचार्य ने आभार व्यक्त करते हुवे उपस्थित मुला माता मंदिर समिति सदस्य,कार्यकर्ता एवं गणमान्यजनों सहित नगरवासियों से मुला मातारानी के दरबार में आयोजित होने वाले नो दिवसीय चैत्रीय नवरात्रि मेले को सफल बनाने का आग्रह किया गया।इस नो दिवसीय मेले को सफल बनाने हेतु वरिष्ठ पत्रकार एवं पुर्व नपा कपासन पार्षद लालचंद सोनी,शंकर जाट बालारड़ा,भागीरथ जाट बालारड़ा,शोभालाल जाट बालारड़ा,बालू तेली रोलिया,शिव अहीर रोलिया, भगवानलाल राठियाखेड़ी,शंकर जाट केसरखेड़ी,हरीश सोनी,पार्षद रोशन सोनी,उदयलाल सोनी,कन्हैयालाल बारेगामा,गोपाल आचार्य,भंवर माली, सलीम मंसूरी,मुकेश आचार्य,प्रदीप उपाध्याय,राकेश आचार्य,संपत आचार्य, नन्दकिशोर आचार्य,पिंटू खटीक, श्याम लक्ष्कार, मांगीलाल लोहार,प्रकाश पायक,हीरालाल गुर्जर,गोपाल काबरा,नन्दकिशोर सोनी,सुरेश सोनी,आयुष सोनी,नारायण जाट,गोपाल गौड,पवन गौड़,मुकेश तेली रोलिया,प्यारेलाल माली,शांतिलाल सुथार,झमक हलवाई,पुखराज सुथार,जमनालाल पायक,भेरूलाल पायक,पुखराज आचार्य,उदयलाल आचार्य,नानालाल चोटिया ,नपाक अध्यक्ष प्रतिनिधि ललित टांक,मदन कुमावत, लादूलाल आचार्य,छगन आचार्य,नीरज तिवारी, दिनेशचन्द्र तिवारी, कन्हैयालाल तिवारी आदि क्षेत्रीय श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों द्वारा उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

नीट की परीक्षा का इस वर्ष भीलवाड़ा में भी होगा आयोजन

नीट परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के लिए जिला स्तरीय कमेटी के द्वारा किया गया निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। 4 मई 2025 को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के लिए एग्जाम सेंटर की जिला स्तरीय ऑडिट कमिटी के द्वारा आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भीलवाड़ा ,सेठ मुरलीधर मानसिंहका गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र मार्ग , राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रताप नगर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्कूल सुभाष नगर तथा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गुल मंडी स्कूल का जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में गठित कमेटी के द्वारा अवलोकन किया गया है । विद्यालयो में उपलब्ध न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया। परीक्षा कक्षा में लाइट ,पानी तथा दिव्यांग परीक्षार्थियों हेतु रैंप की व्यवस्था का अवलोकन किया गया। उक्त

कमेटी में जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ,जिला शिक्षा अधिकारी योगेश पारीक तथा केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक जुनेजा है । जिला कलेक्टर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर का अवलोकन किया।अवलोकन के दौरान उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा की लेब का भी अवलोकन किया। जिला कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में आईटी वोकेशनल सब्जेक्ट के रूप में क्रियान्वित की जा रही है उनमें छात्र-छात्राओं को वेबसाइट निर्माण की समझ भी विकसित की जानी चाहिए तथा उस विद्यालय की वेबसाइट का निर्माण भी उन छात्रों के द्वारा करवाया जाना चाहिए। कलेक्टर संधू ने परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के साथ-साथ विद्यालय की शैक्षिक एवं अन्य भौतिक संसाधनों के बारे में जानकारी प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी द्वारा प्राप्त की।व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत संचालित दो ट्रेड आईटी/आईटीएस और APPREL की लैब का भी अवलोकन किया जिसमें वेस्ट टू बेस्ट मॉडल और छात्रों द्वारा निर्मित पेंटिंग,सिलाई ,बंदनवार कशीदे अन्य क्राफ्ट की जानकारी लेते हुए कार्य की प्रशंसा की । अवलोकन के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देश दिया गया की हर विद्यालय की अपनी एक वेबसाइट का निर्माण छात्रों द्वारा करवाया जाए जहां विद्यालय के समस्त प्रकार की सूचनाओं जुटा सकें । साथ ही कक्षा 11 के छात्रों को तीन माह सी++और एचडीएमएल लेंग्वेज भी सिखाई जाए । विद्यालय की शैक्षिक एवं भौतिक जानकारी लेते हुए विद्यालय के लिए खेल मैदान विकसित करने हेतु प्रस्ताव भी मांगे। साथ ही विद्यालय में नवनिर्मित डोम का अवलोकन करते हुए फ्लेक्स के माध्यम से प्रदर्शित विद्यालय की समस्त गतिविधियों की जानकारी ली एवं विद्यालय की समस्त व्यवस्था संतोष प्रद पाई गई । निरीक्षण के समय संस्था प्रधान उर्मिला जोशी अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी विकास जोशी ,जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक योगेश पारीक ,अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर प्रतिभा देवटिया भी उपस्थित थे।

हमीरगढ़ पुलिस ने संगम डेनिम फैक्ट्री के एचआर हेड पर जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। पुलिस थाना हमीरगढ़ ने संगम डेनिम फैक्ट्री के एचआर हेड पर जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में कमलेश उर्फ कम्मु, अभिषेक सिंह उर्फ करण दरोगा, बाबुलाल गुर्जर और विजेश गुर्जर शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह (आईपीएस) के निर्देशानुसार जिले में आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने और इस गंभीर घटना में शामिल अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन के निर्देशन में और वृत्ताधिकारी सदर के सुपरविजन में हमीरगढ़ थाना अधिकारी संजय गुर्जर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने लगातार 10 दिनों तक आरोपियों की तलाश की और आखिरकार उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। घटना 3 मार्च 2025 की सुबह करीब 9.45 बजे की है, जब संगम इंडिया लिमिटेड डेनिम यूनिट, बिलियाकलां में जीएम एचआर मैनेजर के पद पर कार्यरत संजय व्यास अपनी गाड़ी से फैक्ट्री जा रहे थे। बीएसएल फैक्ट्री के पास पहुंचते ही आरोपियों ने अपने 10-15 साथियों के साथ मिलकर उनकी गाड़ी रोक ली। बदमाशों ने धारदार हथियारों से हमला किया, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकियां दीं। मारपीट के दौरान संजय व्यास के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। जब राहगीर मौके पर पहुंचे तो आरोपी फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट रामस्नेही अस्पताल से दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। हमीरगढ़ पुलिस की विशेष टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर और पारंपरिक पुलिसिंग के जरिए आरोपियों को ट्रैक किया। लगातार 10 दिनों तक पीछा करने के बाद चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कमलेश उर्फ कम्मु (25) कीरों का मोहल्ला, अभिषेक सिंह उर्फ करण दरोगा (26) नाड़ी मोहल्ला, बाबुलाल गुर्जर उर्फ बाबू (23) ठाकुरजी मंदिर के पास और विजेश गुर्जर (27) कीरों का मोहल्ला, सभी निवासी बिलियाकलां, थाना हमीरगढ़ शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

शहर में अवैध रूप से आबादी के बीच मकानों की छतों पर लगे मोबाइल टावर
पुराना बाजार में धुलंडी के दिन भरभरा कर छत से गिरा टावर तो सहमे लोग
मेला कमेटी को मेले के दौरान टावरों से हादसे की आशंका, प्रशासन को ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर में अवैध रूप से मकान की छतों पर विभिन्न मोबाइल कंपनियों के टावर लगाए गए हैं। इन टावरों को लेकर ना तो स्थानीय प्रशासन ने कभी कोई एक्शन लिया है और ना ही नगर पालिका द्वारा इस पर कोई ध्यान दिया गया। हालात यहां तक खराब है कि नागरिकों की शिकायत पर भी प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की। ऐसे में धुलंडी के दिन शहर के व्यस्ततम पुराना बाजार में एक मकान की छत पर लगा ऐसा ही एक मोबाइल टावर सीधे बीच बाजार में भरभरा कर जमीन पर आ गिरा। गनीमत यह रही कि इस दौरान बाजार में कोई भीड़ नहीं थी। दो महिलाएं मंदिर जाते समय जरूर उक्त घटना में बाल बाल बच गई। पूरे मामले को लेकर अब बारह भाई मेला कमेटी को

मेले के दौरान हादसे की आशंका सता रही है क्योंकि मेला इसी मार्ग से निकलता है और मेले से एक दिन पहले इसी स्थान पर मेला बैठक होती है। ऐसे में मेला कमेटी ने उक्त घटना को नजर अंदाज नहीं करने और पूरे मामले में तुरंत एक्शन लेने के लिए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। स्थानीय वार्ड पार्षद प्रवीण सिंगल के नेतृत्व में मेला कमेटी के पदाधिकारीयो ने तहसीलदार उत्तम चंद्र बंसल को पूरे मामले से अवगत कराया है और बारह भाई मेला कमेटी के लेटर पैड पर ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब है की मोबाइल कंपनियों द्वारा इन मोबाइल टावरों को लगाने के लिए मकान मालिक को चंद रुपये किराए का लालच दिया जाता है। ऐसे में उक्त लालच में शहर के हर मोहल्ले में ही यह मोबाइल टावर लग रहे हैं। हकीकत यह है कि इन टावरों से जो रेडिएशन निकलते हैं वह आसपास के क्षेत्र के लोगों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं कभी भी अगर यह टावर गिरते हैं तो कोई भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं लेकिन इसको लेकर प्रशासन और नगर पालिका ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की।

तहसीलदार ने हल्का पटवारी को दिए निर्देश, शहर में मोबाइल टावरों की करें जांच : तहसीलदार उत्तमचंद बंसल ने बताया कि पूरे मामले में दिशा निर्देश को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन भेजा है। हल्का पटवारी और नगर पालिका ईओ को शहर में लगे इन मोबाइल टावरों की सर्वे कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

हमीरगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और अंडरब्रिज चालू कराने की मांग
भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल को सौंपा गया ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। शहरवासियों ने हमीरगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और रेलवे फाटक स्थित अंडरब्रिज को चालू करवाने की मांग को लेकर भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। शनिवार को नेशनल हाईवे स्थित छो बावड़ी सगसजी मंदिर पर सांसद से मुलाकात कर क्षेत्र के लोगों ने यह मांग रखी।

यात्रियों को हो रही परेशानी : हमीरगढ़ स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। मध्यप्रदेश से जुड़े कई गांवों के लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए अन्य स्टेशनों तक जाना पड़ता है। **जोधपुर-इंदौर ट्रेन**, जो मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच एक महत्वपूर्ण रेल सेवा थी, 50 वर्षों तक लगातार संचालित रही। यह ट्रेन 22 मार्च 2020 तक नियमित रूप से चल रही थी, लेकिन कोरोना काल के बाद रेलवे बोर्ड, उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर ने इसका स्थायी ठहराव बंद कर दिया।

हमीरगढ़ क्षेत्र का महत्व : हमीरगढ़ नगर पालिका क्षेत्र की आबादी 20 हजार से अधिक है। यह एक प्रमुख औद्योगिक और पर्यटन क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में मजदूर और पर्यटक आते-जाते हैं। यहां विभिन्न राज्यों के श्रमिक उद्योगों में काम करने आते हैं। इसके अलावा, उपखंड कार्यालय, तहसील कार्यालय, राजकीय महाविद्यालय, संस्कृत महाविद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, उप जिला अस्पताल और भविष्य में प्रस्तावित पंचायत समिति भी यहां स्थित है। साथ ही, वायुयान पायलट प्रशिक्षण विद्यालय का निर्माण कार्य भी जारी है। लोगों ने जोधपुर-इंदौर, जयपुर-उदयपुर, चेतक और चित्तौड़गढ़-असरवा डेमू ट्रेनों के हमीरगढ़ में ठहराव की मांग की है। सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने रेलवे फाटक के पास अंडरब्रिज चालू करवाने और कोरोना काल से बंद जोधपुर-इंदौर व चित्तौड़गढ़-असरवा डेमू ट्रेन के ठहराव की मांग रखी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि रेल मंत्रालय को प्रस्ताव भेजकर इन समस्याओं के समाधान का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

नगर पालिका अध्यक्ष रेखा परिहार, दिनेश व्यास, घीसुलाल छिपा, विक्रम सिंह गोगावत, तेजमल चौरसिया, नटवर सिंह जायसवाल, किशन सिंह राव, चांदमल टेलर, मनोज चौरसिया, मनीष बापना, जगदीश सोनी, विजय जोशी, आशीष सोनी, श्रीनाथ पाराशर और सोनू चौरसिया आदि ने ज्ञापन सौंपा।

शहर में धूमधाम और उल्लास के साथ मना होली का त्यौहार
मंगला आरती के बाद राजेश्वरी के मंदिर से हुई होली की शुरुआत, शहर में जमकर उड़ा गुलाल, पूर्व विधायक के कार्यालय पर भी होली खेलने पहुंचे लोग

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी(राजू शर्मा)। शहर में गुरुवार की रात शुभ मुहूर्त में हुए होलिका दहन के बाद शुक्रवार को धूलंडी पर होली खेली गई। शहर की होली की शुरुआत राजराजेश्वरी माता रानी के मंदिर में प्रात काल मंगला आरती के बाद फूलों की होली से हुई। इसके बाद अबीर गुलाल उड़ाते हुए जहां महिलाएं काफी संख्या में अपने घरों से बाहर निकली। वहीं युवाओं की टोलियां अब रंगों की बौछार करते शहर की हर गली में नजर आये। राज राजेश्वरी के मंदिर में गुरुवार की रात होलिका दहन के बाद जगदंबा कीर्तन मंडल द्वारा रात्रि जागरण किया गया। भजन कीर्तन के साथ होली के गीत गाये गए। इस दौरान सुबह तक चले इस आयोजन में रसियो पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। जगदंबा कीर्तन मंडल के अध्यक्ष राधेश्याम चंसौरिया ने बताया कि माता रानी के मंदिर की स्थापना के साथ इस कीर्तन मंडल का गठन हुआ था और

उसे दिन से यह कीर्तन मंडल हर नवदुर्गा में और हर महीने की अष्टमी को और विभिन्न कार्यक्रमों में माता रानी के भजनों और कीर्तन का आयोजन करता चला रहा है साथ में मंदिर के विकास में भी कीर्तन मंडल के सदस्यों का विशेष सहयोग है।पूर्व विधायक गिर्राज मलिंगा के कार्यालय पर शहर की नागरिक होली खेलने पहुंचे। वहीं अग्रवाल धर्मशाला में अग्रवाल समाज द्वारा फाग उत्सव मनाया गया। जिसमें डीजे पर होली के गानों पर युवा थिरकते नजर आए। होली के त्योहार पर धूलंडी का उत्सव घर-घर में भी मनाया गया। जहां होली के पकवान विशेष के रूप में गुजिया और सांक के साथ चिप्स और पापड़ घर-घर में व्यंजन के रूप में बनाए गए। वहीं लोगों ने सुबह 8 बजे से दोपहर दो बजे तक जमकर होली का आनंद लिया। इसके बाद बाजार में सन्नाटा पसर गया।

जुम्मे की नमाज हुई शांति से अदा : वहीं शहर में रमजान माह में जुम्मे की नमाज शांतिपूर्वक रूप से संपन्न हुई। शुक्रवार को धुलण्डी होने के चलते जहां पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा जाप्ता छपे छपे पर तैनात किया। वही रमजान में जुम्मे की नमाज को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई। ऐसे में शहर की विभिन्न मस्जिदों में मुस्लिम भाइयों द्वारा रमजान माह में जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण रूप से अदा की

शहर में जगह-जगह हुआ होली पर कार्यक्रमों का आयोजन : शहर में धुलंडी पर जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के कार्यालय पर भी सामूहिक रूप से होली खेली गई। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा होली के त्योहार और रमजान में जुमे की नमाज को लेकर विशेष इंतजाम किए गए। जगह-जगह पुलिस जाप्ता तैनात किया गया।

भीलवाड़ा पुलिस ने 25 चैन स्नैचिंग मामलों का किया खुलासा
कांस्टेबल निहार सिंह की सतर्कता से आरोपी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। अजमेर, ब्यावर और चित्तौड़गढ़ में हुई करीब 25 चैन स्नैचिंग वारदातों का पर्दाफाश करते हुए थाना सुभाषनगर पुलिस ने आरोपी पूनम चंद्र उर्फ पीयुष को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक का निर्देशन और कार्रवाई : भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में चोरी, नकबजनी और लूट की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन, पुलिस उप अधीक्षक श्याम सुंदर के सुपरविजन में सुभाषनगर थाना अधिकारी शिवराज गुर्जर के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। 13 मार्च 2025 को कांस्टेबल निहार सिंह गश्त के दौरान गणेश तिराहा पर मौजूद थे। इसी दौरान बिना नंबर की पल्सर बाइक पर एक संदिग्ध व्यक्ति तेज गति से गुजरा। उसका हुलिया हाल ही में अजमेर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में हुई चैन स्नैचिंग घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज से मेल खा रहा था। संदेह होने पर कांस्टेबल निहार सिंह ने उसका पीछा किया। खुद को घिरता देख आरोपी ने स्पीड बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए कांस्टेबल ने उसे पकड़

लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने सतर्कता से उसे नियंत्रित कर लिया।

आरोपी की स्वीकारोक्ति और कानूनी कार्रवाई : पूछताछ में आरोपी पूनम चंद्र उर्फ पीयुष (29), निवासी बैरवा भाकर भील बस्ती, पुलिस थाना सुरसागर, जिला जोधपुर (वर्तमान में सालावास, थाना विवेक विहार, जोधपुर में किरायेदार) ने कई वारदातों में शामिल होने की बात कबूली। उसके खिलाफ थाना सुभाषनगर में प्रकरण संख्या 30/2025, धारा 304(2) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

गुलाल की खर्ची लुटाते हुए शान से निकली बादशाह की सवारी
ऐतिहासिक बादशाह मेला हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर, (नि.स.)। ऐतिहासिक बादशाह मेला हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। शहर में बादशाह की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। हजारो की तादाद में बादशाह मेला देखने आये लोग जमकर गुलाल से होली खेलते हुए दिखाई दिए। ट्रकनुमा रथ पर बैठे बादशाह ने खर्ची के रूप में गुलाल की पुडिया लुटाई। लोग बादशाह की लुटाई गुलाल को अपनी जेब में रखकर ले जाते है। मान्यता है की यह गुलाल की पुडिया अपने गल्ले या तिजोरी में रखते है। जिससे पूरा वर्ष शुभ फलदायक रहता है। बादशाह की सवारी के आगे बीरबल घूमर नृत्य करता हुआ आकर्षण का केंद्र बना रहा। भैरूंजी के खेजड़े से प्रारंभ हुई बादशाह की सवारी महादेव की छत्री, अजमेरी गेट से होते हुए जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची। जहा पर बादशाह ने जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खडगावत को शहर के विकास के लिए फरमान सुनाया। इस दौरान बादशाह व् बीरबल ने अति. जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी व आयुक्त सहित विधायक शंकरसिंह रावत के साथ जमकर गुलाल से होली खेली।

ऐतिहासिक बारह भाई मेले का आज से आगाज मेला कार्यालय पर होगी ध्वज स्थापना
मेला अध्यक्ष के आवास पर हुआ कमेटी और शहर के लोगो का स्वागत

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर का 167 वर्ष पुराना ऐतिहासिक बारह भाई मेला आज यानि होली की दौज रविवार से शुरू होने जा रहा है। मेला आयोजन के प्रथम दिन पुराना बाजार स्थित मेला कार्यालय पर सतरंगी ध्वज की पूजा अर्चना के साथ स्थापना मेला अध्यक्ष द्वारा की जाएगी। इसके बाद शहर में ऐतिहासिक राधा-कृष्ण की झांकी निकलेगी और फूलों की होली होगी। ऐसे में मेला आयोजन की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

शनिवार को होली की पड़वा पर मेला अध्यक्ष रामवीर पोसवाल के आवास पर गुजर पाड़ा बाबू महाराज मंदिर परिसर में मेला कमेटी और पदाधिकारीयो के साथ मेले में सहयोग करने वाले शहर के गणमान्य नागरिको और पत्रकार बंधुओ का स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर बोलते हुये अध्यक्ष रामवीर पोसवाल ने कहा कि यह हमारे शहर का ही नहीं बल्कि पूरे जिले का सबसे पुराना मिला है। जो पुरखों से जुड़ा है।

भारतीय सिंधु सभा ने होली पर लिया महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन एवं संतों से आशीर्वाद

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा(अमित शर्मा)। भारतीय सिंधु सभा जिला एवं नगर इकाई के सभी सदस्यों द्वारा आज होली के अवसर पर हरी शेवा धाम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, गोविंद धाम सिंधु नगर के महंत गणेश दास, पूज्य दादा साहब झूलेलाल मंदिर एवं मां इच्छापूर्णि दुर्गा माता मंदिर की पारो बहन से आशीर्वाद लिया। जिला प्रवक्ता पंकज

आडवाणी ने बताया कि, महंत गणेशदास जी के लाल गुलाल बसंत ऋतु आई रे गीत से भक्त झूम उठे, ढोलक की थाप पर भजन एवं कीर्तन गाकर होली महोत्सव मनाया गया।

चित्तौड़गढ़

अपनी ऐतिहासिक कहानियों से घिरा चित्तौड़गढ़

पर्यटकों के लिए घूमने कि बेहतरीन जगह

राजस्थान में मौजूद चित्तौड़गढ़ गौरवशाली शहर अपनी समृद्ध संस्कृति और विरासत के लिए मशहूर है। एक समय चित्तौड़गढ़ मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश की राजधानी हुआ करती थी, जो कि अपने महान सम्राट को समेटे हुए है। अगर आप इतिहास प्रेमी हैं और अगर भी कुछ इसी तरह की जगहें बेहद आकर्षित करती हैं, तो चित्तौड़गढ़ घूमने के लिए बेस्ट जगह है।

चित्तौड़गढ़ में चित्तौड़गढ़ किला

चित्तौड़गढ़ किला चित्तौड़गढ़ में घूमने के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है। पहाड़ी की चोटी पर भव्य रूप से स्थित, यह ऐतिहासिक किला राजस्थानी शहर का गौरव है। चित्तौड़गढ़ किला एक विशाल संरचना है जिसे पहली बार 7 वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह लगभग 700 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। चित्तौड़गढ़ के लगभग सभी आकर्षण किले के अंदर स्थित हैं। किला, जिसे वाटर फोर्ट के नाम से भी जाना जाता है, इसके मैदान के अंदर 84 जल निकाय हैं, जिनमें से 22 आज भी मौजूद हैं। विजय स्तम्भ, कीर्ति स्तम्भ, राणा कुंभ पैलेस, मीरा मंदिर और अन्य कई संरचनाएं भी किले के अंदर स्थित हैं।

चित्तौड़गढ़ में सांवरियाजी मंदिर

सांवरियाजी मंदिर चित्तौड़गढ़ में घूमने के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है। मंदिर भगवान् कृष्ण को समर्पित एक प्रमुख मंदिर है जो राजस्थान के मंडफिया में स्थित है। मंडफिया चित्तौड़गढ़ से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित। यह मंदिर कुछ पवित्र घंटे बिताने के लिए एक सुंदर जगह है। मंदिर चित्तौड़गढ़-उदयपुर हाइवे पर पड़ने की वजह से पर्यटकों और श्रद्धालुओं के बीच बेहद लोकप्रिय है।

चित्तौड़गढ़ में विजय स्तम्भ

विजय स्तम्भ, जिसे विजय मीनार के रूप में भी जाना जाता है, चित्तौड़गढ़ के प्रतिरोध का एक टुकड़ा है। मोहम्मद खिलजी पर अपनी जीत के उपलक्ष्य में महाराणा कुंभा द्वारा 1440 ईस्वी में निर्मित, यह 9 मंजिला टॉवर चारों ओर हिंदू देवताओं की मूर्तियों से सुशोभित है। शक्तिशाली टॉवर का निर्माण 1458 और 1488 की अवधि के बीच किया गया था और यह इतना लंबा और विशाल है कि इसे आप शहर के किसी भी हिस्से से देख सकते हैं। टावर के आंतरिक भाग में उस काल के हथियारों, संगीत वाद्ययंत्रों और अन्य उपकरणों की नक्काशी की गई है। सबसे ऊंची मंजिल में जैन देवी, पद्मावती की एक छवि है। साथ ही, अल्लाह शब्द को तीसरी मंजिल पर नौ बार और आठवीं मंजिल पर आठ बार, अरबी भाषा में उकेरा गया है।

चित्तौड़गढ़ का फतेह प्रकाश पैलेस

चित्तौड़गढ़ किले के अंदर फतेह सिंह पैलेस एक आकर्षक संरचना है। चित्तौड़गढ़ का यह महल राजपूत भव्यता को एक नए स्तर पर ले जाता है। महल की वास्तुकला और लेआउट बेहद शानदार है। महल का निर्माण महाराणा प्रताप सिंह ने करवाया था और उन्हीं के नाम पर इसका नाम रखा गया है। एक बड़ी गणेश मूर्ति, एक फव्वारा, कई गुना क्रिस्टल वस्तुएं और विभिन्न भित्तिचित्र इस महल के मैदान को सजाए रखने का काम करते हैं और इसे देखने लायक बनाते हैं। आज, महल में एक संग्रहालय है जो महल, किले और चित्तौड़गढ़ शहर के इतिहास को व्यापक रूप से समझने के लिए एक अच्छी जगह है।

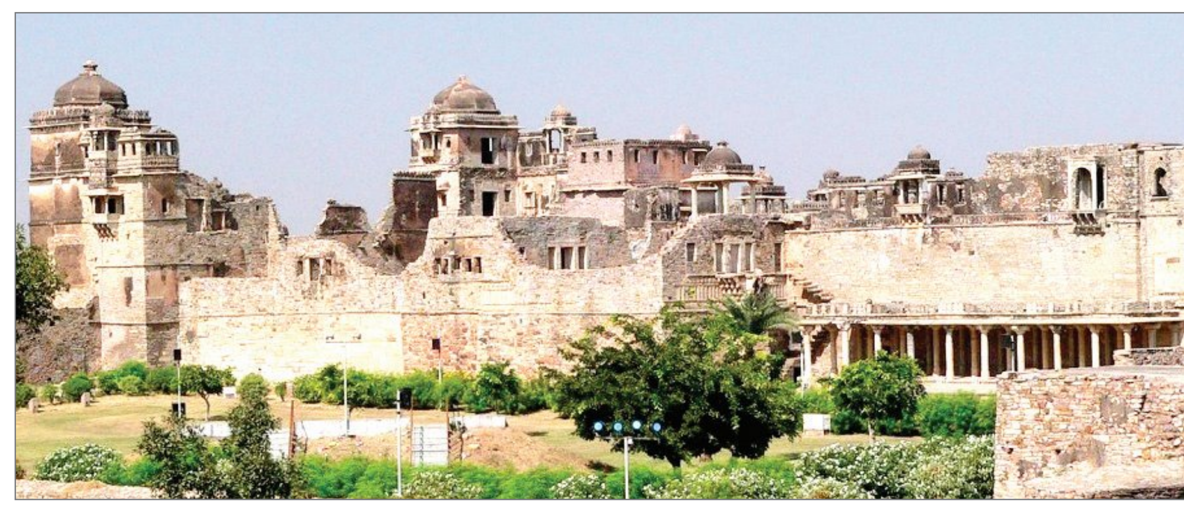

चित्तौड़गढ़ में राणा कुंभा का महल : चित्तौड़गढ़ किले में घूमने के लिए राणा कुंभा पैलेस सबसे दिलचस्प जगहों में से एक है। महल की बर्बाद हुई इमारत को देखकर कोई भी पर्यटक अंदाजा लगा सकता है कि ये महल उस समय कितना अद्भुत और विशाल हुआ करता था। राणा कुंभा पैलेस चित्तौड़गढ़ किले का सबसे बड़ा स्मारक है और इसके साथ एक भव्य इतिहास जुड़ा हुआ है। यह बप्पा रावल, महाराणा कुंभा, रानी पद्मानी, राजकुमारी मीरा बाई, राणा कुंभा जैसे लोगों का निवास स्थान रहा है। इस महल के कालकोठरी को वह स्थान भी माना जाता है जहाँ रानी पद्मानी और महल की अन्य महिलाओं ने जौहर किया था। पास में स्थित भगवान शिव का मंदिर और इसके परिसर में लाइट एंड साउंड शो इसे एक अविस्मरणीय अनुभव बनाता है।

चित्तौड़गढ़ में शतीस देओरी मंदिर

चित्तौड़गढ़ किले के अंदर स्थित, फतेह प्रकाश पैलेस के करीब, यह मंदिर चित्तौड़गढ़ किले में घूमने के लिए सबसे अच्छे पवित्र स्थानों में से एक है। मंदिर जैन मंदिर परिसर का एक हिस्सा है, और उनमें से सबसे बड़ा मंदिर भी है। यह विशाल श्वेतांबर जैन मंदिर 11 वीं शताब्दी में बनाया गया था और भगवान आदिनाथ के जीवन और गुणों के बारे में बताता है। मंदिर के नाम से पता चलता है कि इतिहास में किसी समय अकेले इस मंदिर के अंदर सत्ताईस मंदिर थे। हालांकि इन स्मारकों का कोई निशान नहीं बचा है, लेकिन साथिसदेवरी मंदिर अपने आप में एक भव्य नजारा पेश करता है।

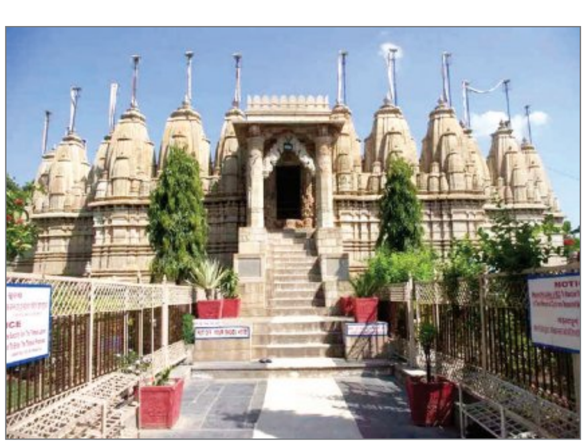

चित्तौड़गढ़ में कीर्ति स्तम्भ

कीर्ति स्तम्भ चित्तौड़गढ़ के सुंदर पर्यटक आकर्षणों में से एक है। विशाल चित्तौड़गढ़ किले के अंदर स्थित, यह 12 वीं शताब्दी का टॉवर प्रथम जैन तीर्थंकर आदिनाथजी के स्मारक के रूप में खड़ा है। 22 मीटर ऊंचे टॉवर का निर्माण जैन व्यापारी जीजा भागरवाला ने रावल कुमार सिंह के शासन के दौरान जैन धर्म का महिमामंडन करने के लिए किया था। टावर में जैन पंथ के फिगर्स मौजूद हैं, और इसलिए, कीर्ति स्तंभ को कई जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा एक प्रमुख जैन तीर्थ माना जाता है। कीर्ति स्तम्भ को टावर ऑफ फेम के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रथम तीर्थंकर ऋषभ को समर्पित है। दिगंबर संप्रदाय की अपनी जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध, इस सात मंजिला ऊंचे टॉवर में श्री आदिनाथ की अद्भुत मूर्तियाँ हैं। टॉवर में सात मंजिलें हैं, और एक संकरी और खड़ी सीढ़ियाँ ऊपर की ओर जाती हैं जहाँ से चित्तौड़गढ़ का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं।

एशिया के ऐसे टॉप हनीमून डेस्टिनेशन जो आपकी जेब पर भी नहीं पड़ेंगे भारी और बिना किसी टेंशन के खुलकर घूम भी पाएंगे

कपल्स के लिए हनीमून डेस्टिनेशन प्लान करना एक बहुत बड़ा टास्क माना जाता है, क्योंकि आपकी पसंद कुछ और होती है, तो आपके पार्टनर की पसंद कुछ और। एक को पहाड़ों से प्यार होता है, तो एक को समुद्र तटों से, इस तरह आप एक निर्णय पर कैसे ही पहुंच पाएंगे। अगर आप कोई बजट फ्रेंडली हनीमून डेस्टिनेशन की तलाश में हैं, तो क्यों न इस बार एशिया की कुछ बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर किया जाए। घूमने की बात आती है, तो न्यूली मैरिड कपल्स ही क्यों, आप भी अपने पार्टनर के साथ यहां जाने के प्लान बना सकते हैं।

बाली, इंडोनेशिया में हनीमून

बाली हमेशा कपल्स के बीच में एक पसंदीदा हनीमून डेस्टिनेशन रहता है और रहे भी क्यों न एक तो है इतना खूबसूरत और फिर ऊपर से बजट में भी रहता है। पानी और खूबसूरत नजारों से घिरा बाली पर्यटकों को बेहद बेहद आकर्षित करता है। इससे रोमांटिक जगह आपको शायद ही कहीं और देखने को मिले। आप यहांदोनों साथ में वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज जैसे स्कूबा डाइविंग का अनुभव ले सकते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक समुद्र तटों पर बैठ सकते हैं।

- **यात्रा की अवधि :** 10 से 15 दिन।
- **बाली जाने का सबसे अच्छा समय :** मई, जून और सितंबर।
- **कैसे पहुंचा जाये :** नगुरा राय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और देनपसार अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस क्षेत्र की सेवा करने वाले दो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं।
- **पैकेज की कीमत :** बाली घूमने के लिए आपको लगभग 1.5 लाख से 2 लाख के बजट की जरूरत पड़ेगी।

मालदीव में हनीमून

मालदीव न केवल सबसे छोटा बल्कि दुनिया का सबसे खूबसूरत द्वीप देश भी है। यह जगह इतनी खूबसूरत है कि आपके जीवन में रोमांस को लाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। अपने रोमांटिक माहौल, साफ नीले पानी और सबसे बेहतर स्कूबा डाइविंग दृश्य के लिए जाना जाने वाला मालदीव वास्तव में एशिया में सबसे उपयुक्त हनीमून स्थलों में से एक है। हनीमून के लिए आकर्षक रिसॉर्ट्स और साफ नीले पानी पर तैरते हुए बंगले मालदीव में कुछ दिन आराम से रहने के लिए मजबूर कर देते हैं।

- **यात्रा की अवधि :** 8-10 दिन।
- **मालदीव घूमने का सबसे अच्छा समय :** अप्रैल से नवंबर
- कैसे पहुंचा जाये: माले के लिए सीधी उड़ान लें।
- **पैकेज की लागत :** मालदीव में अच्छे से घूमने के लिए, आपको 1.2 लाख से 2 लाख के बजट आवश्यकता होगी।

हांगकांग में हनीमून

हांगकांग में कई द्वीप शामिल हैं जो एक दूसरे से ज्यादा दूर नहीं हैं। इस देश को एशिया में सबसे अच्छे बजट-अनुकूल हनीमून स्थलों में से एक है। हांगकांग में जब घूमने की बात आती है, तो शहर को बेहद जीवंत और रंगीन माना जाता है। आप यहां विक्टोरिया पीक में दर्शनीय स्थलों का आनंद लें साथ ही ओशन पार्क की सैर कर सकते हैं।

- **यात्रा की अवधि :** 6-7 दिन।
- **हांगकांग घूमने का सबसे अच्छा समय :** अक्टूबर और दिसंबर।
- **कैसे पहुंचा जाये :** भारत से हांगकांग के लिए कई सीधी उड़ानें उपलब्ध हैं।
- **पैकेज की लागत :** 1.5 लाख और उससे अधिक का बजट अलग रखें, फ्लाइट के लिए किराया अलग रखें।

मलेशिया में हनीमून

मलेशिया में आपको चीनी, भारतीय, मलय और बोर्नियो जैसी संस्कृतियों का सही समामेलन देखने को मिल जाएगा, जो कपल्स के लिए सबसे अच्छा बजट हनीमून डेस्टिनेशन है। बोर्नियो जो इंडोनेशिया, ब्रुनेई और मलेशियाई प्रायद्वीप के साथ साझा किया गया एक द्वीप है, जहां आप मलय, भारतीय और चीन का एक अनूठा मिश्रण देख सकते हैं। यहां कपल्स वॉटर एक्टिविटीज में शामिल हो सकते हैं, साथ ही यहां का बढ़िया खाना भी लोगों को बेहद लुभाता है।

- **यात्रा की अवधि :** 8-10 दिन।
- **मलेशिया घूमने का सबसे अच्छा समय :** साल भर (नवंबर-फरवरी को छोड़कर)।
- **पैकेज की लागत :** 1.1 लाख अनुमानित बजट अलग रखें।

दक्षिण कोरिया में हनीमून

दक्षिण कोरिया प्रमुख रूप से अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है और महाद्वीप के कम देखे जाने वाले लेकिन अविश्वसनीय रूप से सुंदर हनीमून स्थलों में से एक है। अगर आपके पार्टनर को शॉपिंग करना बेहद पसंद है, तो आप लोगों को साउथ कोरिया घूमने जरूर आना चाहिए। यहां मार्किट, डिजाइनर स्टोर या बार्गेन मॉल उपलब्ध हैं, जहां आप खूब सारी शॉपिंग कर सकते हैं। यहां आप चांगग्योंगंग, ग्योंगबोकगंग और देओक्सुंग महलों जैसे प्राचीन वास्तुकलाओं को देख सकते हैं। पार्टी लवर्स को एक बार सियोल भी जरूर जाना चाहिए।

- **अवधि :** आप दक्षिण कोरिया की 4 रात और 5 दिन की यात्रा की योजना बना सकते हैं।
- **पैकेज की लागत :** इस यात्रा के लिए लगभग 2 लाख का बजट निर्धारित करें।
- **सबसे अच्छा समय :** दक्षिण कोरिया की यात्रा करने का आदर्श समय वसंत ऋतु की शुरुआत से गर्मियों के महीनों तक होता है जो आमतौर पर मार्च से मई तक होता है। पतझड़ के महीनों के दौरान यानी सितंबर से नवंबर के महीने में यहां जाना भी एक अच्छा विचार हो सकता है।

तुर्की में हनीमून

इस महाद्वीप का एक और खूबसूरत हनीमून डेस्टिनेशन तुर्की है। यह एशिया के पश्चिम और यूरोप के पूर्व के बीच में पड़ता है। बीजान्टिन, फारसी, तुर्क और ग्रीक साम्राज्यों से सांस्कृतिक मिश्रणों की एक श्रृंखला के साथ, तुर्की हनीमून मनाने वालों के लिए एक परफेक्ट जगह है। इसके असंख्य सांस्कृतिक स्थल, जीवंत जीवन शैली, अद्भुत रिसॉर्ट, आकर्षक बंदरगाह, सुरम्य परिदृश्य और कई शॉपिंग सेंटर, आपके अंदर के रोमांस को बाहर निकाल देते हैं।

- **अवधि:** आप तुर्की के 7 दिन और 6 रातों के घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं।
- **पैकेज की लागत :** तुर्की में अपने हनीमून का सबसे अच्छा आनंद लेने के लिए लगभग 2 लाख का बजट निर्धारित करें।

दैनिक
बढ़ता राजस्थान www.badhatarajasthan.in
RNI NO. RAJHIN/2010/35060

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।
-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

कांग्रेस सरकार ने मुझे असम में पीटा : अमित शाह

7 दिन जेल का खाना खिलाया; इन लोगों ने राज्य में दंगे कराए

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को असम के जोरहाट में कहा- 2016 में भाजपा सरकार बनने से पहले कांग्रेस ने असम को दंगों की आग में झोंक रखा था।

मुझे भी असम में कांग्रेस सरकार ने पीटा था। हितेश्वर सैकिया असम के मुख्यमंत्री थे और हम पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के खिलाफ नारे लगाते थे।

मैंने भी असम में सात दिनों तक जेल का खाना खाया और पूरे देश से लोग असम को बचाने आए। आज असम विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। शाह ने जोरहाट में पुनर्निर्मित पुलिस अकादमी के पहले चरण का उद्घाटन किया और

दूसरे चरण की नींव रखी। शाह ने कहा- लाचित बरफुकन पुलिस अकादमी आने वाले पांच सालों में देशभर में सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी बन जाएगी। मैं असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा को आहोम साम्राज्य के सेनापति लाचित बरफुकन के नाम पर इस अकादमी का नाम रखने के लिए धन्यवाद देता हूं। बहादुर योद्धा लाचित बरफुकन ने मुगलों के खिलाफ असम को विजयी होने में मदद की थी। लाचित बरफुकन केवल असम राज्य तक ही सीमित थे, लेकिन आज लाचित बरफुकन की जीवनी 23 भाषाओं में पढ़ाई जा रही है।

दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूर्वोत्तर के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। वह शुक्रवार देर शाम शाह असम के जोरहाट पहुंचे।

इस दौरान गृह मंत्री ने अपने ट्वीटर हैंडल पर पोस्ट में लिखा कि वह पूर्वोत्तर राज्यों में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा करेंगे और ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के 57वें वार्षिक सम्मेलन में बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में अपने युवा मित्रों से भी मिलेंगे। शाह ने कहा- मैं सभी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।

असम में शाह के कार्यक्रम

शनिवार सुबह मिजोरम रवाना होने से पहले गृहमंत्री शाह अत्यधुनिक पुलिस अकादमी का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि 340 एकड़ में फैली लाचित बरफुकन पुलिस अकादमी का दो चरणों में 1,024 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से नवीनीकरण किया जा रहा है। वे गुवाहाटी के कोइनाधारा स्थित राज्य अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। रविवार सुबह गृह मंत्री ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएसयू) के 57वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करने के लिए असम के कोकराझार जिले के डोटमा के लिए रवाना होंगे। शाह दोपहर में गुवाहाटी लौटेंगे और पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ भारतीय न्याय संहिता की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

किसानों को बड़ी राहत

भूमि विकास बैंक के 760 करोड़ के अवधिपार ऋण में मूल राशि जमा पर पूरी ब्याज माफी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान सरकार ने किसानों और लघु उद्यमियों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बताया कि भूमि विकास बैंकों के लिए एकमुश्त समझौता योजना लागू की गई है। मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसान ऋण की किश्तें नहीं चुका पाए। इससे बैंकों का अवधिपार ऋण करीब 760 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने इस योजना के लिए 200 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया है। योजना के तहत 1 जुलाई 2024 तक अवधिपार हुए मध्यकालीन और दीर्घकालीन ऋणों में राहत मिलेगी। ऋणी अगर मूल धन की पूरी राशि जमा करवाते हैं, तो उन्हें अवधिपार ब्याज में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी।सरकार के सुराज संकल्प के तहत किसानों की भूमि की नीलामी पर रोक लगी हुई है। भूमि विकास बैंकों की वसूली के लिए की जाने वाली नीलामी कार्यवाही भी स्थगित है। इस योजना से बैंकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और किसानों को राहत मिलेगी।

सहकारिता मंत्री ने बताया- मुख्यमंत्री की इस घोषणा से प्रदेश के भूमि विकास बैंकों से जुड़े हुए 36,351 अवधिपार ऋणी सदस्यों को अवधिपार ब्याज में शत प्रतिशत राहत का लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप उक्त ऋणी सदस्यों को नवीन कृषि और अकृषि गतिविधियों के लिए राज्य सरकार की 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना में ऋण दिया जाकर लाभान्वित किया जा सकेगा, जिससे उनका आर्थिक उन्नयन होगा और वे पुन: मुख्यधारा में लौटेंगे।

2 महीने बाद इलाज कराने जोधपुर लौटा आसाराम

एयरपोर्ट पर नारायण-नारायण बोला; आश्रम के लिए रवाना हुआ

बढ़ता राजस्थान

जोधपुर। अंतरिम जमानत पर गुजरात गया आसाराम 2 महीने बाद जोधपुर लौटा है। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही आसाराम से अपने अनुयायियों और बाहर मौजूद मीडियाकर्मियों से नारायण-नारायण कहा और कार में बैठकर अपने आश्रम के लिए रवाना हो गया। जानकारी के अनुसार आसाराम अपना इलाज कराने दोबारा लौटा है। शनिवार दोपहर 1:30 बजे इंदौर की फ्लाइट से आसाराम जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचा। यहां व्हील चेयर पर बैठकर एयरपोर्ट से बाहर आया। इस दौरान उसने एयरपोर्ट पर मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। बाद में कार में बैठते हुए नारायण-नारायण बोलकर रवाना हो गया। इस दौरान एयरपोर्ट पर उसके प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड भी मौजूद रहे। यहां से अपने पाल स्थित आश्रम रवाना हुआ। बता दें कि 31 मार्च को उसकी अंतरिम जमानत की अवधि खत्म हो रही है। इसे लेकर आसाराम ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका भी लगाई है। जिसकी अगली सुनवाई 20 मार्च को है।

आंध्र प्रदेश में पिता ने दो बच्चों की हत्या की : फिर खुद पंखे से लटककर फांसी लगाई

बढ़ता राजस्थान

अमरावती। आंध्र प्रदेश में एक पिता ने शुक्रवार सुबह अपने दो नाबालिग बच्चों की पानी से भरी बाल्टी में डुबोकर हत्या की। इसके बाद उसने खुद पंखे में लटककर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह अपने बच्चों के पढ़ाई में बुरे प्रदर्शन से नाराज था। घटना के समय व्यक्ति की पत्नी घर में मौजूद नहीं थी। वे जब घर पहुंची तो उसने पति का शव बैडरूम के पंखे पर लटका देखा। वहीं, दोनों बच्चों के शव बाल्टी के पास पढ़े हुए थे। इसकी सूचना उसने तत्काल ही पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। फोरेंसिक टीमों को तैनात किया गया है। जो घटना स्थल की जांच में जुट गई हैं। आंध्र प्रदेश पुलिस के मुताबिक, 37 वर्षीय वी चंद्र किशोर काकीनाडा में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम में कर्मचारी है। उसके बच्चों का पढ़ाई में प्रदर्शन खराब हो रहा था। इस वजह से वो घबरा रखा था। उसे डर था कि अगर वे अपनी पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन नहीं करेंगे तो उन्हें प्रतिस्पर्धी दुनिया में संघर्ष करना पड़ेगा और कष्ट उठाना पड़ेगा।

सीएम शर्मा ने आमजन के साथ मनाई होली

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर में धुलंडी का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। राजनेताओं ने भी आमजन और कार्यकर्ताओं के साथ होली पर्व मनाया। सीएम भजनलाल शर्मा ने आज आमजन के लिए सीएमआर के दरवाजे खोल दिए। सीएम भजनलाल शर्मा पत्नी गीता देवी के साथ चार घंटे आमजन के बीच रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में सीएमआर पहुंचे लोगों ने सीएम भजनलाल शर्मा को रंग लगाया। वहीं, सीएम ने भी इस मौके पर सभी को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। सीएमआर में आने वाले लोगों के लिए मिठाई का भी प्रबंध किया गया था। सीएम को रंग लगाने के बाद लोगों ने सीएमआर में आयोजित दावत का भी लुत्फ उठाया।

- सतीश पूनिया को लोगों ने कंधे पर उठाया
- घनश्याम तिवाड़ी ने गाए होली के गीत

सतीश पूनिया ने किया डांस, तिवाड़ी ने गाए गीत

इसके अलावा जयपुर में पूर्व बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी कार्यकर्ताओं के साथ धुलंडी का पर्व मनाया। इस मौके पर उन्होंने चंग पर थाप भी दी और कार्यकर्ताओं के साथ डांस भी किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें कंधे पर उठाया, उसके बाद पूनिया जमकर नाचे। वहीं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने शेखावटी में होली के गीत गाए। उन्होंने भी अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के लिए होली समारोह का आयोजन किया था।

गहलोत ने रखा होली मिलन समारोह

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सरकारी आवास पर शाम होली स्नेह मिलन कार्यक्रम रखा। इसमें उन्होंने कार्यकर्ता और नेताओं से मुलाकात की। इसके अलावा पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी अपने निजी आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ होली खेली। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें रंग लगाकर शुभकामनाएं दी। पूर्व मंत्री खाचरियावास पारंपरिक लोकगीतों पर जमकर थिरके और ढपली भी बजाई।

राज्यपाल बागडे से केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री मेघवाल ने की शिष्टाचार भेंट

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे से शनिवार को राजभवन पहुंचकर केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने मुलाकात की। राज्यपाल ने उनका अभिनंदन किया।

राज्यपाल श्री बागडे से उनकी यह शिष्टाचार मुलाकात थी। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर संवाद किया।

अमेरिकी सेना ने आईएसआईएस चीफ को कार समेत उड़ाया

इराक के साथ मिलकर एयरस्ट्राइक; मरते वक्त भी आत्मघाती जैकेट पहने था

बढ़ता राजस्थान

बगदाद (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने आईएसआईएस लीडर अबू खदीजा को एयरस्ट्राइक करके ढेर कर दिया है। 13 मार्च को अमेरिकी सेना ने इराक के अल-अनबर इलाके में खदीजा की गाड़ी को उड़ा दिया। इस ऑपरेशन में खदीजा के साथ एक और आतंकी मारा गया। अमेरिकी सेना ने इराकी सेना के साथ जॉइंट ऑपरेशन में ये एयरस्ट्राइक की। स्ट्राइक के बाद दोनों सेनाओं ने हमले की जगह पर पहुंचकर दोनों आतंकियों के शव बरामद किए। दोनों आतंकी आत्मघाती जैकेट पहने हुए थे, जिनमें विस्फोट नहीं हो पाया था। उनके पास से कई हथियार भी मिले। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड फोर्स ने बताया कि उन्होंने डीएनए की जांच करके अबू खदीजा के शव की पहचान की है। ये डीएनए पहले की गई एक रेड से इकट्ठा किया था, जिसमें अबू खदीजा बच निकला था।

कौन था अबू खदीजा?

अबदल्ला मक्की मुस्लिह अल-रिफई उर्फ अबू खदीजा का जन्म 1991 में हुआ था। 2009 में अल कायदा से जुड़कर वह आतंक के रास्ते पर चल पड़ा था। हालांकि दो साल बाद ही उसे पकड़ लिया गया और इराक की जेल में डाल दिया गया। फिर 2011 में वह जेल से भाग निकला। 2014 में सीरिया और इराक में इस्लामिक स्टेट उभर रहा था। खदीजा आईएसआईएस से जुड़ गया और संगठन के फैलने के साथ ही उसका कद बढ़ता गया। खदीजा के काम को देखते हुए उसे इराक और सीरिया में आईएसआईएस का चीफ बना दिया गया। हालांकि उसे चीफ कब बनाया गया, इसकी सही तारीख पता नहीं है। चीफ बनने के बाद उसने इराक और सीरिया में आईएसआईएस का काफी विस्तार किया। उसे बाद में उप-खलीफा भी बनाया गया। 2019 में अबू बकर अल-बगदादी के मारे जाने के बाद वह आईएसआईएस का मुखिया बन गया। दुनियाभर में आईएसआईएस के ऑपरेशंस वही तय करता था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, वह पूरे आईएसआईएस ग्रुप में सबसे प्रभावशाली सदस्य था। अबू खदीजा आईएसआईएस में फैसले लेने वाले सबसे बड़े समूह का खलीफा बन गया था। वह दुनियाभर में आईएसआईएस के ऑपरेशन, साजो-सामान और हमलों की प्लानिंग के लिए जिम्मेदार था।

पवन कल्याण बोले- तमिलनाडु के नेता पाखंडी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और एक्टर पवन कल्याण भी तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच जारी भाषा विवाद में कूद गए हैं। पवन कल्याण ने कहा कि तमिलनाडु के नेता हिंदी का विरोध करते हैं। दूसरी तरफ तमिल फिल्मों को हिंदी में डब कराकर पैसे कमाते हैं। ऐसा क्यों? ये पाखंड कर रहे हैं। पवन के बयान पर एक्टर प्रकाश राज ने ट्वीटर पोस्ट की। उन्होंने लिखा- अपनी हिंदी भाषा हम पर मत थोपिए। यह किसी दूसरी भाषा से नफरत करने के बारे में नहीं है, यह हमारी मातृभाषा और हमारी सांस्कृतिक पहचान को आत्मसम्मान के साथ बचाने के बारे में है।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

बीजेपी ने पूछा- राहुल बार-बार वियतनाम क्यों जा रहे, वे नेता प्रतिपक्ष अपने दौरों की जानकारी क्यों नहीं देते; ये राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी विदेश यात्राओं पर एक बार फिर भाजपा ने सवाल उठाया है। भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को कहा- राहुल गांधी कहां हैं? मैंने सुना है कि वे वियतनाम गए हैं। वे नए साल के दौरान भी दक्षिण-पूर्व एशियाई देश वियतनाम में थे। वहां 22 दिन रुके, इतना तो वे अपने निर्वाचन क्षेत्र (रायबरेली) में नहीं बिताते।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रसाद ने कहा, राहुल लगातार वियतनाम और दूसरे देशों की यात्रा कर कर रहे हैं। वियतनाम के प्रति उनके इतने प्रेम का कारण अचानक क्या है? राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, उन्हें भारत में उपलब्ध रहना चाहिए। भाजपा आईटी सेल चीफ अमित मालवीय ने कहा, विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी एक महत्वपूर्ण पद पर हैं। और उनकी कई गुप्त विदेश यात्राएं खासकर जब संसद सत्र चल रहा हो, औचित्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में गंभीर सवाल उठाती हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की लगातार विदेश यात्राओं की डिटेल संसद को नहीं बताई जाती है। और न ही सार्वजनिक की जाती है।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद वियतनाम गए थे राहुल दरअसल, 26 दिसंबर 2024 को पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह का निधन हुआ था। सिंह के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद

राहुल गांधी वियतनाम यात्रा पर निकल गए थे। भाजपा ने तब भी इसकी आलोचना की थी। अमित मालवीय ने तब कहा था- जब पूरा देश सिंह के निधन पर शोक मना रहा था, तब गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम गए थे।